WWW.NAVPRADESH.COM

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | विशेष 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | कारोबार

रायपुर, सोमवार, 3 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- त्रयोदशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 256 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

चमचागिरी करने के चक्कर में कुछ घनचक्कर मूर्खता की सारी सीमायें लांघ जाते हैं और जगहंसाई के पात्र बन जाते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आका को मोगेम्बो की तरह खुश करने के लिए जो हास्यास्पद बयान दिया है उसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी जमकर खिल्ली उड़ाई जा रही है। बकौल रेवंत रेड्डी यदि आज राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होते तो पाक अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा होता। यह गनीमत है कि उन्होंने यह नहीं कहा कि यदि राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो अमेरिका, रूस, चीन और पूरा यूरोप सब भारत के हिस्से होते।

एक्सरसाइज 'त्रिशूल' : तीनों सेनाओं की संयुक्त शक्ति का प्रतीक

■ **तटीय क्षेत्रों और समुद्री क्षेत्रों में एकीकृत अभियानों का प्रदर्शन**

नई दिल्ली (आईएएनएस)। 'त्रिशूलं समन्वयस्य बलम' यानी त्रिशूल समन्वय की शक्ति का प्रतीक है। अब यही समन्वय व शक्ति भारतीय सेनाएं दिखा रही हैं। भारतीय सशस्त्र सेनाओं यानी नौसेना, वायुसेना व थलसेना के वीर जवान 'एक्सरसाइज त्रिशूल' का संचालन कर रहे हैं। यह एक प्रमुख त्रि-सेवा अभियान है जो भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्तता और इंटरऑपरेबिलिटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। भारतीय नौसेना के नेतृत्व में थलसेना और भारतीय वायुसेना के साथ यह त्रि-सेवा संयुक्त सैन्य

अभ्यास अब तक के सबसे महत्वपूर्ण युद्धाभ्यासों में शामिल है। इस व्यापक अभ्यास के दौरान तीनों सेनाएं विभिन्न भू-भागों जैसे कि मरुस्थल, तटीय क्षेत्रों और समुद्री क्षेत्रों में एकीकृत अभियानों का प्रदर्शन कर रही हैं।

इससे तीनों सेनाओं की सिनर्जी और इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस की वास्तविक क्षमता को परखा जाएगा। दरअसल, अभ्यास 'त्रिशूल' भारतीय सशस्त्र सेनाओं की उस अटूट भावना का प्रतीक है जो देश की सीमाओं की रक्षा के लिए संयुक्त शक्ति और समन्वित प्रयासों पर आधारित है। यह अभ्यास तीनों सेनाओं के बीच रणनीतिक तालमेल, संसाधनों के साझा उपयोग और मिशन स्तर पर एकीकृत योजना निर्माण को सशक्त करने का काम करेगा। अभ्यास का मूल भाव जय है। यहां जय का अर्थ है संयुक्तता, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बिलासपुर जोन के अधिकारी बने यूपीएससी में अतिरिक्त सचिव

रायपुर/नवप्रदेश । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी राजेंद्र कुमार अग्रवाल, भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा, का चयन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में अतिरिक्त सचिव के रूप में किया गया है। इस संबंध में कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग केंद्र सरकार ने आदेश जारी किया है. अग्रवाल एसईसीआर बिलासपुर में पदस्थ थे और रेलवे सेवा में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता व प्रशासनिक दक्षता के लिए विख्यात हैं। बता दें कि संघ लोक सेवा आयोग भारत का एक संवैधानिक निकाय है, जो देश की उच्च सिविल सेवाओं के चयन की जिम्मेदारी निभाता है। यह चयन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे व बिलासपुर के लिए गौरव का विषय है। इसके अतिरिक्त आयोग अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करता है। यह चयन न केवल अग्रवाल की प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे व बिलासपुर के लिए भी गौरव का विषय है।

नवनीत राणा को दूसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (आईएएनएस)। भारतीय जनता पार्टी की स्टार प्रचारक और पूर्व सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें यह धमकी हैदराबाद के जावेद नाम के व्यक्ति ने दी है। भाजपा नेता के निजी सहायक (पीए) ने रविवार को राजापेठ पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा नेता नवनीत राणा को आठ दिनों में दूसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। पत्र के जरिए नवनीत राणा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस पत्र के आधार पर नवनीत राणा के पीए मंगेश कोकाटे ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने नवनीत राणा के आवास पर जाकर उक्त पत्र की जांच की है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। नवनीत राणा के पीए मंगेश कोकाटे ने आईएएनएस को बताया, आठ दिन में दूसरी बार नवनीत राणा को पत्र आया है। हैदराबाद का एक युवक है, जो अपना नाम कभी जावेद तो कभी इकबाल बताता है। वह पत्र के जरिए हर बार बम से उड़ाने की धमकी देता है। हमें यह लेटर तीसरी बार आया है। कुछ साल पहले भी इस तरह का पत्र आया था। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने हैदराबाद जाकर भी कार्रवाई की थी। उन्होंने बताया, आठ दिन पहले हमें जो पत्र प्राप्त हुआ था।

इसरो ने नौसेना का सैटेलाइट किया लॉन्च

■ **अंतरिक्ष में संचार नेटवर्क को और अधिक बनाएगा सशक्त**

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) (आईएएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक संचार उपग्रह जीसैट-7आर (सीएमएस-03) सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह उपग्रह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार प्लेटफॉर्म है, जो इसकी अंतरिक्ष-आधारित संचार प्रणाली और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को अधिक दक्षता प्रदान करेगा। यह उपग्रह स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित किया गया है और इसे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। लगभग 4,400 किलोग्राम भार वाला यह उपग्रह अब तक का

भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह है। इसमें कई उन्नत स्वदेशी तकनीकी घटक शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय नौसेना की परिचालन और सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

जीसैट-7आर उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक और बेहतर दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। इसके पेलोड में ऐसे उन्नत ट्रांसपोंडर लगाए गए हैं, जो विभिन्न संचार बैंडों पर ध्वनि, डेटा और वीडियो लिंक को सपोर्ट करने में सक्षम हैं। उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ के साथ यह उपग्रह भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री संचालन केंद्रों के बीच सुरक्षित, निर्बाध तथा वास्तविक समय संचार को सुनिश्चित करेगा, जिससे नौसेना की सैन्य क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के इस युग में जीसैट-7आर आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के भारतीय नौसेना के अटूट संकल्प का प्रतीक है। इसरो ने अपने मिशन के बारे में एक अपडेट में कहा, सीएमएस-03 सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसरो की इस नवीनतम उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, इसरो टीम को बधाई। भारत का बाहुबली एलवीएम3-एम5 मिशन के सफल ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम की आत्मीयता में झलकता है अद्वितीय संगमः सीएम साय

■ **पीएम मोदी से रामनामी समाज के प्रतिनिधियों की आत्मीय भेंट**

■ **सीएम साय ने सोशल मीडिया पर साझा किया भावनात्मक पल**

रायपुर /नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रामनामी समाज के बीच आत्मीय संवाद का एक वीडियो देश में तेजी से वायरल हुआ है। इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे भावनात्मक और प्रेरणादायी पल बताया है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित रजत महोत्सव के दौरान एक हृदयस्पर्शी दृश्य उस समय देखने को मिला, जब रामनाम में लीन जीवन जीने वाले रामनामी समाज के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय भेंट की।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि प्रधानमंत्री के रायपुर प्रवास से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री निवास में विधिविधान से हुआ तुलसी विवाह

देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय ने माता तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया और सपरिवार पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि देवउठनी एकादशी धर्म, अध्यात्म और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ ही शुभ कार्यों की पुनः शुरुआत होती है। तुलसी विवाह समाज में पवित्रता, सौहार्द और एकत्व की भावना को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। यह पर्व हमें परिवार, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। हमारी लोक संस्कृति में तुलसी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मोदी के रोड शो में नीतीश के नहीं होने से गरमाई सियासत

पटना (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो खत्म हो चुका है। 2.8 किमी लंबा यह रोड शो दिनकर गोलंबर से शुरू हुआ था और नाला रोड, कदमकुआं ठाकुरबारी रोड, बाकरगंज होते हुए भवन के पास खत्म हुआ। 43 मिनट के रोड शो के दौरान लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। रथ पर सवार प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल को दिखाकर लोगों से वोट देने की अपील की। इस दौरान लोग जगह-जगह पर अपने छत की बालकनी से पीएम मोदी की आरती उतारते दिखे। इतना ही नहीं जगह-जगह पर बनाए गए स्वागत स्टॉल से पीएम मोदी पर फूलों की बारिश भी की गई। आम लोगों ने पीएम के समर्थन में नारेबाजी की और भारत माता के जयकारे लगाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस साल दूसरा रोड शो था। लोकसभा चुनाव के

दौरान हुए रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए थे, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं थे। प्रधानमंत्री के साथ जनता दल यूनाइटेड से केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, बांकीपुर के प्रत्याशी नितिन नवीन, दीघा के प्रत्याशी संजीव चौरसिया, दानापुर के प्रत्याशी राम कृपाल यादव रथ पर सवार थे। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में सीएम नीतीश कुमार के शामिल नहीं होने पर कांग्रेस ने एनडीए पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर रोड शो की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि अब साफ हो गया कि नीतीश कुमार बिहार का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सड़क हादसे में 18 की मौत

जोधपुर (आईएएनएस)। राजस्थान के जोधपुर जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। फलोदी के मतोड़ा क्षेत्र में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एक टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। इस दर्दनाक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल सभी श्रद्धालु थे जो बीकानेर के कोलायत दर्शन कर सूरसागर लौट रहे थे। देर रात जब उनकी टेंपो ट्रैवलर मतोड़ा इलाके से गुजर रही थी, तभी अचानक सड़क पर खड़े एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

उत्साहजनक उपलब्धि | **एनटीपीसी का राख डंपिंग क्षेत्र जलपक्षियों और प्रवासी प्रजातियों का आश्रय स्थल**

छत्तीसगढ़ में पहली बार समुद्री पक्षी स्लेंडर-बिल्ड गॉल की उपस्थिति

रायपुर/नवप्रदेश । प्रदेश में पहली बार दुर्लभ समुद्री पक्षी स्लेंडर-बिल्ड गॉल की उपस्थिति दर्ज की गई है। यह खोज छत्तीसगढ़ के पक्षी अवलोकनकर्ताओं के लिए उत्साहजनक उपलब्धि है। इस महत्वपूर्ण अध्ययन को जर्नल ऑफ बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के नवीन अंक (सितंबर-दिसंबर 2025) में प्रकाशित किया गया है।

इस पक्षी की पहचान और फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण में बिलासपुर के युवा इंजीनियर राहुल गुप्ता और रत्नेश गुप्ता का प्रमुख योगदान रहा। इनके सहयोगी प्रतीक ठाकुर ने शोधपत्र की संरचना, वैज्ञानिक विश्लेषण और प्रकाशन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया। यह अवलोकन 29 अक्टूबर 2025 को बिलासपुर से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित एनटीपीसी सीपत थर्मल पावर प्लांट के राख डंपिंग क्षेत्र में किया गया था। यही क्षेत्र हर वर्ष बड़ी संख्या में जलपक्षियों और प्रवासी प्रजातियों के लिए आश्रय स्थल बनता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्लेंडर-बिल्ड गॉल मुख्य रूप से पश्चिमी एशिया और भारत के तटीय इलाकों में पाई जाती है, किंतु मध्य भारत के आंतरिक भागों में इसका दिखना अत्यंत दुर्लभ माना जाता है। यह रिपोर्ट छत्तीसगढ़ के जलाशयों की जैवविविधता और पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करती है।

पंखों, पतली चोंच और पीले पैरों से हुई पहचान

टीम के अनुसार, इस पक्षी की पहचान उसके हल्के धूसर-भूरे ऊपरी पंखों, पतली चोंच और पीले पैरों के आधार पर की गई। यह खोज प्रदेश के पक्षी-अध्ययन में एक नया अध्याय जोड़ती है। प्रतीक ठाकुर, राहुल गुप्ता और रत्नेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अध्ययन से छत्तीसगढ़ के प्रवासी पक्षियों की वैज्ञानिक समझ को नया आयाम मिलेगा और भविष्य में अधिक व्यवस्थित सर्वेक्षणों की आवश्यकता पर बल मिलता है।

कैमरे में कैद हुआ दुर्लभ 'बिल्ली सांप'

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा जिला जैव विविधता से परिपूर्ण है, जिस कारण सभी क्षेत्रों में दुर्लभ प्रकार के जीवों के साथ दुर्लभ सांप मिलते हैं। ऐसा ही एक दुर्लभ सांप देखने को मिला मानिकपुर क्षेत्र की जेपी कॉलोनी में स्थित एक घर में। पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि सुशील गर्ग ने वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी कि उनके वार्ड के एक घर में अजीबोगरीब सांप मिला है। जितेंद्र शनिवार रात 9.30 बजे जेपी कॉलोनी निवासी दया शंकर मिश्रा के यहां पहुंचे, जहां राशन सामग्री के बीच एक काले-सफेद रंग का सांप बैठा हुआ था, जो

फॉरेस्टन कैट स्नेक प्रजाति का सांप था। इसको स्थानीय भाषा में बिल्ली सांप एवं चिंगराज बोलते हैं। यह सांप कोरबा में पहले भी मिल चुका है, यह सांप हल्का जहरीला होता हैं पर इंसानों के लिए खतरा नहीं होता, फिर उसका सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया। सांप के विषय में स्थानीय लोगों को जानकारी दी गई तब जाकर सभी ने राहत भरी सांस ली, फिर उसे सुरक्षित प्राकृतिक स्थान में छोड़ दिया गया। दुकान संचालक दयाशंकर मिश्रा ने बताया कि इस तरह का सांप ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गांव में दिनदहाड़े घुसा भालू

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर जिले के कोकपुर गांव में दिनदहाड़े भालू के घुस आने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना के बाद वन विभाग अलर्ट हो गया है। फिलाहाल भालू की तलाश जारी है. इस बीच घटना से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक कोकपुर गांव में रविवार को भालू आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया. सड़कों पर भालू को घुमते देख इलाके में हड़कंप मच गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो ■ शेष पृष्ठ 6 पर

किसान समृद्धि की दिशा में ऐतिहासिक कदम

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान सम्मान और समृद्धि की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय, प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी तिहार

3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल होगी खरीदी

एक सप्ताह के भीतर होगा किसानों को पूर्ण भुगतान

राज्य में 15 नवंबर से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी की जाएगी। राज्य के 25 लाख से अधिक किसानों से सरकार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेगी और किसानों को धान के बदले भुगतान एक सप्ताह के भीतर कर दिया जाएगा। किसान प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेच सकेंगे।

श्री रामविचार नेताम
मंत्री-कृषि एवं किसान कल्याण

धान खरीदी अवधि
खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी होगी।

खरीदी दर और सीमा
राज्य के 25 लाख से अधिक किसानों से ?3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी। 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तक खरीदी की जाएगी।

पंजीयन और पारदर्शिता
इस साल ई-केवाईसी आधारित पंजीयन अनिवार्य। किसानों का पंजीयन भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के एग्रीस्टेक पोर्टल में किया जाएगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित।

डिजिटल क्रॉप सर्वे
23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा। 20,000 ग्रामों में 2 अक्टूबर से डिजिटल सर्वे और मैनुअल गिरदावरी के डेटा का ग्रामसभा में पठन-पाठन जारी।

टोकन प्रणाली
किसानों के लिए 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल ऐप से ऑनलाइन टोकन की सुविधा। किसान अपनी सुविधा अनुसार दिन चुनकर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। सोसायटियों में लंबी कतारों से मिलेगी राहत।

धान खरीदी की पारदर्शिता
बायोमैट्रिक सिस्टम से धान खरीदी की जाएगी ताकि केवल वास्तविक किसानों से खरीद हो। किसानों को भुगतान 6 से 7 दिनों के भीतर किया जाएगा।

खरीदी केंद्र व्यवस्था
2739 खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी। हर केंद्र पर समुचित प्रशासनिक व्यवस्था के निर्देश। कलेक्टर केंद्र प्रभारी के रूप में प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे।

प्रोत्साहन राशि
समितियों को खरीफ वर्ष 2025-26 में शून्य सुखत (क्षति रहित धान) लाने पर 5 प्रति क्विंटल की प्रोत्साहन राशि।

बारदाना व्यवस्था
धान खरीदी के लिए नए और पुराने जूट बारदानों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

केंद्रीय पूल के लिए लक्ष्य
केंद्र सरकार ने 73 लाख मीट्रिक टन चावल लक्ष्य निर्धारित किया।

रिसाइक्लिंग और मॉनिटरिंग
धान की रिसाइक्लिंग रोकने के लिए मार्कफेड कार्यालय में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित होगा। जिलों में भी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।

सीमावर्ती जिलों में निगरानी
पड़ोसी राज्यों से धान की अवैध आवक रोकने के लिए विशेष चेकिंग दल गठित करने के निर्देश।

परिवहन और मितव्ययता
धान के उठाव, परिवहन और भौतिक सत्यापन में मितव्ययता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

सुशासन दिवस पर ऐतिहासिक उपहार
अटल जी के जन्मदिवस 26 दिसम्बर 2023 को सुशासन दिवस के अवसर पर राज्य सरकार ने अपनी एक और गारंटी को पूरा करते हुए 13 लाख किसानों के बैंक खातों में 3716 करोड़ रुपए का बकाया धान बोनस अंतरित किया। यह किसानों के परिश्रम और सरकार की प्रतिबद्धता के संगम का प्रतीक था।

धान खरीदी में नया रिकॉर्ड
विपणन वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी के अनुरूप राज्य सरकार ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की। किसानों को 34,500 करोड़ रुपए की समर्थन मूल्य राशि का तत्काल भुगतान किया गया। इसके पश्चात 12 जनवरी 2025 को कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 25 लाख 49 हजार किसानों को 12,000 करोड़ रुपए की अंतर राशि का एकमुश्त अंतरण किया गया।

बीज उपलब्धता के लिए नीति सुधार
छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार क्रय नियम-2002 के नियम 4 में संशोधन कर बीज उपलब्धता प्रणाली को और सशक्त बनाया गया है। अब बीज का उपार्जन सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम द्वारा राज्य के पंजीकृत बीज उत्पादक किसानों से किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर राज्य की बीज उत्पादक सहकारी समितियों, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के बीज उत्पादन उपक्रमों, नाफेड, म.प्र. बीज महासंघ और भारत सरकार द्वारा चयनित केंद्रीय नोडल एजेंसियों से भी बीज क्रय किया जाएगा।

किसानों के खातों में पहुँचे सवा लाख करोड़ रुपए
बीते 18 महीनों में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों के बैंक खातों में लगभग सवा लाख करोड़ रुपए की राशि का सीधा अंतरण किया गया है। यह किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का स्पष्ट उदाहरण है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 26 लाख किसानों को लाभ
राज्य के 26 लाख किसान भाइयों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ निरंतर मिल रहा है। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि विशेष पिछड़ी जनजाति (PVTG) के 32 हजार 500 किसान भी इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

744 गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण
- 4 लाख से अधिक खसरों में लगी फसल की जानकारी को किया गया ऑनलाइन अपलोड
- रकबे में लगी फसल की जानकारी ऑनलाइन देखने की भी मिली सुविधा
- डिजिटल फसल सर्वेक्षण प्रणाली सटीक उत्पादन अनुमान लगाने में होगी कारगर

किसानों से खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय
- राज्य में 25 लाख से अधिक किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से होगी धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ
- धान के व्यपवर्तन एवं पुर्नचक्रण को रोकने की चौकस व्यवस्था व धान खरीदी हेतु मजबूत प्रशासनिक ढांचा
- अधिक पारदर्शिता के साथ किसानों को किया जाएगा समय से भुगतान (6 से 7 दिन के भीतर)
- टोकन तुंहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से होगी ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था। किसानों का मिलेगी सोसायटियों में लंबी कतारों से मुक्ति
- राज्य शासन के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ प्रदेश के किसानो से दिनांक 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी करने का निर्णय लिया गया है।
- उक्त अवधि में 25 लाख किसानो से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तक धान की खरीदी की जावेगी।
- धान खरीदी में पारदर्शिता को बढावा देने इस वर्ष ई-केवाईसी के माध्यम से, भारत सरकार कृषि मंत्रालय के एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन को अनिवार्य किया गया है, जिससे किसान की सहीं पहचान हो एवं डुप्लीकेशन/दोहराव न हो। पंजीयन 31 अक्टूबर 2025 तक कराया जा सकता है।
- डिजीटल क्राप सर्वे के माध्यम से 23 लाख हेक्टेयर रकबे का सर्वे कराया गया है जिसके फलस्वरूप धान के रकबे का ऑनलाईन निर्धारण डिजीटल रूप से सुनिश्चित हुआ है।
- प्रदेश के 20,000 ग्रामों में दिनांक 02 अक्टूबर से डिजीटल क्राप सर्वे एवं मैन्यूअल गिरदावरी के डेटा को ग्रामसभा में पठन-पाठन कराया जा रहा है।
- किसानों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु टोकन तुहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की गई है इसके तहत किसान स्वयं अपने सुविधा अनुसार दिनों में धान विक्रय किये जाने हेतु टोकन काट सकेगें।
- वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमैट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी।
- 2739 खरीदी केन्द्रो के माध्यम से धान खरीदी किये जाने हेतु समितियों में समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है।
- समितियों को खरीद विपणन वर्ष 2025-26 में शून्य सुखत आने पर 05 रूपये प्रति क्विंटल के मान से प्रोत्साहन दिया जायेगा।
- धान खरीदी हेतु आवश्यकतानुसार नये एवं पुराने जूट बारदाने की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।
- खाद्य विभाग भारत सरकार द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 हेतु केन्द्रीय पूल में 73 लाख मीट्रिक टन चावल का लक्ष्य दिया गया है।
- प्रदेश में धान की रिसाईकलिंग रोके जाने एवं बेहतर मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु पहली बार इंटिग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर मार्कफेड कार्यालय में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिलों में भी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।
- धान खरीदी केन्द्रो में बेहतर एवं सुगम व्यवस्था हेतु कलेक्टर द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को खरीदी केन्द्र प्रभारी बनाने का निर्णय लिया गया है।
- सीमावर्ती राज्यों से खरीदी केन्द्रो धान की आवक रोके जाने हेतु विशेष चेकिंग दल जिलेस्तर पर गठित किये जाने के निर्देश दिये गये है।
- धान के परिवहन व्यवस्था अंतर्गत मितव्ययता को सुनिश्चित किये जाने हेतु धान के उठाव व परिवहन, भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नई ऊर्जा का संकल्प: अरुण साव

रायपुर / नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का शुभारंभ ऐतिहासिक और गौरवशाली हुआ। प्रदेश आज अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार होते देख रहा है।

अटल के सपने साकार, विकसित छत्तीसगढ़ की उड़ान

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि भारत रत्न अटल जी ने अलग राज्य का निर्माण किया था। आज युवा छत्तीसगढ़ नई ऊर्जा, नए संकल्प और ऊंची उड़ान के साथ विकसित राज्य बनाने को तैयार है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सभी जिलों में राज्योत्सव का शुभारंभ हो रहा है, हर जगह उत्साह और गर्व का माहौल है।

बस्तर से नक्सलवाद का अंत, खुशहाली का नया दौर

श्री साव ने विश्वास जताया कि बस्तर से शीघ्र सशस्त्र नक्सलवाद का अंत होगा। प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता से क्षेत्र में तरक्की का नया दौर शुरू होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सरगुजा से नक्सलवाद खत्म किया और बस्तर में भी नक्सलियों को हाशिए पर धकेल दिया था।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्योत्सव का किया शुभारंभ

■ **विभागीय स्टॉलों का अवलोकन भी किया**

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्योत्सव स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने आमचो बस्तर हाट कियोस्क का उद्घाटन कर कलागुड़ी कैटलॉक का विमोचन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दंतेश्वरी मैय्या की पवित्र धरा में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारा छत्तीसगढ़ अब 25 बरस का हो गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने 25 वर्ष में सभी क्षेत्रों में विकास किया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है जिनकी बदौलत देश में राज्य ने नई पहचान बनाई है। तेज गति से विकास के साथ ही बड़े-बड़े उद्योगों के लिए निवेश हो रहे हैं।

श्री साव ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों को सुरक्षा बलों और पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त किया जा रहा है। नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी गई है। बस्तर अब देश और दुनिया में अपनी उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन के लिए जाना जा रहा है। पूरे राज्य में रजत महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लंबी उड़ान के लिए तैयार है। हम सभी को इसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए काम करना है।

शुभारंभ कार्यक्रम को बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी और जगदलपुर नगर निगम के सभापति ने भी संबोधित कर सभी को राज्योत्सव की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। संभागायुक्त डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर हरीश एस. और जिला पंचायत के सीईओ प्रतीक जैन सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

गांजा लेकर महाराष्ट्र जा रही 3 महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर / नवप्रदेश। डीडी नगर इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक कार की तलाशी के दौरान 56 किलो गांजा बरामद किया गया। कार में सवार एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से जुड़े दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस का दावा है कि ये आरोपी कई बार रायपुर के रास्ते गांजा की तस्करी कर चुके हैं। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र के अमरावती निवासी लक्ष्मी चौहान (30) इस गिरोह की सरगना है। वह अमरावती में गांजा की सप्लाई करती है। हाल ही में वह गांजा खरीदने के लिए ओडिशा गई थी। वहां उसने एक बड़े तस्कर से माल खरीदा और ओडिशा के गगन मांझी और राजू बेरिया के साथ लौट रही थी। रायपुर पहुंचने पर वह डीडी नगर में एक परिचित के घर ठहरी थी और वहां से महाराष्ट्र लौटने की तैयारी में थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। कार की तलाशी के दौरान 56 किलो गांजा जब्त किया गया।

जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट की भर्ती, ग्रेजुएट को मौका

रायपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के अंतर्गत जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 133 पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चार जनवरी को व्यापमं से परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस संबंध में सूचना जारी की गई है।जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के 124 और जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कंप्यूटर) के 9 पदों पर भर्ती होगी। ऑनलाइन आवेदन 25 नवंबर तक किए जा सकते हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता स्नातक है। इसके अलावा एक साल का कंप्यूटर डिप्लोमा आईटीआई या अन्य समकक्ष बोर्ड या यूनिवर्सिटी से होना चाहिए। भर्ती के लिए दो चरण हैं। पहले चरण में व्यापमं से लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह 100 अंकों की होगी।इसके आधार पर क्वालिफाई हुए अभ्यर्थियों के लिए दूसरे चरण में स्किल टेस्ट होगा। जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (कंप्यूटर) के लिए 50 अंकों का इंग्लिश टाइपिंग टेस्ट होगा। इसी तरह जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के लिए अंग्रेजी व हिंदी दोनों में 25-25 अंकों का टाइपिंग टेस्ट होगा। भर्ती को लेकर विस्तृत जानकारी व्यापमं की वेबसाइट पर जारी की गई है।

निवेश का झांसा देकर महिला बैंककर्मी के खाते से निकाल लिए 49 लाख

रायपुर / नवप्रदेश। सोशल मीडिया पर सक्रिय साइबर ठग अब नए-नए तरीकों से लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। रायपुर में एक महिला बैंककर्मी के खाते से करीब 49 लाख रुपए उड़ा लिए गए। 1 सितंबर 2025 को पीड़ित महिला के इंस्टाग्राम अकाउंट पर फॉरेस्ट ट्रेडिंग नामक कंपनी का एक निवेश संबंधी लिंक आया। लिंक पर क्लिक करने के कुछ देर बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए निवेश का ऑफर दिया। कॉलर ने शुरुआत में महिला से 17,500 रुपए जमा कराने को कहा। महिला ने बताए गए यूपीआई आईडी पर भुगतान कर दिया। धीरे-धीरे कॉलर ने बड़ा रिटर्न देने का लालच देकर महिला को और अधिक निवेश करने के लिए राजी कर लिया। महिला ने 1 से 11 सितंबर 2025 के बीच चार अलग-अलग खातों में 45 लाख रुपए से अधिक की राशि ट्रांसफर कर दी। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

न्यू शांतिनगर इलाके में बुजुर्ग महिला से सोने की चेन लूटी

रायपुर/नवप्रदेश। न्यू शांति नगर इलाके में शनिवार तड़के लूट की वारदात हुई। स्टेट बैंक के पीछे और भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव के घर के पास एक बुजुर्ग महिला से बाइक सवार युवक-युवती ने फूल मांगने के बहाने सोने की चेन लूट ली। घटना सुबह करीब 4 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, न्यू शांति नगर निवासी रुबा साहू (65) सब्जी की दुकान चलाती हैं। रोज की तरह सुबह टहलने के दौरान वे फूल तोड़ रही थीं। इसी दौरान बाइक में सवार एक युवक-युवती वहां पहुंचे। युवती ने पूजा के लिए फूल मांगा। जैसे ही रुबा ने फूल दिया, युवक ने झपट्टा मारकर उनकी सोने की चेन लूट ली और दोनों तेज रफ्तार से शंकर नगर की ओर भाग निकले।

फोरम का फैसला: बीमा एडवाईजर ने झूठा प्लान बताकर बेची पॉलिसी

अब 98,653 रुपए चुकाना होगा हर्जाना

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय एक्सा लाईफ इंश्योरेंस कंपनी के बीमा एडवाईजर ने जफर अली फारुकी नाम के एक व्यक्ति को झूठी बीमा पॉलिसी की जानकारी देकर पॉलिसी बेची। जफर ने बीमा एडवाईजर के बताए पॉलिसी प्लान को सुनकर पॉलिसी खरीद ली जिसकी कीमत 98 हजार 783 रुपए थी। मगर जब परिवादी को बीमा पॉलिसी के संबंधी दस्तावेज मिले तो पता चला की बीमा के बारे में बीमा एडवाईजर द्वारा बताई गई बातें दस्तावेज में उल्लेखित नहीं थीं। जिसे लेकर परिवादी ने कंपनी से शिकायत की। मगर इसका निराकरण नहीं हुआ। ऐसे में परिवादी ने जिला उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें फोरम ने दोनों पक्षों की सुनवाई कर कंपनी को परिवादी के प्रीमियम के रूप में जमा की गई 88,878 रुपए को परिवाद को दिनांक 03 सितंबर 2016 से अदायगी दिनांक तक 6 प्रतिशत साधारण वार्षिक व्याज सहित देने का आदेश दिया है। वही 10 हजार रुपए मानसिक कष्ट और अधिवक्ता शुल्क और वाद व्यय 5 हजार रुपए देने का आदेश दिया है। ऐसे समझें पूरा मामला

11 साल पहले 21 नवंबर 2014 को रायपुर के बैजनाथपारा में रहने वाले जफर अली फारूकी को एक व्यक्ति मिलता है जो भारतीय एक्सा लाईफ इंश्योरेंस कंपनी का बीमा एडवाईजर था। जिसने जफर को भारतीय एक्सा लाईफ इंश्योरेंस कंपनी के आजीवन संपत्ति प्लस पॉलिसी की प्लान बताया। परिवादी को बीमा एडवाईजर ने बताया कि प्रीमियम राशि 98,793 रुपए थी। जिसे करीब 10 साल तक जमा करना है। इसके बाद बीमाधारक को 6वें साल से कंपनी द्वारा लगभग 65 हजार रुपए मिलेगा और 10वें साल से 95 हजार रुपए आजीवन मिलेगा। वहीं बीमाधारक की मृत्यु होने के बीमाधारक के बच्चे को यह राशि मिलेगी। वहीं बीमा एडवाईजर की बताई हुई बात पॉलिसी बॉण्ड में लिखित में मिलने की बात कही। जिसके बाद परिवादी ने प्रीमियम राशि 98,793.93 रुपए का भुगतान कर पॉलिसी खरीद ली।

वहीं जब परिवादी को बीमा पॉलिसी बॉण्ड प्राप्त हुआ तो उसमें बीमा एडवाइजर द्वारा बताई गई बातें अभिलिखित नहीं थीं। जिसकी शिकायत परिवादी ने दिनांक 26 अक्टूबर 2015 को ईमेल से कंपनी और बीमा लोकपाल मध्यप्रदेश भोपाल में दर्ज करायी। मगर परिवादी को किसी भी प्रकार की सहायता या अनुतोष प्राप्त नहीं हुआ है। जिसके बाद परिवादी ने मामले की उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई जिस पर फोरम ने दोनो पक्षों की बात सुनकर बीमा कंपनी को हर्जाना चुकाने का आदेश जारी कर दिया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

56 किलो गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

14.80 लाख का माल जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के सुंदर नगर दशहरा मैदान के पास थाना डीडी नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी छापेमारी कर दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 56 किलो अवैध गांजा, एक लग्जरी कार और तीन मोबाइल फोन सहित कुल 14.80 लाख रुपये का माल जब्त किया गया। दोनों आरोपी उड़िसा के निवासी हैं और रायपुर में गांजे की बड़ी खेप बेचने आए थे। मामला 1 नवंबर 2025 का है। थाना डीडी नगर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक अनंत कुमार बारीक को दोपहर करीब 3:15 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि दशहरा मैदान के पास सफेद रंग की किया कार (क्रमांक ओडी-26/जी/0938) में दो व्यक्ति ङ्क एक सफेद शर्ट और दूसरा काले-सफेद चेक शर्ट में ङ्क गांजा रखकर ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए बारीक ने तत्काल गवाहों ङ्क बजरंग मानिकपुरी (29), सागर यादव (24) और तौलक जितु यादव (27) ङ्क को साथ लिया और हमराह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे।

घेराबंदी कर पकड़े गए दोनों व्यक्तियों ने अपना नाम गगन मांझी उर्फ गुस्सेश्वर (23), पिता भानु मांझी, निवासी एरीकेशन चौक, सिरतुल नयापाडा, थाना नयापाडा, उड़िसा और राजू बेरिया (37), पिता गणेश राम बेरिया, निवासी बाजार चौक पारा, खरियाड रोड, शिव मंदिर के पास, वार्ड-4, थाना जोनरा, जिला नवापाडा, उड़िसा बताया। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि वे गांजा बेचने रायपुर आए थे और स्थानीय महिला अर्चना मोहिते व लक्ष्मी मोहिते को सप्लाई करने वाले थे।आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 00/2025, धारा 20(b) NDPS एक्ट दर्ज की गई।

छत्तीसगढ़ रेरा में रिकॉर्ड गिरावट: इस साल सिर्फ 105 प्रोजेक्ट पंजीकृत

रायपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) में इस वर्ष बिल्डरों की सुस्ती साफ झलक रही है। पिछले एक साल में कलेक्टर गाइडलाइन में 30 प्रतिशत छूट, छोटे कृषि प्लॉट की रजिस्ट्री और डायवर्सन पर प्रतिबंध के कारण मात्र 105 प्रोजेक्ट ही पंजीकृत हो सके। यह पिछले पांच वर्षों में सबसे कम संख्या है। रेरा गठन के शुरुआती साल 2017 में भी सिर्फ 37 प्रोजेक्ट दर्ज हुए थे। इन 105 प्रोजेक्ट्स में आधे से अधिक रायपुर में हैं, जबकि अन्य जिलों के बिल्डर नए प्रोजेक्ट लाने में रुचि नहीं दिखा रहे। राज्य के प्रमुख बिल्डरों का कहना है कि रायपुर सहित पूरे प्रदेश में मकानों की मांग घटी है, जबकि आपूर्ति बढ़ गई है। हर क्षेत्र में पर्याप्त फ्लैट और प्लॉट उपलब्ध होने से नए निर्माण पर ब्रेक लगा है।

रेरा ने अवैध प्लॉटिंग और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए सख्ती बरती है, जिससे बिल्डर सतर्क हो गए हैं। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने पुरानी संपत्तियों पर 30 फीसदी तक छूट देकर बाजार में हलचल मचा दी है।

पीएम मोदी ने की रमन की तारीफ

■ **बोले- जो कभी कैप्टन थे, वह खिलाड़ी बनकर खेल रहे, यह राजनीति में संभव नहीं होता**

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान विधानसभा के नवीन भवन के लोकार्पण और राज्योत्सव-2025 के शुभारंभअवसर पर विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की भरपूर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विधानसभा के एक कोने में जहां हमारे महापुरुषों के आदर्श स्थापित हैं, वहीं विधान पीठ पर डॉ. रमन सिंह जैसा अनुभव नेतृत्व भी है। रमन सिंह इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण हैं कि एक कार्यकर्ता, अपने परिश्रम से, अपने समर्पण भाव से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। उन्होंने कहा कि साथियों क्रिकेट में देखते हैं, जो कभी कैप्टन रहता है, वह टीम में कभी खिलाड़ी बनकर भी खेलता है, लेकिन राजनीति में ऐसा देखने को नहीं मिलता है, यह उदाहरण डॉ. रमन सिंह दे सकते हैं, जो कभी कैप्टन हुआ करते थे, वे आज एक सच्चे कार्यकर्ता के लिए.. छत्तीसगढ़ की सेवा के लिए समर्पित, हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसी तरह राज्योत्सव शुभारंभ अवसर पर भी मुख्य मंच से डॉ. रमन सिंह की तारीफ की और कहा कि जब डॉ. सिंह को छत्तीसगढ़ का नेतृत्व मिला, तब साथ में चुनौतियां भी मिली, लेकिन जिस तरह छत्तीसगढ़ को संवारा है, उसका बहुत बड़ा श्रेय डॉ. रमन सिंह को जाता है, जो आज विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मार्गदर्शन दे रहे हैं।

सिंगर आदित्य नारायण को पसंद आई छत्तीसगढ़ की खूबसूरती, अगले 1 साल में शूट करेंगे अपना एल्बम

रायपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में राज्योत्सव की धूम है। पांच दिनों तक रायपुर में अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में का आयोजन किया जा रहा है। इस उत्सव मे अपनी आवाज का जादू बिखेरने के लिए मशहूर सिंगर आदित्य नारायण भी रायपुर पहुंचे हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ की खूबसूरती इतनी ज्यादा भा गई है कि अब वह यहां अपना एल्बम शूट करने की तैयारी में हैं।

राइस एंड फॉल शो में एलिमिनेशन पर बोले आदित्य

वहीं, राइस एंड फॉल शो में एलिमिनेशन को लेकर कहा- 'वहां बहुत अच्छा एक्सपीरियंस था। मैंने उनको 5 हफ्ते तक शो में रहने के लिए कहा था। शो के अंतिम हफ्ते में मेरा एलिमिनेशन हुआ। अगर मैं एलिमिनेट नहीं होता तो मैं खुद शो छोड़ सकता था।'

आदित्य नारायण शूट करेंगे एल्बम

मशहूर सिंगर आदित्य नारायण छत्तीसगढ़ में अपना एल्बम शूट करने की तैयारी में हैं। रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने जानकारी देते हुए कहा- 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो 1 साल के अंदर यहां एल्बम करेंगे।'

राज्योत्सव में आदित्य बिखेरेंगे आवाज का जादू

छत्तीसगढ़ रजत राज्योत्सव 2025 के अवसर पर राजधानी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई है। आज 2 नवंबर को कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मशहूर पार्श्व गायक आदित्य नारायण रहने वाले हैं। वह रात 9 बजे मंच पर प्रस्तुति देंगे और अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे। बता दें कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत शाम 6:30 बजे से होगी। इस दौरान सुनील तिवारी, जयश्री नायर, चिन्हारी द गर्ल बैंड और पद्मश्री डोमार सिंह केंवट नाचा दल जैसे कलाकारों के शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे।

6 माह में कस्टडी से फरार हुए 6 आरोपी, एक भी नहीं पकड़ाया

रायपुर/नवप्रदेश। कानून के हाथ लंबे होते हैं वाली कहावत रायपुर पुलिस पर इन दिनों खोखली साबित हो रही है। पिछले छह महीनों में सात खतरनाक अपराधी पुलिस कस्टडी से चकमा देकर फरार हो चुके हैं, लेकिन पुलिस एक को भी दोबारा पकड़ने में नाकाम रही है। हथकड़ी खोलकर, बाथरूम का बहाना बनाकर या कोर्ट परिसर से भागने जैसे तरीकों से अपराधियों ने पुलिस की नाक में दम कर दिया है। इन घटनाओं ने थाना-कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीकी कमजोरी, कर्मियों की लापरवाही और शारीरिक प्रशिक्षण की कमी अपराधियों को मौका दे रही है, जिससे अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।

उरला थानाः आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी फैज अली ने हथकड़ी से हाथ निकालकर थाने से फरारी काटी। आज तक पुलिस उसके सुराग नहीं लगा पाई।गंज थानाः हत्या के आरोपी अनुपम झा कोर्ट पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। घटना कुछ माह पुरानी है, लेकिन वह फरार है। माना थानाः सितंबर में चोरी के आरोपी महेश जांगड़े ने सिपाही का हाथ झटककर कोर्ट परिसर से भाग लिया। उसने साथी के साथ सूने मकान से 10 लाख रुपये के जेवर-नकदी चुराए थे।

सुविचार

कामयाबी हासिल करने का जुनून होना चाहिए आपकी राह से बाधाएं खुद हट जाएंगी और सफलता आपके कदम चूमेगी? - अज्ञात

बिहार में यह कैसा सुशासन

बिहार में चुनाव के दौरान हिंसक वारदात ने बिहार के सुशासन की पोल खोलकर रख दी है। वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के नाम से जाना जाता है और यह बात भी सही है कि नीतीश कुमार की सरकार के कार्यकाल के दौरान बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार देखने को मिला था और लालू यादव की सरकार के कार्यकाल के दौरान बिहार में जो जंगलराज स्थापित हुआ था वह धीरे धीरे खत्म होने लगा था किन्तु बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले ही बिहार में अपराधों का ग्राफ ऊंचा होने लगा था और उसी समय से यह आशंका जताई जा रही थी कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एक बार फिर बिहार का दशकों पुराना रक्त चरित्र सामने आ सकता है। इस संभावना को मद्देनजर रखकर ही चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में मतदान कराने का एलान किया। उस समय भी कुछ पार्टियां यह चाह रही थी कि बिहार में एक ही चरण में चुनाव हो लेकिन चुनाव आयोग ने बिहार के पुराने रक्तरंजित चुनावी इतिहास को दृष्टिगत रखते हुए दो चरणों में मतदान कराने का फैसला लिया था ताकि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की हिंसा और गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराए जा सके। इस एहतियात के बावजूद पहले चरण के मतदान के पूर्व मोकामा विधानसभा सीट पर हिंसक घटना हो ही गई जहां एनडीए और महागठबंधन के अलावा जनसुराज पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। मोकामा विधानसभा क्षेत्र में शुरू से ही बाहुबलियों का दबदबा कायम रहा है और इस बार भी एनडीए ने बाहुबली अनंत सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है वहीं जदयू ने बाहुबली सूरजभान की धर्मपत्नी पर दांव लगाया है। जनसुराज पार्टी ने हालांकि स्वच्छ छवि के पीयूष प्रियदर्शी को उम्मीदवार बनाया है लेकिन उनके खास समर्थक बाहुबली दुलारचंद यादव बने हुए थे जिनपर दो दर्जन से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं। उन्हीं दुलारचंद यादव की एक हिंसक झड़प में मौत हो गई और इसके बाद वहां माहौल खराब हो गया है। दुलारचंद यादव की अंतिम यात्रा के दौरान ही बाहुबलियों के समर्थकों के बीच पत्थरबाजी हुई और अभी भी वहां स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने बिहार के डीजीपी से रिपोर्ट मांगी है। बिहार पुलिस ने अनंत सिंह सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और इस घटना को लेकर बिहार में सियासत तेज हो गई है और महागठबंधन के नेता सवाल उठा रहे हैं कि बिहार में यह कैसा सुशासन है। गौरतलब है कि बिहार में इस बार भी दर्जनों सीटों पर बाहुबली मैदान में हैं। वहां भी ऐसी घटना न हो इसके लिए सुरक्षा के और कड़े इंतजाम करना निहायत जरूरी है।

भारत की बेटियों ने रचा नया इतिहास

वूमेन्स वर्ल्ड कप में भारत की बेटियों ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक मुकाबले में पांच विकेट से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 338 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और अपनी जीत तय मान ली थी किन्तु भारत की बेटियों ने वूमेन्स वन-डे के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्कोर को चेस करके एक नया कीर्तिमान रच दिया। भारतीय टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर तथा बल्लेबाज जेमीमा रोड्रिग्ज ने सौ से अधिक रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया के जबड़े से जीत छीन ली। हरमन प्रीत कौर ने 88 रनों की धुंआधार पारी खेली वहीं जेमीमा रोड्रिग्ज ने नाबाद शतक जड़कर टीम इंडिया को शानदार जीत दिला दी। इस पूरे टूर्नामेन्ट में भारत की बेटियों ने कमाल का प्रदर्शन किया है और वूमेन्स वर्ल्ड कप के इतिहास में तीसरी बार भारत को फाइनल में पहुंचाया है। पिछले दोनों बार टीम इंडिया फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों ही पराजित हुई थी लेकिन इस बार उसने सेमीफाइनल में ही उसे ऑस्ट्रेलिया को निपटा कर पुराना हिसाब बराबर कर लिया है अब फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के साथ होगा जिसमें टीम इंडिया के ही जीतने की पूरी संभावना हैं।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ ज्ञान शक्ति का अर्थ है 'कोहम' मैं कौन हूं? किसलिए आया हूं? क्या कर रहा हूं? क्या विचार चल रहे हैं?

❖ सुदामा आर्थिक सामाजिक रूप से अत्यंत पिछड़े होकर भी उनके विषय में श्रीम? भागवत में जिस शब्द का प्रयोग किया गया है वह शब्द परमात्मा से भी ऊपर हैं। परमात्मा के लिए शब्द का प्रयोग किया गया 'शांताकारम् भुजगशयनम्' और सुदामा के लिए प्रयोग किया गया 'प्रशांत आत्मा'। विशिष्ट शांति का भी विशिष्ट स्वरूप, अति विशिष्ट।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 644 - ईसा पश्चात् - दूसरे मुस्लिम खलीफा उमर इब्न अल खत्ताब की मदीना में एक फारसी गुलाम ने हत्या कर दी। 1394 - फ्रांस के सम्राट चार्ल्स षष्ठम ने यहूदियों को फ्रांस से बाहर खदेड़ दिया। 1493 - क्रिस्टोफर कोलंबस ने डोमिनिका द्वीप की खोज की। 1655 - इंग्लैंड और फ्रांस ने सैन्य और आर्थिक समझौतों पर हस्ताक्षर किये। 1762 - ब्रिटेन और स्पेन के बीच पेरिस की संधि हुई। 1796 - जॉन एडम्स अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गये। 1857 - नानाराव की मथुरा स्थित संपत्ति को ध्वस्त करने के लिये के आदेश- 1869 - कनाडा में हैमिल्टन फुटबॉल क्लब अस्तित्व में आया। 1903 - पनामा को कोलंबिया से आजादी मिली। 1938 - 'असम हिन्दी प्रचार समिति' नामक एक संस्था कायम की गई। 1948 - भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना पहला भाषण दिया। 1958 - तत्कालीन सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया। 1962 - चीन के हमले के मद्देनजर भारत में गोल्ड बॉन्ड स्कीम की घोषणा की गयी। 1984 - भारत में सिख विरोधी दंगों में तीन हजार से ज्यादा लोग मारे गए। 1988 - वायु सेना ने आगरा से एक पैराशूट बटालियन समूह को लिया।

रामविचार नेताम
कृषि मंत्री

भारतीय साहित्य, विशेषकर हिंदी, उर्दू और आदिवासी भाषाओं में बिरसा मुंडा एक प्रतीक बन चुके हैं। महाश्वेता देवी के उपन्यास 'अरन्योर अधिकार में बिरसा का जीवन-संघर्ष महाकाव्य रूप में उभरता है। रामदयाल मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, और नंदलाल पुरोहित जैसे रचनाकारों ने उनके जीवन को लोकगाथा और आधुनिक इतिहास के बीच सेतु बनाया। छत्तीसगढी, मुंडारी, नागपुरी भाषा में बिरसा पर अनेक गीत और नाट्य रूपांतरण हुए हैं। इन रचनाओं में बिरसा केवल एक नेता नहीं बल्कि लोकनायक हैं जो धरती के अधिकारों के लिए लड़े और स्वयं धरती का प्रतीक बन गए। आज भारत में जब हम जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) मनाते हैं तो यह केवल एक स्मृति दिवस नहीं है। यह लोक समानता की पुकार है। बिरसा का दर्शन हमें बताता है कि विकास का अर्थ जंगल काटना नहीं, बल्कि जंगल के साथ जीना है।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा

इतिहास के पन्नों में बिरसा मुंडा का नाम भले ही 25 वर्ष की छोटी आयु में समाप्त हो गया हो, परंतु लोक जीवन में वे आज भी जीवित हैं। गीतों में, स्मारकों में, कथाओं में और आदिवासी चेतना के हर नारे में।

÷धरती आबा यानी धरती का पिता। यह संबोधन केवल सम्मान नहीं बल्कि, उस भाव विश्व का प्रतीक है, जिसमें भूमि, जल, जंगल, समाज और ईश्वर सभी एक ही जीवनचक्र के अविभाज्य अंग हैं।

बिरसा मुंडा लोक स्मृति में किसी देवता की तरह प्रतिष्ठित हुए हैं। वे लोकगीतों में "धरती के रक्षक" "अंधकार में प्रकाश और अपनों की अस्मिता के रखवाले के रूप में गाए जाते हैं। उनकी यह छवि इतिहास से अधिक जन विश्वास में जीवित है, क्योंकि इतिहास उनके संघर्ष को सीमित रूप में लिखता है, लेकिन लोकगीत उसे आत्मा से जीता है।

झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बिहार के जनपदों में बिरसा मुंडा से जुड़ी कई लोककथाएं और लोकगीत आज भी प्रचलित हैं। इनमें उन्हें ईश्वर समान लोकदेव के रूप में स्मरण किया जाता है। एक प्रचलित मुंडारी गीत प्रस्तुत है-

'धरती आबा बिरसा रे
जंगल-पानी के रखवाला रे।
हुलगुलान में जनम लड्ला.
दिकू राज के तोड़ डाला रे।"

यह गीत उनके विद्रोह को एक पवित्र कर्म के रूप में प्रस्तुत करता है। यहां दिकू शब्द बाहरी शोषक के लिए है और हुलगुलान (उलगुलान) सामाजिक-आर्थिक अन्याय के विरुद्ध जनक्रांति का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी महिलाओं के गीतों में बिरसा "भाई" 'पति', या "धरती के लाल÷ के रूप में पुकारे जाते हैं। कई गीतों में उनकी गिरफ्तारी और मृत्यु का करुण चित्र मिलता है

"रांची जेल में बिरसा सोवेला,
ओ धरती आबा उठ जा रे,
हमर खेत, हमर जंगल पुकारत हवे।"

इन गीतों में ऐतिहासिक दुःख लोक शोक में बदल जाता है। वे केवल बिरसा की मृत्यु नहीं गाते. बल्कि उस भूगोल का विलाप करते हैं, जहां जंगल और आदमी दोनों कैद हो गए।

लोक कथाओं में कहा जाता है कि बिरसा जब पहाड़ों में प्रवचन देते थे. तो पेड-पौधे झुक जाते थे. हवा थम जाती थी और पक्षी उनका नाम जपते थे।

कई जनश्रुतियों के अनुसार मृत्यु के बाद वे 'धरती में विलीन नहीं हुए, बल्कि ÷धरती में समा गए÷ यही कारण है कि लोग उन्हें 'धरती आबा कहते हैं। इन जनश्रुतियों में इतिहास मिथक का रूप लेता है और मिथक लोक आस्था का। इस प्रकार बिरसा का व्यक्तित्व इतिहास और धर्म के बीच पुल बन जाता है। एक ऐसा लोक ईश्वर, जो न्याय और अस्मिता दोनों का प्रतीक है।

19वीं सदी के अंतिम दशकों में छोटा नागपुर का भू-सामाजिक ढांचा तेजी से बदल रहा था। अंग्रेजी शासन ने परंपरागत "खूंटकट्टी" भूमि-प्रणाली को तोड़ा और भूमिहीनता फैली।

'दिकू (बाहरी व्यापारी, महाजन, जमींदार) आदिवासी भूमि पर कब्जा करने लगे। यही वह पृष्ठभूमि थी, जहां बिरसा के नेतृत्व में स्वराज समान चेतना जन्मी। 1895-97 बिरसा ने धार्मिक सुधार आंदोलन शुरू किया, जिसमें शराबबंदी, पशुबलि का विरोध और शुद्ध आचरण का प्रचार। 1897-98 में उन्होंने सामाजिक संगठन को राजनीतिक स्वर दिया। 'अबुआ राज÷ (अपना राज) की घोषणा हुई।

1899-1900 में उलगुलान अपने चरम पर पहुंचा। सैकड़ों गांवों ने भाग लिया। ब्रिटिश थानों और गिरजाघरों पर हमले हुए। इस चरण में बिरसा के अनुयायी 'बिरसाइत कहलाए। वे किसी बाहरी शासन को अस्वीकार करते हुए 'धरती के अपने कानून को सर्वोपरि मानते थे।

ब्रिटिश सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए विशेष सैन्य बल भेजा। सैकड़ों गांव जलाए गए, सैकड़ों लोग मारे गए। मार्च 1900 में बिरसा को जमकोपाई जंगल से गिरफ्तार किया गया और रांची जेल में डाल दिया गया।

09 जून 1900 को उनकी मृत्यु हो गई। केवल 25 वर्ष की आयु में। परंतु इस 'पराजय ने भी आंदोलन को अमर बना दिया। उनकी शहादत ने आदिवासी आत्म-गौरव को वह स्वर दिया जो आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन में गूंज उठा। बिरसा के आंदोलन ने जो शब्दावली रची वह आज भी आदिवासी राजनीतिक और सांस्कृतिक आंदोलनों की आत्मा है। 'अबुआ राज एते जना, महारानी राज तुन्दु जना (अब हमारा राज होगा. रानी का नहीं)। जंगल, जल, जमीन÷ यह तीन शब्द आज भी भारत के आदिवासी आंदोलनों की रीढ़ हैं। लोकगीतों में बिरसा को 'धरती का कानून कहा जाता है अर्थात वह न्याय जो किसी शासन से नहीं बल्कि प्रकृति और समाज से जन्म लेता है।

इस नजरिए से उलगुलान केवल विद्रोह नहीं था. बल्कि एक 'लोकन्याय दर्शन था, जिसमें जीवन और प्रकृति की एकता सर्वोपरि थी।

बिरसा मुंडा ने धर्म और संस्कृति को प्रतिरोध का आधार बनाया। उन्होंने कहा ÷ईश्वर एक है और वह धरती में बसता है। उनकी इस धारणा ने मुंडा समाज में एक नई धार्मिक धारा को जन्म दिया। बिरसाइत पंथ जो आज भी झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में जीवित है। इस पंथ की विशेषताएं हैं -

एकेश्वरवाद- जो सत्य, संयम, श्रम और सामुदायिक जीवन का आदर्श है। बाहरी धार्मिक हस्तक्षेप का विरोध, समाज में समानता और नारी सम्मान। इस पंथ ने आदिवासी समाज को आत्म परिचय का भाव दिया, और ईसाई या हिंदू होने के दबाव से मुक्त किया।

आलोक मेहता

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध प्रचार के दौरान पूंजीपतियों से रिश्तों का पुराना राग सुना रहे हैं 7 विशेष रूप से अंबानी अडानी और नाम लिए बिना अन्य चार- पांच पूंजीपतियों को सर्वाधिक लाभ देने का आरोप लगा रहे हैं 7 शायद वह भूल जाते हैं कि पूंजीपतियों के साथ कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के साथ रहे संबंधों, उनकी सरकारों के दौरान बड़े पूंजीपतियों को मिले प्रश्रय अथवा लाइसेंस, परमिट, अनुबंध, ठेकों का हिसाब किताब उनके लिए ही बहुत महंगा साबित होगा 7 कई बार ऐसा लगता है कि वह 60 -70 के दशक में वामपंथी राजनीतिक दलों अथवा श्रमिक संगठनों द्वारा टाटा बिरला और पूंजीपतियों के विरुद्ध की जाने वाली नारेबाजी के बल पर जनता को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं 7 जबकि भारत ही नहीं चीन और रुस जैसे कम्युनिस्ट देशों में भी प्राइवेट और मल्टीनेशनल कंपनियां बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं 7 भारत में आर्थिक उदारवाद भी 1991 में कांग्रेस राज नरसिंहा राव की सरकार और मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री रहते हुए लागू हुआ

पूंजीपतियों से रिश्तों का राजनीतिक हिसाब किताब बहुत महंगा

अम्बानी अडानी समूह तो पिछले तीस वर्षों के दौरान तेजी से आगे बढ़े हैं। राहुल गाँधी अपने को युवा सम्राट मानकर संभव है भारत की राजनीतिक आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं जानना चाहते या उनके सलाहकार उनको नहीं बताते । लेकिन बिहार ही नहीं देश के सामान्य लोग भी बिरला टाटा से लेकर अम्बानी अडानी जैसे समूहों को किसी न किसी रुप में सुने हुए या जानते हैं। यही नहीं करोड़ों लोगों ने इन कंपनियों के अलावा अन्य उद्योग व्यापार की कंपनियों के शेयर ख़रीदे हुए हैं यानी अपनी पूंजी भी लगा रखी है। वे न समझना चाहें लेकिन इस विवाद पर कुछ तथ्यों पर ध्यान दिलाना उचित लगता है। बिरला समूह की ही बात की जाए, तो कृष्ण कुमार बिरला न केवल सदा कांग्रेस पार्टी को हर संभव सहयोग और चुनावी चंदा देते रहे, स्वयं कांग्रेस पार्टी द्वारा 1984 से 2002 तक राज्य सभा के सांसद के रुप में साथ में जोड़कर रखा। बाद में प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार में उनकी बेटी श्रीमती शोभना भरतिया को 2006 से 2012 तक राज्य सभा का नामजद सदस्य बनाकर रखा। बिरला समूह की कंपनियों ने कांग्रेस सहित हर सरकार के काल में प्रगति की ।

राहुल गाँधी को क्या यह तथ्य नहीं पता हैं कि बिरला परिवारों की दूसरी कंपनी हिन्दुस्तान मोटर्स की अम्बेसेडर कारों को सरकार की एकमात्र मान्यता प्राप्त कार के नाते सर्वाधिक खरीदी भाजपा की अटल सरकार आने तक होती रही। बाद में मारुति और अन्य बड़ी गाड़ियों की खरीदी होने लगी। वैसे पिछले दशकों में चीनी, खाद, पटसन के कारखानों या टेलीकॉम उद्योग और नई टेक्नोलॉजी के कई उद्यमों में बिरला समूह आगे बढ़ते रहे। बहरहाल उन्हें अम्बानी परिवार पर बड़ी आपत्ति होती है। वे यह कैसे नहीं जानते कि रिलायन्स समूह धीरुभाई अम्बानी से लेकर मुकेश अथवा अनिल अम्बानी को सर्वाधिक सहयोग कांग्रेस सत्ता काल में रहा। यही नहीं राजीव गाँधी के राजनीतिक संकट यानी वी पी सिंह के विद्रोह के दौरान अम्बानी ने पर्दे के पीछे उनका साथ दिया। दिलचस्प बात यह है कि अनिल अम्बानी तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के वोटों से ही उत्तर प्रदेश से राज्य सभा में 2004 में सांसद बने। तब सोनिया गाँधी पार्टी प्रमुख और राहुल गाँधी भी सांसद थे ।

राजीव गाँधी से मनमोहन सिंह तक की कांग्रेस सरकारों के दौरान पॉलिएस्टर, गैस, टेलीकॉम के उद्यमों के लिए रिलायन्स के साथ विशेष रियायतों के आरोप लगते रहे। सही बात यही है कि उदार आर्थिक नीतियों और देश के आर्थिक विकास के लिए उनके साथ कई अन्य कंपनियां आगे बढ़ती रहीं। मनमोहन सिंह ही नहीं प्रणव मुखर्जी, नारायणदत्त तिवारी और चिदंबरम के वित्त या उद्योग वाणिज्य मंत्री या मुरली देवड़ा के पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए इन समूहों ने तेजी से प्रगति की । गुजरात देश का सबसे प्रगति करता प्रदेश रहा है । इसलिए टाटा बिरला अम्बानी अडानी समूहों को वहां मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल या प्रधान मंत्री बनने पर भी समुचित अवसर मिलते रहे । राहुल गांधी यह कैसे भूल गए कि 2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान वह पार्टी प्रमुख थे और उनकी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार मिलिंद देवड़ा को मुंबई से चुनावी विजय के लिए रिलायंस के अध्यक्ष मुकेश अम्बानी ने अलग से अपील जारी की थी । यों बिरला अम्बानी के अलावा एक और बड़े उद्योगपति आर पी गोयनका रहे हैं। वे कांग्रेस और गाँधी परिवार के करीबी रहे । उनका औद्योगिक समूह भी तेजी से आगे बढ़ा। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें पश्चिम बंगाल से राज्य सभा का चुनाव जितवाकर सन 2000 से 2006 तक सांसद बनाकर संसद में रखा। आर पी गोयनका तो गाँधी परिवार के कुछ ट्रस्टों के सदस्य भी रहे ।

इसी सप्ताह मुजफ्फरपुर की एक चुनावी सभा में राहुल गाँधी ने अम्बानी परिवार की शादी के समारोह में प्रधान मंत्रीं नरेंद्र मोदी के जाने और खुद न जाने का दावा करते हुए अम्बानी समूह को लाभ मिलने का आरोप लगाने को साहसिक काम समझा, लेकिन उनके साथ बैठे और कांग्रेस राजद के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव के चेहरे के रंग उतर गए क्योंकि वह और लालू यादव का पूरा परिवार अम्बानी के विवाह उत्सव में पूरी शान के साथ शामिल हुए और वहां उनकी अच्छी खातिर भी हुई थी । वैसे कांग्रेस के कुछ अन्य वरिष्ठ नेता भी इस समारोह में गए थे। भारत में पारिवारिक कार्यक्रमों में आना जाना सामान्य शिष्टाचार रहा है। परस्पर राजनीतिक या व्यावसायिक प्रतिद्वंदी होने पर भी सामान्य सम्बन्ध बने रहते हैं। राहुल गांधी को जिस अडानी समूह को पोर्ट या एयर पोर्ट के रखरखाव या निर्माण का काम दिए जाने पर तकलीफहो रही है, उन्हें यह जानकारी कैसे नहीं है कि गुजरात के कांडला पोर्ट अडानी समूह को 1994 में दिया गया, जब केंद्र में राव की और गुजरात में छबिलदास मेहता की कांग्रेस सरकारें थी । तब तो नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री भी नहीं थे। इसी तरह राजस्थान में अडानी समूह को ग्रीन एनर्जी यानी सौर ऊर्जा के बड़े प्रोजेक्ट का काम 2018 में मिला, जहाँ अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार थी। छत्तीसगढ़ में भी कोयला खदानों आदि से जुड़े काम कांग्रेस और भाजपा सरकारों के दौरान मिले ।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चम्मच से कटोरी

चम्मच से कटोरी कुछ ख़फ़ा है, औ प्लेट कटोरी से कटा कटा है। प्लेट कितना भी बड़ा हो यारो, थाली का कद कभी न घटा है। झारे की बदगुमानी का यारो, कढाई को भी अच्छे से पता है। बटलोही आग में घिर के भी न डरे उसके सहारे चांवल पक रहा है। थाल कटोरी में हो, जो भी व्यंजन, खानेवाला चम्मच जरूर मांगता है। और गिलास कहे, खाने के बाद, प्यास बुझाने मेरा सर झुका है। मैं बड़ा हूं या दानी तू बड़ा है आज ये ही अहम मसअला है ।

- संजय दानी

सांस लेने में

सांस लेने में और जीने में बड़ा अंतर है ... न समय का पहिया रुका है न जीवन की सांसे रुकी है पतझड़ को बसंत का इंतजार है दुःख है तो सुख का इंतजार है कब बदलेगा यह मंजर यह सोचकर इंसान क्या बेखबर है जंगल काट दिए गए सिर्फ और सिर्फ बड़े आदमी को और बड़े बनाने के लिए जो गरीब थे उन्हें बेघर कर दिए बस इतिहास के पन्नो में लिख दिया जाएगा कभी यहां लोग जीवित थे।

- लक्ष्मी नारायण लहरे

बे बात ही दिल से भुलाया गया

बे बात ही दिल से भुलाया गया मुझे जरूरत पड़ी तो फिर से बुलाया गया मुझे मैं आज भी अपने ही असूलों पे चलता हूँ इस राह से कई बार हटाया गया मुझे। - **संजय कुमार गिरि**

विभिन्न संस्कृतियों का समुच्चय ही

विभिन्न संस्कृतियों का समुच्चय ही छत्तीसगढ़िया संस्कृति है, जिसकी अपनी पृथक पहचान और अस्मिता है। छत्तीसगढ़ी में संस्कृत, मराठी, ओड़िया, मागधी, अवधि सहित द्रविड़ भाषाओं के भी संस्कार हैं। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी महासागर है, इसे तालाब बताना इस महान संस्कृति का अपमान होगा। - **केवल कृष्ण**

गैर पर करना भरोसा छोड़िये साथ अपनों

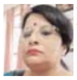

गैर पर करना भरोसा छोड़िये साथ अपनों का न रहना छोड़िये नेक नीयतें आपकी सबके लिए दोस्त से चुगली लगाना छोड़िये रूप तेरा यूं निखरता ही रहे पर कभी पार्लर न जाना छोड़िंये यार की हर बात को माना करे फ़ालतू तकरार करना छोड़िये जन्म माँ ने जब दिया है आपको दर्द उसको आज देना छोड़िये।

- डॉ मधु त्रिवेदी

मेरे ख्वाबों की दुनिया की हकीकत बन

मेरे ख्वाबों की दुनिया की हकीकत बन गए हो तुम छुटाए भी नहीं छूटे वो आदत बन गए हो तुम न तुमसे राब्ता कोई न दिल की है लगी कोई मेरी हर नज़्म की लेकिन जरूरत बन गए हो तुम। - **पूजा बंसल**

अल्हड़ आँखों के कुछ सपने

अल्हड़ आँखों के कुछ सपने,आँचल में भर लाई हूँ, मोल नहीं है इनका कोई,ये बतलाने आई हूँ॥ कागज की वो नाव पुरानी या रेशम की गुड़िया ही बचपन वाले खेल खिलौने थे याद दिलाने आयी हूँ।।

- डॉ.सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज का दिन आपके लिये हानिकर रहेगा। आज किसी ना किसी रूप में आपके विचार कार्य उल्टा ही फल देंगे।

वृषः आज आप केवल अपने मन की ही सुनेंगे घर मे यह व्यवहार अशांति करा सकता है लेकिन कार्य क्षेत्र पर इससे लाभ ही होगा। आज आपके उच्चप्रतिष्ठित लोगो से संपर्क बनेंगे।

मिथुनः आज आप अपने मन की इच्छा पूर्ति को सर्वोपरी रखेंगे इसके लिये किसी बंधन अथवा प्रतिबंध का भी विरोध करने से पीछे नही हटेंगे परिजनों से कहासुनी होना संभव है।

कर्कः आज के दिन आप निश्चिन्त होकर अपने कार्यो को करेंगे धार्मिक कार्यो में आस्था बढ़ेगी पूजा-पाठ के लिए समय निकाल लेंगे मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे।

सिंहः आज दिन के आरंभिक भाग में किसी कार्य को करने की जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है आज धैर्य से सोच विचार कर काम करने पर ही व्यवसाय अथवा अन्य कार्यो से लाभ पाया जा सकेगा।

कन्याः आज के दिन स्थिति हर प्रकार से आपके पकड़ में रहेगी। कार्य क्षेत्र हो या घर किसी को भी नाराज होने का अवसर नही देंगे नाराज लोगो को भी अपने मजाकिया अंदाज से हंसने पर मजबूर करेंगे।

तुलाः आज के दिन वृद्धिकारक योग बन रहे है। शारीरिक रूप से चुस्त रहने का लाभ कार्य क्षेत्र पर मिलेगा। जिस भी कार्य मे हाथ डालेंगे उससे कुछ ना कुछ लाभ ही होगा।

वृश्चिकः आज के दिन आप अपने बुद्धिबल से धन के साथ सम्मान भी पाएंगे। सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र पर आपके विचार पसंद किए जाएंगे आपकी बातों को अन्य लोगो से ज्यादा महत्त्व मिलेगा ।

धनुः आज के दिन आप अपनी ही गलतियों से लोगो के अपशब्द सुनेंगे फिर भी व्यवहार में बदलाव नही आने से मामला हाथापाई तक पहुच सकता है।

मकरः आज का दिन धन लाभ वाला है लेकिन सेहत में थोड़ी नरमी रहने से लापरवाहि करेंगे परिणामस्वरूप उचित लाभ से वंचित रह सकते है। स्वभाव में परोपकार की भावना रहेगी लेकिन स्वार्थ सिद्धि भी रहेगी।

कुंभः आज का दिन आपके लिये मिला जुला रहेगा। दिनचार्य आज व्यवस्थित रहेगी अधिकांश कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे धन की आमद भी निश्चित समय पर हो जाएगी लेकिन अचानक खर्च आने से हाथ से निकल जाने पर स्वयं को ठगा सा अनुभव करेंगे।

मीनः आज के दिन शुभ संयोग बन रहे है प्रातः काल मे कुछ समय के लिये धन अथवा अन्य कारणों से मानसिक बेचैनी रहेगी लेकिन मध्यान तक इनका समाधान होने से शांति मिलेगी।

QUIZ TIME

1) पैरा एशियन गेम्स 2023 में भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कौन सा पदक जीता है?

2) हाल ही में आस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में किस भारतीय खिलाड़ी के नाम पर एक गेट का अनावरण किया है?

3) रानी चेनम्मा, रायप्पा के नेतृत्व में कित्तूर विद्रोह कहाँ हुआ था?

4) कौन-सी नदी प्रारम्भ में अरूण नदी के नाम से जानी जाती है?

5) केरल के सर्वोच्च सम्मान केरल ज्योति पुरस्कार के लिए किसे चुना गया है?

उत्तरमाला-(1) स्वर्ण पदक (2) सचिन तेंदुलकर (3) कर्नाटक (4) कोसी (5) मलयालम लेखक टी. पद्मनाभन

शब्द सागर

न्यूज गैलरी

सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय तिवारी

भिलाई। एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग छग के चेयरमेन व समाजसेवी संजय तिवारी को सनातन धर्म परिषद न्यास की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सनातन धर्म परिषद न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने उन्हें यह महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। संजय तिवारी मानव सेवा के साथ गौ सेवा व गौवंश रक्षा के कार्य से भी काफी समय से जुड़े हैं। स्व. सुधाकर तिवारी मेमोरियल गौशाला का संचालन करते हुए गौ माता की सेवा व गौवंश की रक्षा करते हैं। उनकी नियुक्ति पर दुर्ग-भिलाई के गौसेवकों और सनातनियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने किया नगर कीर्तन का स्वागत

दुर्ग। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर नगर कीर्तन का नव दृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने स्वागत किया। सदस्यों ने नगर कीर्तन की अगुवाई कर रहे पंज प्यारों को फूल माला पहनाकर आशीर्वाद लिया। श्री गुरु ग्रन्थ साहेब पर पुष्प वर्षा कर माथा टेका और समाज के उत्थान के लिये अरदास की। इस मौके पर नव दृष्टि फाउंडेशन की ओर से कुलवंत भाटिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, सुरेश जैन, राजेश पारख ने नगर कीर्तन का स्वागत किया और श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व बधाई दी।

एशिया मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में भारतीय दल के मैनेजर होंगे ताजुद्दीन

भिलाई। तमिलनाडू के चेन्नई में 5 से 9 नवंबर तक 23 वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम के मैनेजर के रूप में भिलाई के वरिष्ठ एनआईएस एथलेटिक्स कोच ताजुद्दीन को चुना गया है। ताजुद्दीन पिछले कई वर्षो से मास्टर्स एथलेटिक्स के लिए काम कर रहे हैं। एथलेटिक्स के क्षेत्र में पिछले 40 वर्षो का लंबा अनुभव उनके पास है। इनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलीटों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। मास्टर्स एथेलेटिक्स को नए आयाम देने वाले ताजुद्दीन को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भारतीय टीम का मैनेजर बनाया गया है। ताजुद्दीन छत्तीसगढ़ मास्टर एथलेटिक्स संघ के सचिव भी हैं। उनकी नियुक्ति पर संघ के पदाधिकारियों व विभिन्न खेल संघों ने ताजुद्दीन को बधाई दी है।

अग्निवीर भर्ती: अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजित सिंह के निर्देश पर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती 2025-26 के लिए ऑनलाइन लिखित परीक्षा (सी.ई.ई.) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिये रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 दिसम्बर तक संचालित रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित कुल 39 अभ्यर्थियों को विनोद नायर (एनआईएस) कोच, बालक दास डहरे (पीटीआई, सेजेस फरीद नगर दुर्ग), उमेश निर्मलकर (पीटीआई सेजेस सेक्ट 6) और फणीश्वर साहू (पीटीआई सीजी पुलिस) द्वारा प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम में व्हीके केडिया, उपसंचालक रोजगार के साथ ईश्वर प्रसाद साहू, शिवदयाल धृतलहरे, दुलेश्वर साहू व हलधर नेताम उपस्थित रहे।

निधन : राम कुमार अग्रवाल

दुर्ग। रेजिमेंटल प्रेस दुर्ग निवासी रामकुमार अग्रवाल आ. स्वर्गीय महादेव प्रसाद अग्रवाल का आकस्मिक निधन 2 नवंबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया है।

सौ गुना मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ाया

दुर्ग/नवप्रदेश। खुद को तांत्रिक शक्ति का ज्ञाता बताते हुए आर्थिक लाभ का लालच देकर ठगी करने वाले एक हाई-प्रोफाइल गिरोह को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को तांत्रिक शक्ति से संपन्न बताते हुए दावा करते थे कि उनके पास ऐसी 'पूजा विधि' है, जिससे रकम को सौ गुना बढ़ाया जा सकता है। एक पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपियों ने उससे 11 लाख रुपये को 11 करोड़ रुपये करने का दावा किया। पूजा-पाठ और प्रक्रिया का हवाला देते हुए आरोपी गणों ने प्रारंभिक तौर पर 1 लाख रुपये ले लिए। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद जाल बिछाकर तीन आरोपियों को पकड़ा। उनके पास से एक लाख रुपये नगद, 7 मोबाइल फोन और एक अर्टिगा वाहन जब्त किया गया है। दुर्ग पुलिस का कहना है कि यह गिरोह भोले-भाले लोगों को धन दो गुना या सौ गुना करने का झांसा देता था और चोरी-छिपे रकम हड़प लेता था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने अंदेशा जताते हुए कहा है कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और पीड़ितों की संख्या भी अधिक हो सकती है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र ने दुर्ग में किया राज्योत्सव का शुभारंभ

तीन दिवसीय राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

दुर्ग/नवप्रदेश। रविवार को दुर्ग में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव राज्योत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया। पुराना गंज मंडी गंजपारा परिसर में दीप प्रज्वलन कर तीन दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया गया। इससे पहले शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद स्थानीय लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। राज्योत्सव के अवसर पर दुर्ग में 2 से 4 नवंबर तक अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रविवार सुबह 8 बजे से ही कार्यक्रम समाप्ति तक दुर्ग शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। आम नागरिकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था पुलिस लाइन, दुर्ग और जेआरडी स्कूल, दुर्ग में की गई है।

कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के प्रमुख मार्गो पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हर सेक्टर में एक-एक ड्यूटी प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

महिला अधिकारी, यातायात आरक्षक भीड़ नियंत्रण, पार्किंग संचालन और पैदल यात्री मार्ग व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे है। कार्यक्रम स्थल के पास पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। नागरिकों को त्वरित सहायता और दिशा-निर्देश दिए जा रहे है। संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। फील्ड पेट्रोलिंग टीमें लगातार सक्रिय है।

गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन, सर्वसमाज ने किया स्वागत

सिक्ख समाज के लोगों ने सड़क पर झाड़ु लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

गतका दल का करतब रहा आकर्षण का केन्द्र

दुर्ग/नवप्रदेश। सिक्खों के प्रथम गुरू गुरूनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर रविवार को सिक्ख समाज द्वारा भव्य नगर-कीर्तन निकाल कर गुरू के मानवता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया गया। नगर कीर्तन स्थानीय स्टेशन रोड स्थित गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा से गुरूग्रंथ साहेब की पूजा-अर्चना कर प्रारंभ हुई। गुरूग्रंथ साहेब को फूलों से सुसज्जित एक खुले वाहन में विराजमान किया गया था। पंज प्यारों ने अगुवाई की। नगर-कीर्तन में गतका दल के करतब (अखाड़ा) का जोशीला प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहा।

नगर-कीर्तन गाजे-बाजे के साथ गुरूद्वारा से सिंधी धर्मशाला होते हुए राजेन्द्र पार्क चौक पहुंची। इसके बाद जीई रोड होते हुए पटेल चौक से इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्पलेक्स, तकियापारा, पोलसायपारा, अप्सरा टॉकीज चौक, अग्रसेन चौक, शहीद चौक होते हुए वापस गुरूद्वारा पहुंची। यहां नगर-कीर्तन का समापन हुआ।

नगर-कीर्तन का पूरे मार्ग में विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों लोगों द्वारा जगह-जगह उत्साह के साथ स्वागत कर सर्वधर्म-समभाव का संदेश दिया गया। विभिन्न संगठनों द्वारा नगर-कीर्तन में शामिल लोगों को पेयजल, फल और अन्य खाद्य सामग्रियों का वितरण कर गुरूनानक देव जी के प्रकाश पर्व की खुशियां मनाई। नगर-कीर्तन में सिक्ख समाज की महिला व पुरुषों ने सड़कों पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

नगर-कीर्तन में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, धीरज बाकलीवाल, कांग्रेस नेता परमजीत सिंह भुई, पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व पार्षद मनदीप सिंह भाटिया, फतेसिंह भाटिया, श्री सांई मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी, शीतला मंदिर समिति अध्यक्ष रोमनाथ साहू, जिला भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नितेश साहू, युवा कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह भाटिया के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होने गुरूग्रंथ साहेब के दर्शन कर शहर की सुख-समृद्धि के लिए कामना की।

सिंधी धर्मशाला स्टेशन रोड में पूज्य सिंधी जनरल पंचायत और पुराना बस स्टैंड स्थित बाबा के दरगाह के सामने मुस्लिम समाज के सदस्यों ने नगर-कीर्तन का स्वागत किया। नगर-कीर्तन के समापन पर गुरूद्वारा में गुरू के अटूट लंगर का वितरण किया गया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

नगर कीर्तन में गुरूद्वारा श्री गुरूसिंह सभा के प्रधान महिंदर पाल सिंह, सचिव जीएस लांबा, हरमीत सिंह भाटिया, अरविंदर सिंह खुराना, दलप्रीत सिंह भाटिया, जितेंदर सिंह, सुखदेव सिंह, प्रिंस कब्बरवाल, गुरविंदर सिंह, अवतार सिंह रंधावा, सुरेन्दर सिंह कब्बरवाल, सतनाम कौर विरदी, मनिंदर सिंह, राजेन्दर पाल अरोरा, तरसेम सिंह ढिल्लन, महेंद्र सिंह खालसा, जस्सी सिंह, दुर्ग ट्रक मालिक संघ अध्यक्ष गुरदीप सिंह, इंदरजीत सिंह भाटिया, देवेन्दर सिंह भाटिया, भूपेन्दर सिंह, दुर्ग-भिलाई गुरूद्वारा के प्रधान, स्त्री सत्संगत की महिला जत्था, खालसा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के अलावा सिक्ख समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बिहार की चुनावी आमसभा में गूंजा जय-जय छत्तीसगढ़

बिहार में विधायक रिकेश को दी गई स्थापना दिवस की बधाई

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस पर बिहार की चुनावी सभा में जय जय छत्तीसगढ़ के नारे गूंजे। दरअसल, बिहार में प्रवासी प्रभारी रिकेश सेन चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

गरखा और अमनौर विधानसभा में एक नवंबर को चुनाव प्रचार करते हुए विधायक रिकेश सेन ने सभा में कहा कि भिलाई में हम लोगों ने बिहार दिवस उत्साह के साथ मनाया था। आज बिहार में छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

इस मौके पर रिकेश ने सभा में उपस्थित भाजपा नेताओं को मिठाई भी खिलाई। बिहार के भाजपा नेताओं ने छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर रिकेश सेन को बधाई दी।रिकेश सेन ने कहा कि यही एकता और प्रेम वास्तविक रूप से राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी ताकत है। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जय-जय छत्तीसगढ़ का नारा गूंजा। बिहारवासियों ने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती को सेलिब्रेट करते हुए मिठाई बांटी।

बिहार की दोनों विधानसभाओं में छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ विधायक रिकेश सेन ने आमसभा में बताया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनाया। नए राज्य को विकास की डगर पर दौड़ाने वाले मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने 15 वर्ष के अपने शासनकाल में छत्तीसगढ़ को नया स्वरूप दिया। अब प्रदेश के आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ की बागडोर संभाल रहे हैं। विकास पथ पर हमारा प्रदेश सांय सांय नित नये आयाम तय कर रहा है।

रिकेश ने कहा कि इसी वर्ष हम सब ने जिस तरह छत्तीसगढ़ में बिहार दिवस सेलिब्रेट किया, उसी रूप में बिहारवासियों के दिल में छत्तीसगढ़ के प्रति प्रेम और भाईचारा देख वे गदगद हैं। जिस उत्साह से छत्तीसगढ़ के लिए जयकारे लगाए, यह इस बात का प्रतीक है कि बिहार के लोग भी छत्तीसगढ़ की तरह विकास और सुशासन के लिए फिर से एनडीए को ही सत्ता की बागडोर सौंपेंगे।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर में शशांक का चयन

भिलाई/नवप्रदेश। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक शशांक का चयन राष्ट्रीय साहसिक शिविर के लिए हुआ है। शिविर 24 अक्टूबर से 2 नवंबर तक धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया है। शशांक छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रतिभागी के रूप में कर रहे हैं। शिविर में पर्वतारोहण, ट्रैकिंग, रिवर क्रॉसिंग जैसे विविध साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से चयनित एनएसएस के स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

संस्थान की प्राचार्य डॉ अर्चना झा ने शशांक के चयन पर को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा सूत्र बताया। उन्होंने शशांक के उज्जवल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की है। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिल्पा कुलकर्णी ने कहा कि शशांक का चयन अन्य स्वयंसेवक को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा। महाविद्यालय के डीन अकादमिक डॉ जे दुर्गा प्रसाद राव ने भी शशांक को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

पीएम मोदी के आगमन पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र ने किया स्वागत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस पर एक नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने उनका स्वागत-अभिनंदन किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनाव में दुर्ग जिला में जिलाध्यक्ष के रूप में भाजपा का परचम लहराने के लिए भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा की सराहना की।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने रजत जयंती महोत्सव पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए उनका वंदन किया। वर्मा ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर विकास का नया अध्याय जुड़ गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,263.57 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर प्रदेश को अभूतपूर्व सौगात दी है।

वर्मा ने छत्तीसगढ़ को करोड़ों की सौगात प्रदान कर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

पर्यावरण संरक्षण थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में पूनम बनी विजेता

दुर्ग/नवप्रदेश। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर ऋषभ ग्रीन सिटी वेलफेयर सोसाइटी, ऋषभ ओनेक्स, और हाई टावर पुलगांव के संयुक्त तत्वाधान में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता की थीम पर्यावरण संरक्षण एवं हमारी संस्कृति रखी गई थी। सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाई और अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पूनम राठी, द्वितीय अनुष्का भूतड़ा, तृतीय स्थान ज्योति राजपूत ने प्राप्त किया। ऋषभ ग्रीन सिटी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राजकुमार गांधी, सचिव साकेत मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत व कोषाध्यक्ष विजय तापडिय़ा सहित उनकी समस्त टीम द्वारा समस्त विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। जज के रूप में कृष्णा नायक, मधु उपस्थित थे। कॉलोनी वासियों ने प्रतियोगिता आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। आयोजन में ऋषभ ग्रीन सिटी, ऋषभ ओनेक्स और हाई टावर सोसाइटी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। रंगोली प्रतियोगिता के कार्यक्रम प्रभारी मनोज गुप्ता, सह कार्यक्रम प्रभारी मुकेश राठी थे।

जिला न्यायालय में प्लास्टिक मुक्त अभियान शुरू

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा राज्य भर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और न्यायिक प्रशासन के उन्नयन के लिये अनुकरणीय और दूरगामी प्रयास किये जा रहे हैं। इससे प्रेरित होकर जिला न्यायालय दुर्ग के कर्मचारियों ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। कर्मचारियों ने स्वप्रेरणा और सामूहिक ज़िम्मेदारी की भावना से प्लास्टिक मुक्त न्यायालय परिसर अभियान शुरू किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक के हानिकारक उपयोग को समाप्त करना और न्यायालय परिसर को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ कार्यस्थल बनाना है। अभियान के दौरान न्यायालय परिसर में सभी अधिवक्ताओं, पक्षकारों, और कैंटीन संचालकों को विशेष रूप से प्लास्टिक के एक बार उपयोग (सिंगल यूज प्लास्टिक) से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय खतरों के बारे में समझाया गया। सभी हितधारकों से प्लास्टिक के थैलों, कपों, पानी की बोतलों और पैकिंग सामग्री का उपयोग तत्काल बंद करने की भावनात्मक अपील की गई। उन्हें कपड़े के थैलों, स्टील या कांच के बर्तनों और अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कर्मचारियों ने परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने और इस पहल को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर यह संकल्प लिया गया है कि यह अभियान सतत प्रक्रिया के रूप में जारी रहेगा।

हेमचंद विवि में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ समारोह

दुर्ग। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में शपथ समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरदार पटेल के कार्यों से प्रेरित होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और सशक्त बनाएंगे। इससे एक भारत की भावना को नई ऊर्जा मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह अभियान सरदार पटेल के उस स्वप्न को आधुनिक रूप है जहां हर राज्य, हर नागरिक और हर संस्था राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनें।

पीएमओ में शिकायत के बाद जांच में संभागायुक्त ने अपर कलेक्टर के फैसले को गलत माना

अधिकार न होने के बावजूद तत्कालीन अपर कलेक्टर ने एसडीएम का फैसला पलटा

दुर्ग/नवप्रदेश। राजस्व न्यायालय की अपील सुनने का अधिकार न होने के बावजूद पूर्व अपर कलेक्टर अरविंद एक्का ने एक मामले में आदेश पारित कर दिया। इस मामले में आवेदक अशोक ताम्रकार ने पीएमओ में शिकायत की। पीएमओ से राज्य सरकार को इस मामले की जांच करने के आदेश दिये गए। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने जांच के बाद प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया है कि अपर कलेक्टर को अपील सुनने की अधिकारिता ही नहीं है। अपर कलेक्टर के क्षेत्राधिकारिता विहीन फैसले को संभागायुक्त ने निरस्त कर दिया है।

आवेदक उदय प्रसाद उदय शोध संस्थान के अध्यक्ष अशोक ताम्रकार ने बताया कि बोड़ेगांव में उनके खेत में जाने का रास्ता बंद किये जाने के मामले में राजस्व न्यायालय में अपील की गई थी। तत्कालीन एसडीएम मुकेश रावटे ने मामले की सुनवाई करते हुए रास्ता बंद करने को गलत बताते हुए ताम्रकार के पक्ष में फैसला सुनाया। इस मामले की अपील अपर कलेक्टर के न्यायालय में की गई। ताम्रकार का कहना है कि अपर कलेक्टर को इस मामले में सुनवाई का अधिकार ही नहीं है। इसके बावजूद अपर कलेक्टर अरविंद एक्का ने एक सप्ताह में तीन पेशी के बाद चौथी पेशी में फैसला सुनाते हुए एसडीएम के आदेश को पलट दिया।

ताम्रकार ने कहा कि इस मामले में अपील की सुनवाई का अधिकार अपर कलेक्टर को न होने के बावजूद उन्होंने सुनवाई की, बल्कि फैसला भी सुना दिया। पीएमओ में शिकायत के बाद इस मामले की जांच के लिये रायपुर मंत्रालय को निर्देशित किया गया। इस मामले की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव मनोज जैसवार ने तत्कालीन अपर कलेक्टर अरविंद एक्का को पत्र भेजकर कहा कि अधिकारिता विहीन आदेश पारित किया गया है।

प्रतिवेदन के जवाब में एक्का ने कहा कि उनके फैसले के विरुद्ध अपील की जा सकती है। उन्हें न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षण प्राप्त है। इस लिहाज से उनके खिलाफकार्रवाई नहीं की जा सकती है। अवर सचिव ने तत्कालीन अपर कलेक्टर अरविंद एक्का के जवाब पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर भविष्य के लिये सचेत करते हुए प्रकरण को समाप्त किया जाता है। अवर सचिव ने एक्का को भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न करने की हिदायत भी दी है।

इस पूरे मामले में आवेदक अशोक ताम्रकार ने कहा कि अधिकार न होने के बावजूद फैसला सुनाने वाले अरविंद एक्का के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिये। न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम के आधार पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह आश्चर्यजनक है कि गलत कार्य करने के बावजूद तत्कालीन अपर कलेक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस मामले में वे पीएमओ को पत्र लिखेंगे और इस अधिनियम को समाप्त करने की मांग करेंगे। जब तक यह कानून रद्द नहीं होगा तब तक वे चुप नहीं बैठेंगे।

धूमधाम से मनाया खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव

दुर्ग/नवप्रदेश। श्याम बाबा के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर के अवसर पर सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में इस वर्ष आयोजन किया गया, जिसमें श्याम संकीर्तन का आयोजन किया। जिसमें प्रसिद्ध गायकों ने सुंदर मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। समिति के शिवम सेन और लक्की अग्रवाल ने बताया कि दुर्गा मंदिर गंजपारा मंदिर में दो दिवसीय श्याम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में शुक्रवार को श्री श्याम बाबा के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति द्वारा श्याम जन्मदिन पर एक सुंदर और भव्य दरबार सजाया गया। रात्रि 12 बजे श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर छोटे बच्चे से केक कटवाया गया और मंदिर परिसर के बाहर आतिशबाजी की गई। श्री श्याम जन्मोत्सव पर संध्या 7 बजे श्री श्याम बाबा की 51 पूजा थाल से महाआरती की गई। खीर, बूंदी लड्डू का प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सागर कालोया गोदिया, सिंपल राठी, प्रीति राजगढिय़ा, शिवम सेन, लक्की अग्रवाल, मनोज राजगढिय़ा, ट्विंकल खेमका, नारायण खेतान, मुरारी सिंघानिया, प्रदीप अग्रवाल, सतीश गोयल, मनीष सेन, रितेश सेन, गोपू सेन, ललित शर्मा, राकेश तिवारी, निर्मल शर्मा, राजेश शर्मा, मनोज गुप्ता, कुलेश्वर साहू, पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता, दिनेश पुरोहित, मोनू शर्मा, राजू पुरोहित, राहुल शर्मा, गोपाल शर्मा उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से मूल्यांकन प्रणाली में आंशिक परिवर्तन

बालोद/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से मूल्यांकन प्रणाली में आंशिक परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी, चैंथी, छटवीं एवं सातवीं की वार्षिक परीक्षा में त्रैमासिक परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत, छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जाएगा अर्थात् त्रैमासिक का 20 प्रतिशत, छःमाही का 20 प्रतिशत एवं वार्षिक का 60 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किए जाएंगे। इसी तरह कक्षा 5वीं एवं 8वीं में वार्षिक परीक्षा में छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों का 30 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जाएगा अर्थात् छःमाही का 30 प्रतिशत एवं वार्षिक का 70 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किये जाएंगे। इसी तरह कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लिए भी छःमाही परीक्षा में प्रत्येक विषय में प्राप्त अंकों 30 प्रतिशत अधिभार के रूप में जोड़ा जायेगा अर्थात छःमाही का 30 प्रतिशत, एवं वार्षिक का 70 प्रतिशत मिलाकर परीक्षाफल तैयार किये जाएंगे। इस संबंध में निर्णय हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर को पृथक से प्रस्ताव शासन द्वारा प्रेषित किया जा रहा है।

गरीबों के ठेले हटा कर कौन सा विकास दिखाना चाहते हैं भाजपा व जिला प्रशासन : अभिमन्यु

राजनांदगांव/नवप्रदेश। राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय रजत जयंती समारोह मनाया जा रहा है इसकी तैयारियों हेतु प्रशासन द्वारा आस पास खास कर अतिथियों के आने वाले रस्ते के सभी ठेलों और टपरियों को हटवाया जा रहा है उक्त कार्यवाही पर कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट अभिमन्यु उदय मिश्रा ने कहा कि गरीबों के रोजगार का साधन हटवा कर जिला प्रशासन व सत्तारूढ़ भाजपा न जाने कौनसा विकास दिखाना चाहते हैं गरीबी हटाओ का नारा देने वाले आज गरीबों को ही हटाने पर आमादा हैं क्या वे यह चाहते हैं कि राजनांदगांव आने वाले विधायक व विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह और महापौर मधुसूदन यादव के अतिथियों को कहीं गरीबों के यह ठेले न दिख जाएं कही गरीब न दिख जाए महापौर स्वयं बेहद साधारण परिवार से आते हैं फिर भी निगम की गरीबों पर ऐसी कार्यवाही यह दर्शाती है कि किस प्रकार भाजपा की गरीब विरोधी मानसिकता हावी है, उन्होंने यह भी कहा कि अगर भाजपा और जिला प्रशासन निगम प्रशासन को गरीबों के ठेले अच्छे नहीं दिखते तो वे उन्हें नई दुकानें बनवा कर दे सकते हैं जिससे दिखने में भी अच्छा लगे आपको और उनकी रोज़ी रोटी भी चलती रहे, आज भाजपा हजारों करोड़ का चंदा पा रही है यह इलेक्टोरल बॉन्ड से सबके सामने है चाहे तो वे बिना सरकारी मदद के खुद से ही गरीबों की दुकानें बनवा सकते हैं तो क्यों नहीं बनवा देते और अगर बनवा नहीं सकते तो छीनने का भी हक आपका नहीं है।

शराब कोचिया के विरूद्ध थाना बसंतपुर पुलिस की कार्यवाही

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे थाना बसंतपुर क्षेत्र शराब कोचिया के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान आरोपी 01. दीपक कुमार भैंसारे पिता धरम सिंह उम्र 42 साल निवासी चौखडियापारा राजनांदगांव थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव के कब्जे 28 पौवा देशी प्लेन शराब जुमला 5.040 बल्क लीटर कीमती 2800/रूपये एवं बिक्री रकम 250/रूपये 02. लक्ष्मण आहूजा पिता स्व0 गौतम आहूजा उम्र 38 साल निवासी चौखडियापारा राजनांदगांव थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव के कब्जे 21 पौवा देशी प्लेन शराब एवं 11 पौवा अंग्रेजी गोवा शराब जुमला 5.760 बल्क लीटर कीमती 3,000/रूपये एवं घटना में प्रयुक्त मो0सा0 जूपिटर बिना नंबर 03. ओगेश्वर उर्फशशी साहू पिता गिरधर लाल साहू उम्र 30 साल निवासी दुर्गा चौक राजनांदगांव थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव के कब्जे से 32 पौवा देशी शराब जुमला 5.760 बल्क लीटर कीमती 2560/रूपये जप्त कर आरोपीगणो के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत् कार्यवाही कर आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया।

हिंदू जागरण मंच ने दीपावली मिलन समारोह मनाया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। हिंदू जागरण मंच का दीपावली मिलन समारोह महेश्वरी भवन रामाधीन मार्ग में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदू समाज को जागृत करने और विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में मंच के पदाधिकारी, सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकारिणी की बैठक प्रांत संयोजक अवधेश दुबे जी ने लिऔर कहां की हिंदू समाज को संगठित करने हेतु हिंदू समाज को जागृत करने हेतु हमारी बहन बेटियों को लव जिहाद से बचने हेतु समाज में जागरण करना है और समाज को संगठित करना है कार्यक्रम में देशभक्ति के गीत और धार्मिक गीत कार्यकर्ताओं ने गाए हिंदू जागरण मंच के लगभग 200 कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया जिस मातृभूमि में जन्म लिए हैं ।

राज्योत्सव में विभिन्न विभागों के स्टॉल में जनमानस को शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की मिल रही जानकारी

डॉ. रमन सिंह ने विभागीय स्टॉल एवं प्रदर्शनी का किया अवलोकन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्वेश्वरदास नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (म्यूनिसिपल स्कूल मैदान) राजनांदगांव में राज्योत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्योत्सव के अवसर पर जनसंपर्क विभाग के स्टॉल में शासन की लोकहितकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही छत्तीसगढ़ जनमन पत्रिका, छत्तीसगढ़ में सुशासन के लिए नवाचार ब्रोसर, विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम, छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पत्रिका का

निःशुल्क वितरण किया गया। जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में शासन तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों को प्रदर्शित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में पोष्टु लईका पहल के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों के सुपोषण के संबंध में जागरूक किया गया। पौष्टिक एवं मिलेट्स व्यंजन तथा स्थानीय भाजियों, तिरंगा भोजन पौष्टिक आहार की प्रदर्शनी लगाकर जानकारी प्रदान की जा रही है। जनमानस को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के संबंध में बताया जा रहा है। कृषि विभाग के स्टॉल में रबी फसल चक्र परिवर्तन अंतर्गत धान के बदले कम पानी की आवश्यकता वाले फसलों को बढ़ावा देने के संबंध में जानकारी दी गई। महिला स्वसहायता समूह के उत्पादों रागी, कोदो, तेलघानी का सरसो तेल, जैविक चावल, बिक्री के लिए उपलब्ध रहे। वही कृषक पाठशाला में किसानों को शासन की विभिन्न लोकहितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। चना फसल की उन्नत उत्पादन तकनीक, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मक्का की उन्नत उत्पादन तकनीक, जैविक खेती से अवगत कराया गया। कृषि कार्य के प्रमुख यंत्र के संबंध में बताया गया। उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में गेंदा की खेती, शिमला मिर्च, केला, पपीता, बैगन, टमाटर एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर किसानों को फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के आगामी राजनांदगांव प्रवास के दृष्टिगत विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज स्टेट स्कूल मैदान पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने मुख्य मंच, प्रदर्शनी स्टॉल, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, बेरिकेटिंग सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन के लिए पार्किंग, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कार्यक्रम की व्यवस्था एवं तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंकिता शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और यातायात व्यवस्थाओं के संबंध जानकारी दी। इस दौरान महापौर मधुसूदन यादव, कोमल सिंह राजपूत, सौरभ कोठारी, भावेश बैद, सीईओ जिपं सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा, आयुक्त नगर पालिक निगमअतुल विश्वकर्मा, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कबीरधाम जिले में विकास और विश्वास की नई सुबह

छत्तीसगढ़ स्वर्णिम 25 वर्षों की यात्रा में तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा

कवर्धा।नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य अपने स्वर्णिम 25 वर्षों की यात्रा में तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में कबीरधाम जिला भी अब भय और आतंक के साए से निकलकर शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक प्रगति की नई मिसालें गढ़ रहा है। एक समय था जब यह जिला नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल था और यहां के ग्रामीण भय और असुरक्षा के वातावरण में जीवन व्यतीत करते थे। परंतु अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं – नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है और क्षेत्र के लोग खुले वातावरण में निडर होकर जीवन जी रहे हैं।

वनांचल क्षेत्र के निवासी अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। विशेष रूप से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है। जो क्षेत्र कभी स्कूलों से कोसों दूर थे, वहां अब शिक्षा के दीप जल रहे हैं। सरकारी प्रयासों से विद्यालयों और आवासीय आश्रम स्कूलों की संख्या बढ़ी है, जिससे आदिवासी और ग्रामीण बच्चे भी बेहतर

भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

ग्रामीणों के विश्वास ने बढ़ाया

आत्मसमर्पणः एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग के तहत ग्रामीणों और पुलिस के बीच बेहतर संबंध स्थापित हुए हैं। पुलिस ने गांवों में जागरूकता अभियान और विकास कार्यों के माध्यम से नक्सल

नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब धीरे-धीरे चिंता मुक्त हो रहे हैं। हाल ही में 21 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है, जिनमें 13 महिला और 8 पुरुष कैडर शामिल हैं। इन कैडरों ने कुल 18 हथियार जमा किए हैं, जिनमें 3 एके-47 रायफल, 4 एसएलआर, 2 इंसास, 6 .303 रायफल, 2 सिंगल शॉट रायफल और 1 बीजीएल शामिल हैं। इनमें 4 डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 8 पार्टी सदस्य शामिल हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में तैयार की गई संवेदनशील पुनर्वास नीति का यह परिणाम है कि माओवादी हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। अब तक 210 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

नक्सल आत्मसमर्पण को लेकर एक नजर

23 जून 2021 : भोरमदेव एरिया कमेटी के सचिव दिवाकर उर्फलिबरू और सदस्य देवे उर्फलक्ष्मी ने आत्मसमर्पण किया। इन पर 18 लाख रुपये का इनाम था।

14 मार्च 2022 : बोड़ला एरिया कमेटी के कमांडर करन और महिला सदस्य अनिता ने आत्मसमर्पण किया। इन पर 13 लाख रुपये का इनाम था।

27 और 30 जुलाई 2024 : महिला नक्सली रानीता उर्फहिड़मे, कान्हा भोरमदेव एरिया कमेटी के सदस्य दिनेश उर्फलक्ष्मण माडकम और भीमा उर्फअशोक उर्फअनिल ने आत्मसमर्पण किया। इन तीनों पर 38 लाख रुपये का इनाम था।

18 जनवरी 2025 : बोड़ला कमेटी के विस्तार प्लाटून नं. 3 के डिप्टी कमांडर रमेश उर्फमेस्सा और सदस्य रोशनी उर्फहिडमे ने आत्मसमर्पण किया।

डोंगरगांव पुलिस की सख्त कार्रवाई असामाजिक तत्वों पर कसी लगाम दो आरोपी जेल भेजे गए

डोंगरगांव/नवप्रदेश। थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने दो बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत पुलिस ने अनावेदक विनोद राय पिता युधिष्ठिर नायक (उम्र 30 वर्ष, निवासी बड़गांव) एवं भानुप्रताप सहारे उर्फबंटी पिता स्व. नंदकुमार सहारे (उम्र 19 वर्ष, निवासी बम्हणीभाठा) के विरुद्ध धारा 170/126, 135(3) बीएनएसएस के तहत ईस्तगासा तैयार कर माननीय एसडीएम न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेजा गया।

वरिष्ठ अधिकारियों – पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में डोंगरगांव पुलिस द्वारा क्षेत्र में निरंतर गश्त, पेट्रोलिंग और निगरानी की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले, उप निरीक्षक लाभाराम ध्रुव, प्रधान आरक्षक बृजमोहन यादव एवं आशाराम ध्रुव की इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही। डोंगरगांव पुलिस ने स्पष्ट किया है कि असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजपाई राज्योत्सव में मगन जनता पी रही गंदा पानी: पिल्ले

राजनांदगांव/नवप्रदेश। अमृत मिशन के माध्यम से घर- घर शुद्ध जल का सपना दिखाने वाले भाजपा राज्योंत्सव मनाने में इस कदर मगन है कि उन्हें बदबूदार दूषित पानी पी रही शहर की जनता की ओर तनिक भी ध्यान नहीं जा रहा। उक्ताशय के उद्गार व्यक्त करते हुए नगर निगम नेता प्रति पक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि जब से भाजपा निगम की सत्ता पर बैठी है। जनता शुद्ध पानी के लिए तरस गई है। गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस गई नगर की जनता को वर्तमान में भी गंदा पानी पिलाया जा रहा है जिसके चलते उनमें कई प्रकार के रोग उभर रहे हैं। पिल्ले ने कहा कि निगम व भाजपाइयों की लापरवाही के चलते मोहारा फिल्टर प्लांट में हमेशा से फिटकरी का रोना बना रहता है। अमृत मिशन व प्लांट कर्मियों को चार- पांच महिने से तनख्वाह नहीं होने से कर्मचारी प्लांट बंद कर देते हैं इसका खमियाजा शहर की जनता को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अभी भी शहर में पानी को लेकर यही स्थिति बनी हुई गई है। अमृत मिशन की लापरवाही के चलते लोगों को गंदा पानी पीना पड़ रहा है इससे लोगों में चर्म रोग उभर रहे हैं। खुजली, पेट में दर्द ऐठन, पीलिया रोग, वायरल संक्रमण जैसी शिकायत सामने आ रही है। पिल्ले ने भाजपाइयों को कहा है कि राज्योसव जैसे खर्चीले आयोजन से ध्यान हटा कर शहर की जनता को शुद्ध पानी देने की व्यवस्था करें वहीं भाजपाइयों की लापरवाही से उदंड हो चुके अमृत मिशन वाले जो शहर की जनता को शुद्ध पेयजल देने में पूरी तरह असफल हो गए हैं उनसे हुई करोड़ो का अनुबंध रद्द कर उससे जनता की गाढ़ी कमाई वाली धन राशि वसूल की जाए।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के लिए एकलव्य विद्यालय पेण्ड्री के 8 छात्रों का चयन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। चतुर्थ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 15 नवम्बर 2025 तक ओडिशा राज्य के सुन्दरगढ़ में आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता के ताइक्वांडो एवं कुश्ती खेल विधा में शामिल होने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेण्ड्री के 8 छात्रों का चयन हुआ है। चयनित छात्रों को प्रतियोगिता में शामिल होने के पूर्व रायपुर एवं बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कोचिंग कैम्प के लिए रवाना किया गया। संभाग और राज्य स्तरीय ताइक्वांडो एवं कुश्ती खेल विधा में विजयी प्रतिभागी अब राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे।

अत्याधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी में झलकी पुलिस की तकनीकी दक्षता, सुरक्षा व्यवस्था में तत्परता का अनुभव

कवर्धा/नवप्रदेश। राज्योत्सव के अवसर पर कबीरधाम पुलिस द्वारा पीजी कॉलेज मैदान कवर्धा में ÷अत्याधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी÷ का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी आम नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसका उद्देश्य लोगों को पुलिस विभाग में प्रयुक्त आधुनिक हथियारों, उपकरणों और संसाधनों से परिचित कराना तथा सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस की क्षमता और तत्परता का अनुभव कराना है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (छ्वक्र) के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शनी में पुलिस बल द्वारा उपयोग किए जाने वाले आधुनिक हथियारों जैसे इंसास राइफल, एके-47, एमपी-5,

कार्बाइन, ग्लॉक पिस्टल, स्टेनगन, स्नाइपर राइफल आदि का प्रदर्शन किया गया। साथ ही विस्फोट निरोधक उपकरण, बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट, शील्ड, संचार सेट और अन्य सुरक्षात्मक सामग्रियाँ भी प्रदर्शित की गईं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं पुलिस उपाधीक्षक पंकज पटेल के निर्देशन में प्रदर्शनी की संपूर्ण व्यवस्था की गई। आगंतुकों को प्रदर्शित हथियारों की तकनीकी जानकारी, उपयोग की प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया जा रहा है। प्रदर्शनी में महिला सुरक्षा उपकरण, यातायात प्रबंधन संसाधन, साइबर सुरक्षा के आधुनिक साधन, तथा नक्सल विरोधी अभियानों में प्रयुक्त संसाधनों की भी झलक देखने को मिल रही है।

प्रथम पेज का शेष

एक्सरसाइज 'त्रिशूल' : तीनों ...

आत्मनिर्भरता व नवाचार। 'त्रिशूल' अभ्यास भारत की सामूहिक सैन्य शक्ति, आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना का जीवंत उदाहरण है। यह एकता में निहित शक्ति का सशक्त प्रतीक है, जो राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की अटूट रक्षा का संकल्प दोहराता है। इस अभ्यास का संचालन मुख्यालय पश्चिमी नौसेना कमान द्वारा तीनों सेनाओं के घनिष्ठ समन्वय से किया जा रहा है। यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान के क्रीक व मरुस्थलीय क्षेत्रों में हो रहा है। बड़े पैमाने पर स्थलीय अभियानों के साथ-साथ उत्तरी अरब सागर में व्यापक समुद्री और उभयचर अभियान भी इसमें सम्मिलित हैं। इस अभ्यास में थलसेना की साउदर्न कमान, नौसेना की वेस्टर्न कमान, और वायुसेना की साउथ वेस्टर्न एयर कमांड मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही भारतीय तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियां भी बड़ी संख्या में शामिल हो रही हैं, जिससे अंतर-एजेंसी समन्वय और संयुक्त संचालन क्षमता को और सुदृढ़ किया जाएगा।

इसरो ने नौसेना का...

प्रक्षेपण के साथ आसमान में उड़ान भर रहा है। 'बाहुबली,' जैसा कि इसे लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, एलवीएम3-एम5 रॉकेट सीएमए-03 संचार उपग्रह को ले जा रहा है, जो भारतीय धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। इसरो एक के बाद एक सफलताएं लिख रहा है। सरकार के अटूट समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद।

पीएम मोदी बोले- 'इसरो की सफलताओं ने राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाया'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा कि हमारा अंतरिक्ष क्षेत्र हमें निरंतर गौरवान्वित करता है। भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई। हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की बदौलत हमारा अंतरिक्ष क्षेत्र उत्कृष्टता और नवाचार का पर्याय बन गया है, यह सराहनीय है। उनकी सफलताओं ने राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाया है और अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है।

3-एम5 रॉकेट सीएमएस-03 संचार उपग्रह को ले जा रहा है, जो भारतीय धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। इसरो एक के बाद एक सफलता की इबारत लिख रहा है। सरकार के अटूट समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद।

मोदी के रोड शो में नीतीश के ...

मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। पहले चरण के चुनाव से पहले ही नीतीश कुमार हुए खेल से बाहर हो गए। कांग्रेस ने कहा कि पटनावासी पूछ रहे हैं कि मुख्यमंत्री कहां पर हैं?

इधर, रोड शो के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री हरमंदिर साहिब रवाना हो गए वहां पर माथा टेकने के बाद वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं के साथ भोजन करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस रोड शो के जरिए पटना जिले के 14 विधानसभा के मतदाताओं को साधने की कोशिश की। उन्होंने एनडीए प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने नवादा और आरा में चुनावी सभाएं की।

सड़क हादसे ...

ड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया।

घायलों को तुरंत फलोदी अस्पताल और जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थानाधिकारी अमानाराम ने हादसे में 18 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और घायलों का इलाज कराया जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, फलोदी के मतोडा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को सभी घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति दें तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

पीएम की आत्मीयता में ....

कुछ ही घंटे पहले मंत्रालय में रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों से उनकी भेंट हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की थी, जिसके अनुरूप इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब रजत महोत्सव के दौरान रामनामी समुदाय के ये श्रद्धालु प्रधानमंत्री मोदी से मिले, तब उन्होंने बड़े आदर और प्रेम से प्रधानमंत्री को अपने पारंपरिक मोर मुकुट से मुख्य मंच पर अलंकृत करने की अभिलाषा प्रकट की। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस सहजता, स्नेह और आत्मीय भाव से उनके इस अनुरोध को स्वीकार किया, वह क्षण वहां उपस्थित सभी लोगों के लिए अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायी बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनाम ही जिनका धर्म, रामभक्ति ही जिनका कर्म - ऐसे अद्भुत और राममय रामनामी समाज के सदस्यों के तन पर अंकित 'राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि समर्पण, तपस्या और अटूट आस्था का प्रतीक है.

मुख्यमंत्री निवास में ...

विवाह को पवित्रता और समर्पण का प्रतीक माना गया है, जो जीवन में सात्विकता और सद्भावना का संचार करता है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की मंगलकामना करते हुए कहा कि सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु और माता तुलसी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो, तथा समूची सृष्टि में आरोग्य, सौहार्द और मंगलमय ऊर्जा का संचार हो। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन में संतुलन, सकारात्मकता और नव आरंभ का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के पावन अवसर की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध परंपराओं, लोकआस्था और जीवनमूल्यों को निरंतर जीवंत रखने का प्रतीक है।

कैमरे में कैद हुआ....

पहली बार देखने को मिला, जिसका कलर अलग है। जिसे देख कर सूचना स्नेक कैचर को दी गई। जितेंद्र सारथी ने समस्त जिलावासियों से अनुरोध किया है कि कोई भी सांप दिखने पर घबराए नहीं, थोड़ी हिम्मत के साथ धैर्य रखें और हमें सूचना दें। साथ ही सर्पदंश होने पर तत्काल जिला अस्पताल जाएं, सर्प दंश की सूचना रेस्क्यू टीम को भी देने का आग्रह किया ताकि रेस्क्यू टीम भी समय रहते मदद कुछ कर सके।

गांव में दिनदहाड़े घुसा ...

रहा है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग की टीम अलर्ट हो चुकी है. अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचकर भालू की तलाश में जुट गए हैं.

गौरा-गौरी समारोह में शामिल हुए नपा अध्यक्ष अश्वनी

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर गौरा-गौरी पूजन नगर के विभिन्न वार्डों — मुंशी स्माइल वार्ड (मुक्तिधाम के पास), रामसागर वार्ड, नयागंज वार्ड तथा माँ बम्लेश्वरी मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह के साथ पारंपरिक विधि-विधान से गौरा-गौरी महापूजन समारोह संपन्न हुआ।

कार्यक्रमों में नगरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए और माता गौरा तथा भगवान शिव-पार्वती की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय, उल्लासपूर्ण और सांस्कृतिक एकता की भावना से ओत-प्रोत रहा।

यह पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपरा, आस्था, पारिवारिक एकता और सामाजिक समरसता का सुंदर प्रतीक है। गौरा-गौरी पूजन न केवल भक्ति और स्नेह का प्रतीक है, बल्कि यह समाज को प्रेम, एकजुटता और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा भी देता है।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने सभी कार्यक्रमों में सहभागी होकर नगरवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे लोकपर्व हमारी संस्कृति की आत्मा हैं, जो समाज को एकता, सद्भाव और परंपरागत मूल्यों से जोड़ते हैं।

नगर में देवउठनी एकादशी पर बाजार में रही रौनक

भाटापारा/नप्रदेश। नगर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर बाजारों में काफी भीड़ रही,इस दौरान गन्ने की बिक्री काफी हुई ,वही गौरीगौरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। अधिकांश वार्डो में दीपोत्सव की भांति, देवउठनी पर्व के एक दिन पूर्व गौरी गौरा मूर्ति की स्थापना कर रातभर रतजगा कर ,भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती के वैवाहिक कार्यक्रम विधिविधान से रस्म अदायगी के साथ की गई। नयापारा वार्ड में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सतरुपा गणेश ध्रुव व बजरंग ध्रुव , भूपेन्द्र ध्रुव के मार्गदर्शन में नयापारा वार्ड वासियों के सहयोग से गौरी गौरा का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर धूमधाम से गौरी गौरा वैवाहिक कार्यक्रम मनाया गया

एकादशी के दिन दोपहर पश्चात नगर के कल्याण सागर तालाब में गाजे बाजे बजरंग सेना दल के अखाड़ा प्रदर्शन के साथ महिलाओं, युवक बच्चे और बूढ़े सभी वर्ग के लोग नाचते गाते अतिशीबाजी के साथ विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके उपरांत धूम धाम से देवउठनी का पर्व मनाया गया। तुलसी विवाह की प्रथा के कारण यहां गन्ने की आवक खूब रही, शहर के मुख्य मार्ग फव्वारा चौक ,बस स्टैण्ड , सुहेला चौक आदि स्थानों पर गन्ने की खूब बिक्री रही।गन्ने के साथ गेंदाफूल , शकरकंद, कोचई जिमीकंद, अमरूद, बेर, भाटा, चना भाजी सिंघाडा का उपयोग पीजा में किया जाता है। विदित हो कि देवउठनी एकादशी में अन्न आहार नहीं लिया जाता,इसलिए फल के रूप में इन सभी चीजों की भी पुजा की जाती है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

तुलसी विवाह

एकादशी के दिन मां तुलसी और भगवान विष्णु के विवाह का दिन होता है।नगर में शनिवार को माता तुलसी का विवाह हुआ वही अनेक घरों पर आज रविवार को भी तुलसी विवाह किया जाएगा।

राज्योत्सव पर पीएम का शिवरतन शर्मा ने किया आत्मीय अभिनन्दन

भाटापारा/नवप्रदेश। नवा रायपुर राज्योंत्सव कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने आत्मीय स्वागत किया, राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ में शनिवार को ऐतिहासिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन पर प्रदेश की राजनीति में उत्साह चरम पर नजर आया। शिवरतन शर्मा ने मोदी का आत्मीय स्वागत किया। अपने सोशल मिडिया प्लेटफार्म के पोस्ट में उन्होंने लिखा आधुनिक भारत के शिल्पकार, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत प्रधानमंत्री जी का छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस - रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर रायपुर आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत है।

भाजपाइयों ने मनाई सरदार पटेल की जयंती

महासमुंद/नवप्रदेश। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती नपा उपाध्यक्ष कक्ष में मनाई गई। नपा उपाध्यक्ष देवीचंद ने लौह पुरुष सरदार पटेल को नमन करते हुए कहा कि देश राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में जयंती मना रहा है। उन्होंने आजादी के बाद दृढ़ता के साथ देश के सभी रियासतों का एकत्रीकरण कर एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर पार्षदगण चंद्रशेखर बेलदार, धनेंद्र विक्की चंद्राकर, माखन पटेल, विधायक प्रतिनिधि मुन्ना साहू, भाजपा नेता हनीश बग्गा, नईम खान, सोनाधर सोनवानी, शरद मराठा, अग्रज शर्मा, रोशन बग्गा, महेंद्र सिक्का, गौरव राठी भी मौजूद रहे।

प्रायोगिक प्राथमिक शाला नगरी की छात्रा निशा शेर का जवाहर नवोदय विद्यालय कुरूद में चयन

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकासखंड की प्रायोगिक प्राथमिक शाला नगरी की प्रतिभाशाली छात्रा निशा शेर, पिता गजेन्द्र शेर का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय, कुरूद में हुआ है। निशा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की प्रधान पाठिका निरूपमा साहू तथा शिक्षिकाएं मालती सोम, ज्योति मरकाम एवं प्रीति ने निशा को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उसके सुनहरे भविष्य की कामना की है।

राज्योत्सव में सांसद ने किया विभागों द्वारा लगाएं गए स्टॉलों का अवलोकन

हितग्राहियों को किया सामग्री वितरण

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2025 में आज पहले दिन महासमुंद जिले के 23 विभागों द्वारा पिछले 25 वर्षों की विकास यात्रा, सफल योजनाओं एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु आकर्षक प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए। मुख्य अतिथि सांसद लोकसभा क्षेत्र महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ स्टॉलों का विस्तृत अवलोकन किया। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त इंद्रजीत खालसा, जिला स्काउट एवं गाइड जिलाध्यक्ष ऐतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, उपाध्यक्ष भीखम ठाकुर,नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, श्री प्रशांत श्रीवास्तव, आनंद साहू, प्रकाश शर्मा, महेंद्र जैन, महेंद्र सिक्का, राहुल चंद्राकर, पंकज चंद्राकर, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण मौजूद थे।

सांसद चौधरी एवं विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने प्रदर्शनी के माध्यम से जिले में आधारभूत संरचना, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को सराहते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी महासमुंद की विकास गाथा का जीवंत चित्रण है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आमजन तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

विभागवार लगाए गए स्टॉल में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा आधुनिक खेती, फसल विविधीकरण एवं जैविक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन, पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य डेयरी उद्यमिता विकास, पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत मादा वत्स पालन, बैकयार्ड कुक्कुट इकाई वितरण आदि की जानकारी प्रदर्शित दी गई। मछली पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत संचालित योजनाएं एवं मत्स्य बीज संवर्धन, उत्पादन, एवं उपलब्धियों की जानकारी, आदिम जाति तथा अनुसूचित विकास विभाग द्वारा विभागीय योजनाएं, प्रधानमंत्री जनमन अंतर्गत दी जानी वाली सुविधाओं को प्रदर्शित किया गया।

ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण एवं प्रमाणपत्र वितरित

इस दौरान सांसद चौधरी के हाथों राजस्व एवं श्रम विभाग द्वारा ग्रामीणों, महिलाओं एवं युवाओं को योजनाओं से जोड़ने हेतु ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी विभाग द्वारा हितग्राहियों को लाभार्थी किट, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान की गई। समाज कल्याण विभाग के स्टॉल में 6 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान किया गया। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना अंतर्गत 20 हजार रुपए का चेक एवं निः शक्ति विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत दिव्यांगजन दंपति को एक लाख की राशि का चेक वितरण किया गया। जिला पंचायत विभाग के स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 5 लाभार्थियों को अभिनंदन पत्र एवं गृह प्रवेश की सांकेतिक चाबी सौंपी गई। 2 हितग्राहियों को स्वीकृत पत्र एवं सभी को बल्ब प्रदान किया गया। सांसद श्रीमती चौधरी ने हितग्राहियों से सीधे संवाद करते हुए योजनाओं के लाभ और आवश्यकताओं को जाना तथा नागरिकों को शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

राज्य स्तरीय मंच पर डोंगरगांव की प्रतिभा बिखेरेगी कला के रंग

डोंगरगांव/नवप्रदेश। नगर के लिए गर्व का विषय है कि डोंगरगांव की बेटी ख्याति वैष्णव एवं याशिता वैष्णव, पिता हीरेंद्र वैष्णव को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 में अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह राज्योत्सव 1 से 5 नवम्बर 2025 तक नवा रायपुर, अटल नगर स्थित राज्योत्सव मैदान में आयोजित किया जा रहा है।

ख्याति वैष्णव अपनी संस्था क्रयती पैलेट के माध्यम से पारंपरिक चित्रकला, आर्ट पेंटिंग, बॉटल आर्ट और लोककला से जुड़ी विविध कलाकृतियाँ प्रदर्शित करेंगी। उनका स्टॉल क्रमांक 37 पर लगाया जाएगा, जहाँ हमारी कला, हमारी पहचान थीम के तहत छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला-संस्कृति का आकर्षक प्रदर्शन किया जाएगा। नगरवासियों, परिवारजनों और मित्रों ने ख्याति वैष्णव को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। राज्योत्सव में उनकी भागीदारी से डोंगरगांव का नाम एक बार फिर राज्य स्तर पर रोशन होने जा रहा है।

गांव का जीवन सरल और सादगीपूर्ण होता है: तुषार

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम सेनकपाट में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू शामिल हुए। आयोजन समिति ने तुषार साहू का भव्य स्वागत किया।इस मौके पर श्री साहू ने कहा गाँव की संस्कृति भारतीय समाज की जड़ों को दर्शाती है।

अल्ट्राटेक रावन में हुआ दिवाली मिलन समारोह

भाटापारा/नवप्रदेश। अल्ट्राटेक रावन सी एस आर द्वारा सरपंच एवं जनपद सदस्यो के सम्मान में दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर अल्ट्राटेक प्रबंधन से संयंत्र प्रमुख राजेश कुमार , मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री , प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा , भूमि अधिग्रहण प्रमुख डी पी यादव , एचआर हेड सुधिन्द्र पंडा , ईआर हेड लल्लन सिंह एवं अभिलाष बाजपयी , अक्षय प्रकाश झां , मनोज पुलताम्कर तथा ग्राम पंचायत रावन , झीपन , रवेली , पडकीडीह , खपराडीह , चुचरुंगपुर , सरसेनी , गूमा , तिल्दाबांधा , औरासी , छिराही , नेवारी , फुलवारी , कसहीडीह तथा पेंड्री के सरपंच एवं जनपद सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अल्ट्राटेक प्रबंधन से यूनिट हेड राजेश कुमार ने विकास मे सहभागी बनने की प्रतिबध्दता दोहरायी एवं करन मिस्त्री तथा संजीव मिश्रा ने संयंत्र एवं गांव को परिवार की तरह मिलजुल कर रहने हेतु हर्ष दर्शाया।कार्यक्रम को सफल बनाने मे सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव, अधिकारी रंजय पाण्डेय तथा टीम से द्वारिका वर्मा , सुरेंन्द्र कुमार यादव , जानकी यादव , हेमलता ध्रुव ताराचंद वर्मा , रमा वर्मा , टोपेश्वर , सुनिता निषाद एवं साहिल बंदे की प्रमुख भूमिका रही।

भारी मात्रा में डम्प आईईडी बनाने का सामान बरामद

आपरेशन ग्रप (ई-30) जिला पुलिस गरियाबंद की कार्यवाही

गरियाबंद /नवप्रदेश। पुलिस पार्टी को जान से मारने की नियत से आई.ई.डी. बनाने हेतु भारी मात्रा में विस्फोटक सामान, 04 नग कुकर, इलेक्ट्रीक वायर, फ्टाखा एवं अन्य राशन सामग्री बरामद किया गया ।

जिला गरियाबंद अंतर्गत सक्रिय शासन द्वारा प्रतिबंधित माओवादी संगठन उदंती एरिया कमेटी के माओवादियों द्वारा पुलिस पार्टी/ग्रामीणों को नुकसान पहुंचाने तथा दहशत फैलाने के उद्देश्य से थाना शोभा एवं थाना पायलीखण्ड (जुगाड़) क्षेत्रातंर्गत ग्राम साईबीनकछार, कोदोमाली, भूतबेड़ा के जंगल क्षेत्र में आई.ई.डी. बनाने हेतु भारी मात्रा में विस्फोटक सामान को डम्प कर रखा गया था। जिसके संबंध में स्थानीय सूचना तंत्रो के माध्यम से आसूचना प्राप्त होने पर कार्यवाही करते हुये दिनांक 02.11.2025 को जिला मुख्यालय गरियाबंद से जिला पुलिस बल गरियाबंद के ऑपरेशन टीम ई-30 द्वारा थाना शोभा एवं थाना पायलीखण्ड़ (जुगाड़) के ग्राम साईबीनकछार, कोदोमाली, भूतबेड़ा के जंगल पहाडी क्षेत्र की ओर सर्चिंग अभियान के लिए रवाना हुये थे। अभियान कार्यवाही के दौरान दिनांक 02.11.2025 के सुबह प्राप्त सूचना अनुसार डम्प एरिया में पहुंचकर बीडीएस टीम द्वारा सघन सर्च किया गया सर्च के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों में जमीन के नीचे संदिग्ध डम्प की जानकारी हुई। उक्त जगह की खुदाई करने पर नक्सलियों द्वारा सुरक्षित तरीके से रखे भारी मात्रा में आई.ई.डी. बनाने का विफोस्टक सामान, 04 नग कुकर, इलेक्ट्रीक वायर, फ्टाखा एवं अन्य राशन सामग्री बरामद कर माओवादियों के विनाशकारी नीतियों को विफल करने में पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है।

खोखली ग्राम में हुआ आस्था और परपंरा का पर्व मातर महोत्सव का आयोजन

सामाजिक एकता का प्रतीक बना आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। खोखली ग्राम में श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में मातर महोत्सव का आयोजन संपन्न हुआ।इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का परिचय दिया।मातर महोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, लोक संस्कृति और सामुदायिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। यादव समाज द्वारा आयोजित इस महोत्सव में समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौ-सेवा की भावना और पारंपरिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम में यादव समाज सहित क्षेत्र के अनेक समाजों के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आयोजन को और भी विशेष व ऐतिहासिक बना दिया। संपूर्ण वातावरण भक्ति, उमंग और सामाजिक एकता के रंगों से सराबोर रहा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा मातर महोत्सव हमारी भारतीय संस्कृति, गौ-सेवा और लोक परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। भगवान कृष्णचंद्र की कृपा सभी पर बनी रहे, सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो यही हमारी कामना है। मातर महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब समाज अपनी परंपराओं और संस्कारों से जुड़ता है, तो संस्कृति और एकता का प्रकाश पूरे समुदाय को आलोकित कर देता है।इस अवसर पर सरपंच आशीष चतुर्वेदानी, पूर्व सरपंच राजू यादव, राजकुमार यादव, उपसरपंच बंसी यादव , पूर्व सोसाइटी अध्यक्ष पुरशोत्तम ध्रुव विजय यादव , ईश्वर यादव दुखु यादव , भुला यादव सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सूमो की ठोकर से स्कूटी में सवार दो युवक घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। सूमो की टक्कर से स्कूटी में सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। मामले की रिपोर्ट तेंदूकोना थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस को बुंदेली निवासी विमला साहू ने बताया कि 27 अक्टूबर की शाम करीब 04.50 बजे उसके बेटे यास साहू के दोस्त भीष्माराज दीवान ने फोन कर बताया कि यास साहू और वह जगदल्ला से भुरकोनी आ रहे थे। भुरकोनी नदी और जगदल्ला मोड़ के बीच सूमो वाहन क्र. सीजी 04 बी 6773 के चालक ने वाहन को तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक चलाकर यास साहू की स्कूटी क्र. सीजी 06 जेएक्स 9799 को सामने से ठोकर मार दिया जिससे यास साहू के सिर, कंधा, पेट, छाती, दाहिने पैर की उंगलियों , दाहिने हाथ की कलाई तथा भीष्मराज के दाहिने जांघ में चोट आई है और घुटने के नीचे हिस्सा टूट गया है।

सरदार पटेल व इंदिरा गांधी को कांग्रेसियों ने किया नमन

कुरूद/नवप्रदेश। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा कांग्रेस भवन में भारत रत्न पूर्व प्रथम उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती व भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के उपलब्धियों को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव श्रीमती तारिणी नीलम चन्द्राकर ने कहा कि देश के अनमोल रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल व इंदिरा गांधी ने अपने संघर्ष,अदम्य साहस व सुझबुझ से देश को एकता , सद्भावना व विकास पथ पर में ले जाने में अमूल्य योगदान दिये है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल लौह पुरुष व इंदिरा गांधी को लौह महिला का दर्जा उनके देश व विश्व में अमूल्य योगदान के वजह से दिया गया। दोनों महान विभूतियों के त्याग, तपस्या व बलिदान को हिंदुस्तान के इतिहास में सदैव याद किया जाता रहेगा । हम सभी उनके आदर्शो व सिद्धांतों पर चलने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

पंचायत चौक पर एक युवक को चाकू से हमला की घटना स्थल में युवक की मौत हो गई

आरोपी फरार हो रहा पुलिस के द्वारा आरोपी की तलाश जारी

नगरी/नवप्रदेश। नगरी मुख्यालय से 1 करीब किलो मीटर गांव छिपली के दो युवक द्वारा ग्राम पंचायत भवन के सूत्रों से पता चला कि दोनों के बीच आपस झगडा हुआ विवाद इतना बढ़ गया एक युवक ने दूसरे युवक को धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें दूसरे युवक को मौत के घाट उतार दिया, इस खौफनाक वारदात के बाद गांव में सनसनी है, वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई शुरू कर आरोपी की तलाश में जुट गई है। जिसमे जानकारी के मुताबिक पूरा मामला छिपली गांव की बताई जा रही है, जहां आरोपी ने युवक की हत्या कर दी, मृतक युवक का नाम सुयश उर्फसन्नी लहरे स्व प्रभु लहरें उम्र 34 वर्ष बताया जा रहा है, आरोपी ने कौन से हथियार से हमला कर युवक की हत्या की इस बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, शरीर कुछ जगहों पर चाकू गोदकर युवक को मौत के घाट उतारा दिखाई दे रहा है जिसमे जानकारी के मुताबिक पूरा घटनाक्रम दोपहर 1 की बताई जा रही है, जहां गांव में युवक का लहूलुहान हालत में शव पड़ा हुआ देख स्थानीय लोग दहशत में आ गए और मामले की सूचना पुलिस को दी,वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस शव को पीएम के लिए कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगरी मंचूरिय में रखा गया साथ आरोपी युवक की हत्या कैसे हुई जिसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

राज्य स्थापना दिवस पर महतारी चौक पर ऑटो चालक संघ ने किया कार्यक्रम

राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष पर नपा अध्यक्ष ने दी बधाई

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ महतारी चौक पर ऑटो चालक संघ द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में ऑटो चालक संघ के सभी सदस्यों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम से पूर्व ऑटो चालक संघ द्वारा निकाली गई आकर्षक ऑटो रैली ने पूरे शहर के वातावरण को माँ छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया के गर्व से गुंजायमान कर दिया। रैली ने जन-जन में प्रदेश के प्रति गौरव, एकता और सांस्कृतिक अस्मिता की भावना का संचार किया।

यह दिवस छत्तीसगढ़ की पहचान, परंपरा, परिश्रम और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह हमें अपनी माटी, संस्कृति और लोकमूल्यों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ सिर्फएक राज्य नहीं, बल्कि मेहनत, ममत्व और अपनत्व की भूमि है — जहाँ हर हृदय में माँ छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति असीम श्रद्धा और प्रेम है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने उपस्थित सभी नागरिकों एवं ऑटो चालक भाइयों को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह गौरवमयी दिवस हमें अपने प्रदेश की संस्कृति, भाईचारे और विकास के मार्ग को और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है।

न्यूज गैलरी

सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाने में रियायती दर पर शक्कर वितरण का शुभारंभ

कवर्धा/पंडरिया/नवप्रदेश। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया, जिला कबीरधाम द्वारा अंशधारी किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कारखाने के अंशधारी सदस्यों को रियायती दर पर प्रति सदस्य 50 किलो शक्कर वितरण का शुभारंभ आज दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रूपेश जैन, कोषाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जिला कबीरधाम रहे, जिन्होंने विधिवत शक्कर वितरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान अंशधारी सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रदीपपुरी गोस्वामी, रविश ठाकुर (मंडल अध्यक्ष पंडरिया), फलित साहू, मुकेश ठाकुर, मनोज ठाकुर, रविशंकर चंद्रवंशी, सुदर्शन साहू, जे.पी. साहू, परमेश्वर चंद्रवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं किसान शामिल हुए। वहीं कारखाने की ओर से उत्तर कुमार कौशिक (प्रबंध संचालक), राकेश सिंह राजपूत (महाप्रबंधक), प्रशा. पी.बी. पटेल (महाप्रबंधक वित्त) एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।कारखाना प्रबंधन के अनुसार ग्रामवार एवं क्षेत्रवार शक्कर वितरण की जानकारी पृथक से जारी की जाएगी, जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। रियायती दर पर शक्कर वितरण की इस पहल से अंशधारी कृषक सदस्यों में खुशी और उत्साह का माहौल है। यह कार्यक्रम शासन की लोककल्याणकारी नीति और माननीया विधायक श्रीमती भावना बोहरा की मंशा के अनुरूप संपादित किया गया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलब्ध में बल्देव प्रसाद मिश्रा में जागरूकता अभियान लगया गया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा (भा0पु0से0) के मार्गदर्शन पर श्रीमान अति0 पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा0पु0से0) के दिशा निर्देश पर श्री सरदार वल्लभ पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकत दिवस) के अवसर थाना क्षेत्रान्तर्गत ''रन फॉर यूनिटी, पुलिस कर्मियो, स्कूली छात्राओ एवं नागरिको की सहभागिता से एक दौड, सरदार पटेल ये योगदान एवं राष्ट्रीय एकता पर शैक्षणिक स्थानो एंव अन्य सार्वजनिक स्थानो के माध्यम वाद विवाद एवं चित्रकला, संगोष्ठी/व्याख्यान, खेलकूद वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित करने हेतु दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है। निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में थाना बंसंतपुर क्षेत्रान्तर्गत बल्देव प्रसाद मिश्र स्कूल राजनांदगांव सायबर जागरूकता, नशा मुक्ति एवं यातायात के तहत् चौपाल लगाया जाकर उपस्थित शिक्षकगण एवं छात्र एवं छात्रो को सायबर जागरूकता, नशा मुक्ति एवं यातायात के संबंध में आवश्यक जानकारी देकर सायबर ठगी, नशा मुक्ति एवं यातायात के संबंध जागरूकता अभियान चलाया जाकर दिशा निर्देश किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू, प्र0आर0 दीपक जायसवाल, आरक्षक अतहर अली एवं अन्य स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही।

निगम में राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली गई शपथ

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासन द्वारा 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाये जाने के निर्देश प्राप्त हुये थे। निर्देश के अनुक्रम में आज 31 अक्टूबर को नगर निगम सभागृह में निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी। निगम सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में आज 31 अक्टूबर शुक्रवार को आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवनी पर प्रकाश डालते हुये नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्र की एकता,अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का संकल्प लिया गया।

लाटरी के माध्यम से 12 पात्र हितग्राहियों को आवास आबंटन

वर्षों से किराया में निवासरत परिवारों को मिला आवास

■ मोर मकान मोर आस के तहत अब तक 229 परिवारों को मिला स्वयं का आवास

राजनांदगांव/नवप्रदेश। देश के प्रत्येक परिवार के सर पर पक्की छत हो इस सोच को साकार करने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, क्रियान्वयन की इस कडी में छत्तीसगढ शासन की संवेदनशील पहल मोर मकान मोर आस योजना के तहत आम आदमी के आवास का सपना साकार करने किरायेदारों के रूप में निकाय क्षेत्र के परिवारों को उनका स्वयं का अपना आवास मात्र लागत मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के क्रियान्वयन एवं जनमानस को योजना का लाभ देने नगर निगम द्वारा प्रक्रिया कर आवेदन आमंत्रित किया गया। प्राप्त आवेदनों में पात्र हितग्राहियों को महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर आज 31 अक्टूबर 2025 को नगर निगम सभागृह में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री शैकी बग्गा, डीलेश्वर साहू, आलोक श्रोत्री, पार्षद सर्वश्री कुलेश्वर ध्रुव, सेवक उईके व श्री सतीश साहू, सहायक अभियंता व सहायक नोडल अधिकारी सुश्री सुषमा साहू, सहायक लेखा अधिकारी श्री राकेश नंदे, राजस्व निरीक्षक श्री हितेश ठाकुर की उपस्थिति में लाटरी के माध्यम से 12 पात्र हिग्राहियों को आवास का आबंटन किया गया। पूर्व में 217 पात्र हितग्राहियों को आवास आबंटन कर योजना का लाभ दिया गया है।

मोहारा में निर्माणाधीन 870 आवास में 4, रेवाडीह में 340 पूर्ण आवास में 1 व निर्माणाधीन 258 अपूर्ण आवास में 7, इस प्रकार कुल 12 आवेदको के स्वयं के आवास का सपना सकार हुआ। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को 15 दिन के कार्य दिवस में आवास आबंटन पत्र दिया जायेगा। साथ ही पात्र हितग्राही जो इस लाटरी में शामिल नहीं हो पाये उन्हें राशि जमा उपरांत पुनः लाटरी कर आवास का आबंटन किया जायेगा। महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री शैकी बग्गा व श्री आलोक श्रोती ने आवास प्राप्त करने वाले सभी परिवारों को बधाई देते हुये कहा कि प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के मंशा कि प्रत्येक व्यक्ति के सर पर पक्की छत हो को साकार करने का कार्य इस योजना के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे महापौर श्री यादव जी कि भी यही मंशा है कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियो को स्वयं का आवास मिल सके। उन्होंने सभी हितग्राहियो से प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर योजना का लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर योजना के सी.एल.टी.सी श्री ललित मानकर व श्रीमती सोनम पालिया तथा विभागीय लिपिक श्री राजेन्द्र रामटेके,श्रीमती साधना यादव, श्रीमती किरण शुल्का एवं श्री देव हाथीबेथ सहित हितग्राही उपस्थित थे।

13 साल का हुआ बालोद, 27वें क्रम का जिला बना और तेजी से किया विकास

■ पर अब भी कुछ सपने पूरे होने हैं शेष

बालोद/नवप्रदेश। आज छत्तीसगढ़ राज्य अपना 25 वा स्थापना दिवस मना रहा है। इसी के साथ बालोद जिला भी 13 साल का हो गया है। 10 जनवरी 2012 को राजस्व जिले के रूप में दर्जा प्राप्त बालोद जिले में भी अब जिले के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार इन 13 सालों में हो चुका है। पर अभी भी कुछ सपने पूरे होने बाकी है। जिले के अनुरूप अभी भी कुछ सुविधाओं का मिलना शेष है। जिसके लिए राज्य की सरकार सहित स्थानीय जिला प्रशासन समय-समय पर प्रयास करती रही है तो वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी मुद्दा उठाए जाते रहे हैं। जिले के अनुरूप अब तक 13 सालों में बदले तस्वीर की अगर बात करें तो जिला बनने से पहले जो सुविधा नहीं मिल रही थी वह भी अब बखूबी तौर पर मिलने लगी है। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली आदि मूलभूत समस्याओं को दूर करने के लिए कई कार्य हुए हैं और आज जिला अपने नए स्वरूप में नजर आ रहा है।

एक समय बालोद नगर पालिका क्षेत्र सीमित दायरे में फैला हुआ था। लेकिन आज नए-नए वार्डों और बस्तियों का विकास हो रहा है। जिला मुख्यालय बालोद की बदलती तस्वीर भविष्य के लिए एक विकसित जिला की नींव साबित होगी। जैसा हम अपने आसपास के पड़ोसी जिले जैसे दुर्ग, राजनांदगांव और धमतरी को एक विकसित जिला के रूप में देखते हैं।

जिला बनने से हुए हैं कई फायदे पर अभी भी काम बाकी

बालोद के जिला बनने से स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है । हालांकि अभी भी यहां कुछ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। जिसके चलते मरीजों को गंभीर केस में रेफर करना पड़ जाता है।यहां जिला बनने के बाद 100 बिस्तर जिला अस्पताल और जच्चा बच्चा अस्पताल भी खुल गया। सरकार को यहां स्टाफ और संसाधन बढ़ाने पर भी थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें तो काफी सुधार देखने को मिले हैं। पर कुछ उच्च शिक्षा को लेकर आज भी युवाओं को दूसरे जिले या बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। तकनीकी शिक्षा की कमी नजर आती है । कृषि महाविद्यालय खोले जाने की मांग यहां वर्षों से है। जिसकी जिसके लिए कई जनप्रतिनिधि प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा बीएड डीएड कॉलेज की भी जरूर बनी हुई है।

रास्तों का हो रहा जिर्णोद्धार, ट्रैफिक समस्या हो रही दूर

जिला बनने के बाद बालोद मुख्यालय सहित आसपास गांव की सड़कों का जिर्णोद्धार भी देखने को मिला है। जिससे सड़के चौड़ी हुई। वर्तमान में बालोद शहर में भी डिवाइडर का निर्माण जारी है। बालोद शहर नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे से जुड़ा है।

4 नवंबर के बिजली आंदोलन की तैयारियों का लिया जायजा

प्रदेश संगठन मंत्री उत्तम जायसवाल का राजनांदगांव में भव्य स्वागत

राजनांदगांव/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश संगठन मंत्री उत्तम जायसवाल शुक्रवार को अपने प्रथम राजनांदगांव प्रवास पर पहुँचे। इस अवसर पर लोकसभा व जिला समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

श्री जायसवाल ने आगामी 4 नवंबर को होने वाले बिजली आंदोलन की तैयारियों का जायजा लिया और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरा। श्री जायसवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में संगठन विस्तार को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रथम चरण के संगठनात्मक कार्य पूर्ण हो चुके हैं और अब प्रत्येक विधानसभा में ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है जिसे नवंबर माह में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि संगठन व आंदोलन को लेकर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा ठोस कार्ययोजना बनाई गई है। प्रदेश सहप्रभारी मुकेश अहलावत प्रतिदिन वर्चुअल मीटिंग लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं, जिससे पूरे प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।प्रदेश संगठन मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी 4 नवंबर को बढ़ी हुई बिजली दरों और स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। हम भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार से मांग करेंगे कि बिजली बिल हाफ योजना को फिर से लागू किया जाए और बढ़े हुए दरों में तुरंत कटौती की जाए।

अवैध शराब परिवहन पर डोंगरगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एक आरोपी गिरफ्तार, 40 पौवा देशी शराब और एक्टिवा स्कूटी जब्त

डोंगरगांव/नवप्रदेश। थाना डोंगरगांव पुलिस ने अवैध शराब परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 40 पौवा ÷शोले÷ ब्रांड देशी शराब तथा एक होंडा एक्टिवा स्कूटी जप्त की गई है। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 53,200 आंकी गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी लोकनाथ बेलदार पिता बिसेलाल बेलदार (उम्र 18 वर्ष), निवासी ग्राम आरी, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा।थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले के नेतृत्व में पुलिस टॉम ने 30 अक्टूबर 2025 को क्षेत्र में गश्त के दौरान कार्रवाई की। सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा और पूछताछ की। आरोपी शराब रखने और बिक्री के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 पौवा देशी शराब (कीमत ?3,200) तथा होंडा एक्टिवा स्कूटी (कीमत ?50,000) को जब्त करते हुए कुल ?53,200 की संपत्ति जब्त की। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 345/2025 दर्ज किया गया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के मार्गदर्शन में की गई।इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक कृष्णा पाटले (थाना प्रभारी डोंगरगांव), सहायक उप निरीक्षक देवकुमार रावटे, तथा आरक्षक जीतेश साहू और चन्द्रकांत सोनी की सराहनीय भूमिका रही।पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर सख्त निगरानी जारी है और ऐसे अपराधियों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। दौड़ का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव से किया गया, जो डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक तक पहुंची और पुनः हॉकी स्टेडियम में समापन हुआ।इस अवसर पर शहर के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं, खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।राष्ट्रीय एकता दौड़ में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से महापौर श्री मधुसूदन यादव, श्री खूबचंद पारख, श्री कोमल सिंह, श्री सचिन बघेल, श्री संतोष अग्रवाल, श्री देवेन्द्र सिंह ठाकुर (प्रभारी, क्रीड़ा शिक्षा विभाग), श्री ए.एक्का सहित अनेक अधिकारी एवं नागरिकों ने भाग लिया।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने ग्रामीण अंचल के बच्चों का किया उत्साहवर्धन

कवर्धा/नवप्रदेश। आज दिनांक 31.8.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय श्री धर्मेंद्र सिंह जी थाना कुक दूर क्षेत्र अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल कुक दूर में जाकर स्कूल में हो रहे कबड्डी प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होकर विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया गया एवं उनके द्वारा भविष्य में पढ़ाई एवं करियर संबंधित निर्णय का मार्गदर्शन किया गया पुलिस अधीक्षक महोदय ने बताया गया कि किस प्रकार से केवल लक्ष्य निर्धारित करना ही महत्वपूर्ण नहीं होता है अपितु लक्ष्य हेतु निरंतर प्रयास करने का भी जीवन में बहुत महत्व है बगैर मेहनत के हम लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सकते हैं पुलिस अधीक्षक महोदय श्री धर्मेंद्र सिंह द्वारा खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया गया कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय धर्मेंद्र सिंह जी एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी पंडरिया श्री भूपत सिंह जी थाना प्रभारी पंडरिया नितिन कुमार तिवारी समस्त कुकदूर थाना स्टाफस्कूल प्राचार्य श्री रमेश श्रश्हह्लद्ग एवं समस्त स्कूल स्टाफउपस्थित रहे

वन भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफकार्रवाई

तीन आरोपी जेल भेजे गए

कवधा/नवप्रदेश। वन विभाग कवर्धा द्वारा वन भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल के निर्देशन, उपवनमंडलाधिकारी पंडरिया श्री सुयश धर दीवान के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पंडरिया (पूर्व) महेन्द्र कुमार जोशी के कुशल नेतृत्व में वन परिक्षेत्र पंडरिया (पूर्व) एवं पंडरिया (पश्चिम) के वन अमले द्वारा संपन्न की गई।

जानकारी के अनुसार, वन परिक्षेत्र पंडरिया (पूर्व) के अंतर्गत कोदवा परिसर के कक्ष क्रमांक पी.एफ 519 में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण किया गया था। इस संबंध में ग्राम नागाडबरा, तहसील कुकदूर निवासी सुखराम पिता फालू बैगा, बिरसू पिता फालू बैगा एवं मंगलू पिता लामू बैगा के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20040/23 एवं 20040/24 दिनांक 17 अगस्त 2025 को पंजीबद्ध किया गया था।पूर्व में दर्ज प्रकरणों के आधार पर सुसंगत धाराओं के अंतर्गत आज दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, पंडरिया के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से न्यायालय द्वारा तीनों आरोपियों को 14 दिवस की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

कार्रवाई की मांग सरकारी संपत्ति की रक्षा के लिए कड़ी कार्रवाई करेंगे और उदयाचल संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी :निगम

उदयाचल की मनमानी : निगम की दीवार तोड़ी, वार्डवासियों में नाराजगी

राजनांदगांव/नवप्रदेश। राजनांदगांव नगर निगम की एक दीवार को उदयाचल संस्था द्वारा तोड़ दिया गया है, जिससे वार्डवासियों में नाराजगी फैल गई है। वार्डवासियों का आरोप है कि उदयाचल संस्था द्वारा यह कार्रवाई बिना किसी अनुमति के की गई है और वे वार्ड के गार्डन को कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं।

वार्डवासियों ने किया हंगामा

वार्डवासियों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया और उदयाचल संस्था की मनमानी के खिलाफनारेबाजी की। वार्डवासियों का कहना है कि वे अपनी जमीन और संपत्ति की रक्षा करने के लिए तैयार हैं और उदयाचल संस्था के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं

उदयाचल संस्था की मनमानी

उदयाचल संस्था की मनमानी से वार्डवासियों में नाराजगी फैल गई है और वे अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए तैयार हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि वे सरकारी संपत्ति की रक्षा करने के लिए कड़ी कार्रवाई करेंगे और उदयाचल संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम की देखरेख में दिवार खड़ी

उदयाचल संस्था द्वारा तोड़ी गई दीवार को राजनांदगांव नगर निगम कमिश्नर जी के आदेश पर निगम की टीम द्वारा निगम की देखरेख में दीवार का निर्माण कराया जा रहा है

नगर निगम की चेतावनी

नगर निगम ने चेतावनी दी है कि सरकारी संपत्ति के साथ छेड़खानी करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले की जांच करेंगे और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर लाटाबोड़ में मनाया गया देवउठनी एवं राज्य स्थापना दिवस

बालोद/नवप्रदेश। 31 अक्टूबर शनिवार को ग्राम पंचायत लाटाबोड में 29 वर्षो से संचालित सरस्वती शिशु मंदिर में विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी देवउठनी एकादशी पर्व एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष कश्चित साहू, उपाध्यक्ष हरिश्चंद साहू, सदस्य संतराम मंडावी, भेमेंद्र साहू, प्रधानाचार्य प्रकाश तिवारी, गुहरी राम साहू पालक ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये। अध्यक्ष कश्चित साहू एवं उपाध्यक्ष हरिश्चंद साहू ने सभी को राज्य स्थापना दिवस एवं देव उठनी पर्व की शुभ कामना दिये। आचार्य लालजी तिवारी द्वारा मां तुलसी की विधिवत पूजा कराकर तेल हल्दी श्रृंगार करा कर पूजा अर्चना कराया गया। पूजा के बाद शंकर साहू द्वारा बनाये गये पंच नैवेद्य खिचड़ी का सभी स्टाप भैया बहनो एवं आसपास के लोगो ने आनंद लिए। अंत में समिति के द्वारा सभी को मिठाई देकर दीपावली की शुभ कामना दिये। उक्त कार्यक्रम मे जीतेन्द्र सिंदराम, देवेश बघेल, योगेन्द्र निषाद , श्रीमती कामीनी यदु , त्रिवेणी साहू , हरिप्रिया वैष्णव , मोनिका साहू , पद्मिनी निषाद , दामीनी साहू , मनीषा साहू , रेणुका मिश्रा , धनबाई , अश्विनी बघेल , खिलावन साहू रूपेंद्र साहू , बीरेंद्र साहू का योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

मोदी जी से नई पीढ़ी को ऊर्जा मिलती हैं : बजाज

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती उत्सव में पधारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वामी विवेकानंद विमानतल पर प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के नेतृत्व में अगवानी की। श्री बजाज ने कहा कि श्री मोदी बिना थके, बिना रुके लगातार प्रवास करते है। वास्तव में उनकी मेहनत का कोई जवाब नहीं। नई पीढ़ी को उनसे ऊर्जा तथा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

टोल प्लाजा कर्मचारी की बाइक चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। पटेवा पुलिस ने टोल प्लाजा ढांक के कर्मचारी की बाइक चोरी के मामले में अज्ञात के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस को ग्राम डूमरपाली निवासी लक्ष्मीलाल पटेल ने बताया कि वह टोल प्लाजा ढांक में वेलिडिटर का काम करता है। 29 अक्टूबर को टोल प्लाजा ढांक में शाम 4 से रात्रि 12 बजे तक उनकी ड्यूटी थी। इस दौरान उसने अपनी बाइक हीरो सुपर स्प्लेंडर क्रमांक सीजी 06 जीएच 5713 पार्किंग स्थल में रखी थी। ड्यूटी के बाद रात करीब 1 बजे पार्किंग स्थल पहुंचा ,तो देखा कि उसकी बाइक नहीं थी। मामले की रिपोर्ट पर अज्ञात के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

पांच किसानों के खेतों से केबल वायर चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। बागबाहरा क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। बीते 29 अक्टूबर की रात चोरों ने दारगांव में पांच किसानों के खेतों से केबल पार कर दिए। वहां के किसान मुरारी निषाद, दौलाल ध्रुव, मिश्रा कुमार साहू, सुरेश भोई, संजय ठाकुर ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने और क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं को रोकने की मांग की है। दारगांव में दीपावली के समय वन विभाग की टीम द्वारा कटे हुए चीतल के सिर बरामद की थी उससे जुड़े आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने की भी मांग की है।

निधन

तेजा कांकरिया

नवापारा राजिम। श्री श्वेताम्बर श्री संघ के तेजा कांकरिया (हाल मुकाम रायपुर) का आकस्मिक निधन रविवार को रायपुर में हो गया है। अंतिम संस्कार रायपुर के मारवाड़ी श्मशान घाट में हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिकजन और शुभचिंतक शामिल हुए।

मृदुल वंजारी

नवापारा राजिम। नगर के प्रतिष्ठित वंजारी परिवार में सतीश वंजारी के पौत्र व तरुण वंजारी के सुपुत्र मृदुल वंजारी का आकस्मिक निधन हो गया। जिसका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।

बस की ठोकर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम बम्हनी में केशरपुर मोड़ के पास बस की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। ग्राम बिलखंड निवासी मृतक के चाचा रामसिंह बरिहा ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 31 अक्टूबर को उनका भतीजा राजेश बरिहा दोस्त जगत राम बरिहा और भगतराम बरिहा के साथ बिना नंबर बाइक से अंत्येष्टि कार्यक्रम के लिए धनसीर गया था।

बाइक राजेश बरिहा चला रहा था। वापसी में केशरपुर मोड़ के पास ग्राम बम्हनी में दोपहर करीब 2:30 बजे बसना की ओर जा रही बस सीजी 10 जी 0941 के चालक ने अपने वाहन को तेज और लापरवाहीपूर्वक चलाकर बाइक को सामने से ठोकर मार दी। इससे राजेश बरिहा के सिर, पैर और हाथ व जगत राम बरिहा के माथे व भगतराम बरिहा को अंदरूनी चोटें आईं। तीनों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल बसना ले जाया गया।

घटना की सूचना के बाद रामसिंह सरकारी अस्पताल बसना पहुंचा, जहां राजेश बरिहा और जगतराम बरिहा बेहोश थे। भगतराम बातचीत कर रहा था। इलाज के दौरान कुछ देर बाद राजेश बरिहा की मौत हो गई। जगतराम बरिहा और भगत राम बरिहा का इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

कुलेश्वर महादेव महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ ग्रहण

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय एकता दिवस के अंतर्गत श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् प्राचार्य डॉ. मधुरानी शुक्ला के नेतृत्व में उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण की। सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने तथा समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

प्राचार्य डॉ. मधुरानी शुक्ला ने अपने संबोधन में सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय और संगठन क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के एकीकरण में जो योगदान दिया, वह अद्वितीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से देश की एकता और अखंडता के प्रति सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही।

परिक्षेत्र साहू समाज बानगर,नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह

शिक्षित और जागरूक होकर समाज को सशक्त और विकसित बनाएं : कृष्णकांत

कुरूद/नवप्रदेश। परिक्षेत्र साहू समाज बानगर (सिंगल द्वीप) नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह कुरुद तहसील अध्यक्ष कृष्णकांत साहू एवं चितरंजन साहू पूर्व उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहू समाज की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। तहसील अध्यक्ष कृष्णकांत साहू ने कहा कि शिक्षित और जागरूक होकर समाज के व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझे तो समाज सुधार होगा और समाज में नवाचार होगा। समाज में एक-दूसरे के साथ सहयोग और समर्थन की भावना होनी चाहिए।एकता और संगठन समाज को शक्ति और बल प्रदान करता है।जब सभी व्यक्तियों की सोच एक जैसी हो जाती है, तो पूरा समाज एक दिशा में प्रगति करता है।संगठन का रास्ता ही जीत का रास्ता है,और सभी पदाधिकारियों को बधाई दिया।

बानगर परिक्षेत्र की अध्यक्ष पद की कमान लगातार, शानदार दूसरी पारी की दायित्व सम्हालते हुए प्रेमचंद साहू ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा की समाज सिर्फ रोटी बेटी तक न रहे बल्कि साहू समाज को एकता और सहयोग के बदौलत अनेक रचनात्मक कार्य करते हुए आये है उनमें एक कदम और आगे बढ़ाते हुए सर्व समाज को साथ लेकर वर्तमान मे सुरसा रूपी नशा की चपेट में पूरा समाज का भविष्य युवाओं के दिशाहीन हो रहे युवाओं पर चिंता व्यक्त की और इस दिशा मे समाज को आगे आकर काम करने की जरूरत महसूस करते हुए समाज के युवक, युवतियों को समाज से जुड़ने की अपील की।शपथ ग्रहण के इस अवसर पर समाज के नव निर्वाचित सचिव दीपेश साहू, कोषाध्यक्ष चुरामन साहू उपाध्यक्ष केवल साहू, मनोज कुमार साहू गुरूजी, महिला उपाध्यक्ष कुलेश्वरी साहू, निर्मला साहू, संगठन सचिव लोकेश साहू, प्रीती साहू, सह सचिव प्रदीप सोनबेर, सुजीत कुमार, अंकेक्षक गुलाप राम साहू ,महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीमती त्रिवेणी साहू एवं वरिष्ठ जनो, सोमन, महेंद्र कुमार साहू गुरूजी, रिखी राम साहू पूर्व परिक्षेत्र अध्यक्ष बगौद ,लक्ष्मण साहू, कामराय साहू, साहू,हेमराज साहू,अशोक साहू, शेखन गुरूजी, खिलेश्वर गुरूजी, कर्मचारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भुनेश्वर गुरूजी एवं परिक्षेत्र के समस्त ग्रामीण अध्यक्ष एवं सचिव, समाज सेवक गण,समस्त स्वजातीय बंधु उपस्थित थे.

खेत में काम करने गए किसान की बाइक चोरी, आरोपी गिरफ्तार

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। खेत में काम करने गए किसान की बाइक चोरी, बेचेने के फिराक में आरोपी गिरफ्तारथाना गोबरा नवापारा क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। दरअसल, खेत में काम करने गए एक किसान की बाइक चोरी हो गई थी। आरोपी बाइक को बेचने की फिराक में घूम रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। मिली जानकारी के अनुसार, बजरंगपुर निवासी देवक राम साहू (39 वर्ष) ने 25 अक्टूबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी, जो रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ है, ने बताया कि 13 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल पैशन प्रो सीजी04 केसी 6005 से खेत गया था। काम के दौरान उसने बाइक को सड़क किनारे खड़ा किया था, लेकिन वापस लौटने पर बाइक गायब मिली।रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति नवापारा बस स्टैंड के पास संदिग्ध हालत में मोटरसाइकिल बेचने की कोशिश कर रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी ताराचंद यादव (28 वर्ष) पिता प्रेम यादव, निवासी सिंधौरीखुर्द थाना कुरुद, जिला धमतरी को पकड़ा।पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी कर अपने घर में छिपाकर रखने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद कर ली। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

देवउठनी पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुई विधायक संगीता सिन्हा

गुरूर/नवप्रदेश। संजारी-बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा जी अपने विधानसभा क्षेत्र के गृह नगर गुरूर में आयोजित देवउठनी पर्व के अवसर पर महिला गौरा गौरी समिति, बाजार चौक के तत्वाधान में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

विधायक सिन्हा ने इस अवसर पर आयोजक समिति को देवउठनी पर्व की हार्दिक बधाई एवं राज्योत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में नगर के ठाकुर देव स्थल पर विशेष पूजन-अर्चना की गई तथा नगर की खुशहाली, सुख-समृद्धि की कामना की गई। पूजा-अर्चना के पश्चात गांव बनाने की पारंपरिक रस्म निभाई गई।

इस अवसर पर नगर विकास समिति के अध्यक्ष हेमलाल ध्रुवे, सचिव नरेंद्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष भारत लाल यादव, सहसचिव डामेश्वर साहू, दसरू राम, जागेश्वर राव, राजेश साहू, फूलसिंह यादव, अना राम यादव, ग्राम बैगा परमेश्वर ओझा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नगर में ठाकुर देव की पूजा

देवउठनी पर्व के अवसर पर नगर गुरूर के ठाकुर देव में विशेष पूजन अर्चना के साथ नगर की खुशहाली, सुख समृद्धि की कामना की गई। पूजन अर्चना के पश्चात गांव बनाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर नगर विकास समिति के अध्यक्ष हेमलाल ध्रुवे, सचिव नरेंद्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष भारत लाल यादव, सहसचिव डामेशवर साहू, दसरू राम, जागेश्वर राव, राजेश साहू, फूलसिंह यादव, अना राम यादव ग्राम बैगा परमेश्वर ओझा उपस्थित रहे।

दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के बाद क्लीनिक का खुला सील

महासमुंद/नवप्रदेश। नर्सिंग होम एक्ट के लाइसेंस के बिना क्लीनिक संचालन पर बुधवार को राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने एक आयुर्वेदिक क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की। वहीं, गुरुवार को नाड़ी वैद्य के श्रीराम केयर क्लीनिक के संचालक शेष नारायण गुप्ता द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद सील खोलने की भी कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार निरीक्षण के दौरान क्लीनिक संचालक द्वारा नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत क्लीनिक संचालन संबंधी लायसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले में दूसरा पहलू भी सामने आया है जिसमें संबंधित द्वारा पंजीयन के लिए 4 माह पूर्व आवेदन दिया गया था लेकिन, कुछ दस्तावेज दीपपर्व की लगातार छुट्टियों के चलते शासकीय विभागों से ही नहीं मिल पाए थे। बता दें कि जिस दिन क्लीनिक सील किया गया उसके दूसरे ही दिन सभी दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के साथ ही शुक्रवार को तत्काल सील खोलने की भी कार्रवाई की गई।

पुरानी रंजिश के चलते पिता-पुत्री से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश।। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अछोला में बीती रात पुरानी रंजिश के चलते पति - पुत्री के साथ गाली-गलौच और मारपीट कर दी। तुमगांव पुलिस को ग्राम अछोला निवासी सोमनाथ यादव ने बताया कि, एक नवंबर की रात करीब 9 बजे खाना खाने गांव के ही एक रिस्तेदार के घर जा रहा था। दुर्गा चौक बस स्टैंड के पास पहुंचा था कि गांव के कामदेव धीवर, रूपलाल धीवर, देवा धीवर और विश्वानाथ धीवर पुरानी दुश्मनी को लेकर गाली गलौज करने लगा। मना करने पर सभी एक राय होकर मारपीट करने लगा। बीच बचाव करने पहुंची उनके दोनों पुत्री के साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट की। विश्वनाथ ने पुत्री का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। जिसे नाक, गाल, गले और सीने में चोटें आई हैं।

सोसायटी का किसान कांग्रेस ने किया दौरा

महासमुंद/नवप्रदेश। किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी दीपक पाण्डेय ने जलकी स्थित धान खरीदी केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस मानिक साहू सहित वरिष्ठ पदाधिकारी व स्थानीय किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान धान खरीदी पंजीयन प्रक्रिया में आ रही कठिनाइयों और तकनीकी अड़चनों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। किसानों ने अपनी परेशानियां साझा करते हुए बताया कि समय पर पंजीयन न होने और सर्वर संबंधी दिक्कतों के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पांडेय ने मौके पर अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई किसान कांग्रेस हर स्तर पर लड़ेगी। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश मुखर्जी, विनोद चौहान, दिलीप जैन, केशव चौधरी, शैलेंद्र सेन, अमर चंद्राकर, परस पटेल सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष मानिक साहू ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों की आवाज लगातार उठाती रही है और आगे भी हर समस्या के समाधान तक संघर्ष जारी रहेगा।

खुशखबरी... वर्षा ऋतु खत्म होने के बाद देखते ही बन रही है अभयारण्य की सुंदरता

बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य 1 नवम्बर से पर्यटकों के लिए पुन: खुल गया

प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैवविविधता और ईको-टूरिज्म का अनोखा संगम - लेपर्ड सफारी बनेगा नया आकर्षण केंद्र

कसडोल / नवप्रदेश। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य, रायपुर से लगभग दो घंटे की दूरी पर स्थित, छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख वन्यजीव गंतव्य है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह अभ्यारण्य 1 नवम्बर 2025 से पर्यटकों के लिए पुनः खुल गया है।

वर्ष ऋतु में यहाँ पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी।बारिश ख़त्म होने के बाद अभयारण्य की सुंदरता में चार चाँद लग गए हैं। इस बार अभ्यारण्य में पर्यटकों की सुविधा के लिए तीन प्रवेश द्वार - पकरीद, बरबसपुर और रवान निर्धारित किए गए हैं, जिनसे सफारी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जंगल सफारी के दौरान पर्यटक यहां की समृद्ध वन संपदा और विविध जीव-जंतुओं को नज़दीक से देखने का रोमांच अनुभव कर सकेंगे। मुख्य आकर्षणों में तेंदुआ, भालू, गौर, कृष्णमृग सहित कई अन्य स्तनधारी प्रजातियां तथा 200 से अधिक पक्षी प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिक समृद्धि को दर्शाती हैं। इस वर्ष विशेष रूप से तैयार किया गया लेपर्ड सफारी जोन पर्यटकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा।

बारनवापारा केवल वन्यजीव प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रकृति और शांति के चाहने वालों के लिए भी एक आदर्श स्थल है। यहाँ की वादियों में फैली हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट और सघन वनों की प्राकृतिक सुंदरता एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती है। पर्यटकों के लिए अभ्यारण्य परिसर एवं आसपास स्थित इको-टूरिज्म रेसॉर्ट्स एवं विश्राम गृहों में रहने की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है, जहाँ वे प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल बिता सकते हैं।

इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि - बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ने और संरक्षण की भावना को जागृत करने का माध्यम है। हम सभी प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का स्वागत करते हैं कि वे इस सत्र में बारनवापारा आएं और इसकी अद्भुत जैव-विविधता का अनुभव करें। वन विभाग द्वारा पर्यटकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षण नियमों का पालन करें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके।

युवक कांग्रेस ने किया छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

प्रशासन पर लगाया छत्तीसगढ़ महतारी की अनदेखी का आरोप

धमतरी/नवप्रदेश। पूरे छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा हैं। विडम्बना यह हैं कि कलेक्टर कार्यालय में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर दोहपर तक इसमें कोई भी माल्यार्पण नही हुआ जो इस साय सरकार की मानसिकता दर्शता हैं। यह सीधे सीधे छत्तीसगढ़ के लोगो के भावनाओं के साथ खिलवाड़ हैं। लाखो खर्च करके राज्योत्सव मनाया जा रहा हैं पर प्रशासन की लापरवाही देखिए जिला मुख्यालय में लगे छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी नही किया गया था। जो निंदनीय हैं जिसका युवा कांग्रेस पुरजोर विरोध करता हैं। युवा कांग्रेस जिला महासचिव गीतराम सिन्हा व युवा साथियों द्वारा कलेक्टर कार्यालय जाकर छग महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण करने वालों में विस अध्यक्ष हितेश गंगवीर, देवेन्द्र देवांगन, अविनाश मरोठे, सूरज पासवान तोगु गुरूपंच व युवा साथी शामिल थे।

राज्योत्सव : गांव-गांव में बिछे सड़कों ने छत्तीसगढ़ की काया पलट दी

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से राज्य में 25 वर्षों में बनी 40 हजार किमी सड़कें**

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पिछले 25 सालों में गांव-गांव में बिछे सड़कों के नेटवर्क ने राज्य के ग्रामीण इलाकों की काया पलट दी है। अब राज्य के गांवों में नई सड़कों से आ रहे बदलाव को महसूस किया जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी ने देश के ग्रामीण इलाकों में बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 2000 में शुरूआत की। यह योजना देश के साथ ही राज्य के ग्रामीण इलाकों में परिवर्तनकारी सिद्ध हुई। छत्तीसगढ़ में इस योजना के जरिए लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कें बनायी जा चुकी है। राज्य निर्माण के पहले यहां सड़कों का औसत देश के पूर्वोत्तर राज्यों से भी नीचे था। उस समय यहां ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 4200 किलोमीटर सड़कें थी। इस स्थिति में यहां के लोगों के जीवन स्तर का अनुमान सहज रूप से लागाया जा सकता था। देश में जब यह योजना शुरू हुई तब ग्रामीण समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ। सड़कें केवल आवागमन का जरिया नहीं बल्कि यह सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का माध्यम भी है।

वर्तमान में ग्रामीण सड़कों के मजबूत नेटवर्क ने सुशासन और आंत्योदय के सपने को पूरा करने का मजबूत आधार दिया है। आज छत्तीसगढ़ के किसान अपने खलिहानों से धान की फसल खरीदी केन्द्रों तक आसानी से पहुचा पार रहे है। ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आसानी से राशन पहुंच रहा है। आंगनवाडियों के पोषण आहार में गड़बडी जैसे मामले अब देखने को नहीं मिल रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सड़के मददगार सिद्ध हो रही है।

सड़कों के लोगों में गतिशीलता बढ़ी है। लोग रोजगार और स्वरोजगार के नए नए माध्यमों को अपना रहे हैं। ग्रामीण

इलाकों में लोग पुराने दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि गांव की सड़के बहुत दुरूह होती थी। कई बार नदी नालों को पार कर एक गांव से दूसरे गांव तक जाना पड़ता था। इस योजना ने उन्हें नई ताकत दी है। अब सड़के डामरीकृत होने के साथ ही पुल पुलिए बनने से आवागमन सहज हुआ है। छत्तीसगढ़ के शुरूआती 16 वर्षों में तेजी से ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ। लगभग 32 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें और पुल -पुलिया बनायी गई। इन सड़कों के माध्यम से साढे 10 हजार से अधिक बसाहटों को जोड़ा गया। अब तक योजना में 40,415 किमी लंबी 8,310 सड़कों एवं 426 वृहद पुलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस योजना मे दूसरे और तीसरे चरण में 10 वर्ष पुरानी सड़कों का मजबूतीकरण और उन्नयन का कार्य किया गया। इस चरण में कुल 5,583 किमी लंबाई की 534 सड़कों एवं 82 वृहद पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण जा चुका है। स्वीकृत सभी परियोजनाएं शत-प्रतिशत पूर्ण की जा चुकी हैं।

राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में नक्सली उन्मूलन की दिशा में इस योजना ने सार्थकता सिद्ध की है। इन क्षेत्रों में 12,459 किमी लंबाई की बनाई गई हैं। इससे 3,853 बसाहटें भी मुख्यधारा से जुड़ी । जिससे इन क्षेत्रों में आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिला है।

प्रधानमंत्री ने की सराहना

राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना करते हुए कहा कि मैं राज्य निर्माण के पहले भी छत्तीसगढ़ आया करता था। उस समय गांवों तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल होता था। कई गांवों में सड़क थे ही नहीं, 25 वर्षों में राज्य ने बहुत तरक्की की है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर से अधिक लंबे सड़कों का जाल गांव गांव तक फैल गया है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़कों से जुड़ते गांव और सशक्त होते ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में छत्तीसगढ़ के सतत प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने बताया कि चौथे चरण में जनजातीय क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल गांवों में 8 हजार से अधिक किलोमीटर सड़के बनाए जाने की योजना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आकांक्षी जिलों की बसाहटों में सड़कें प्राथमिकता से बनायी जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

गोंदिया से बरौनी के बीच चार-चार फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी

रायपुर/ नवप्रदेश। रायपुर यात्रियों की सुविधा और उन्हें कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने गोंदिया और बरौनी के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 08843/08844 गोंदिया-बरौनी-गोंदिया के बीच चार-चार फेरे के लिए संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 08843 गोंदिया-बरौनी स्पेशल गोंदिया से 3, 4, 8 और 9 नवंबर 2025 को शाम 5.15 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़ समेत निर्धारित स्टेशनों से होकर अगले दिन शाम 7.20 बजे बरौनी पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 08844 बरौनी-गोंदिया स्पेशल बरौनी से 4, 5, 9 और 10 नवंबर को रात 10.25 बजे चलेगी। यह ट्रेन रास्ते में ठहराव लेते हुए दूसरे दिन रायगढ़ शाम 6 बजे पहुंचेगी।

राज्योत्सव की ड्यूटी में कांकेर से आए सिपाही की तबीयत बिगड़ी, मौत

रायपुर/ नवप्रदेश। कांकेर से राज्योत्सव की ड्यूटी के लिए रायपुर आए एक सिपाही की शनिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। सिपाही को रिजर्व टीम में रखा गया था। वह पुलिस लाइन में बैठा हुआ था। तभी अचानक आरक्षक की तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां आरक्षक ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से जशपुर निवासी फुलजेश पन्ना (61) की पोस्टिंग कांकेर में थी। वो राज्योत्सव की ड्यूटी के लिए रायपुर आया था और रिजर्व टीम में तैनात था। फुलजेश सुबह तैयार होकर पुलिस लाइन पहुंचा। तभी उसे सिर में दर्द और बीपी बढ़ने की शिकायत हुई। इलाज के दौरान आरक्षक की मृत्यु हो गई।

नगर निगमों में संपत्ति कर की वसूली करेगी नई टीम

रायपुर/ नवप्रदेश। राजधानी समेत राज्यभर के नगर निगमों में संपत्ति कर की वसूली के लिए नगरीय निकाय संचालनालय की ओर से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। अब हर जिले में राजस्व वसूली तेज करने के लिए संभाग स्तरीय टीम बनाई जा रही है। यह टीम निगमों में संपत्ति कर की वसूली की रफ्तार की भी निगरानी करेगी। सभी निगमों में राजस्व पर्यवेक्षण और निरीक्षण के लिए सभी संभागों के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई है। ये टीम हर महीने नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों का निरीक्षण करेंगी। इस जांच रिपोर्ट को संचालनालय में भेजा जाएगा। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर निगमों के लापरवाह अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। नगरीय प्रशासन संचालनालय ने इन टीमों को किस तरह काम करना है इसकी भी जानकारी दी है। टीम में शामिल अधिकारी-कर्मचारी मासिक रोस्टर बनाकर संभाग में जितने निगम आएंगे उसकी जांच करेंगे। विभाग के निर्देशानुसार निर्धारित चालू एवं बकाया मांग के महीनेवार निर्धारित लक्ष्य के अनुसार निकाय वसूली की जांच करेंगे।

बिना पंजीयन वाली पालतू पशु दुकानों पर छापेमारी

रायपुर/ नवप्रदेश। बिना पंजीयन के शहर में चल रही पालतू पशु दुकानों पर कार्रवाई की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की टीम ने कई दुकानों में छापा मारा। अफसरों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि सात दिनों के भीतर वे अपनी दुकान का बोर्ड में पंजीयन करवा लें। बिना पंजीयन के दुकानों का संचालन किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दुकान को सील भी किया जा सकता है। अफसरों ने बताया कि पालतू पशु दुकानों में पेट शॉप कानून 2018 के नियमों का हर हाल में पालन करना होगा। दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि दुकानों में रखे गए पशु-पक्षियों के पिंजरे साफ होने चाहिए। साफ पानी के साथ ही उचित भोजन की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से करना होगा। कोई भी दुकानदार इसमें लापरवाही करेगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान बोर्ड के अधिकारी एवं स्टाफने बताया कि इस तरह की जांच लगातार जारी रहेगी।

निधन

अन्नू यादव

रायपुर। छः ग प्रगतिशील यादव महासंघ के आजीवन सदस्य डॉक्टर अनिल यादव एवं रिंकी यादव की माताजी तथा डॉक्टर प्रकृति यादव एवं राम कुमार यादव सासू मा अन्नू यादव (धर्मपत्नी हरि शंकर यादव) 01 नवंबर 2025 को बिलासपुर में देवलोक प्रस्थान कर गई। दाह संस्कार उनके स्थायी निवासन मनेंद्रगढ़ में हुआ। प्रभु दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे एवं शोकाकुल परिवार को दुःख सहने की शक्ति !

पॉवर कंपनी में सायबर सुरक्षा और जागरूकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

साइबर खतरों से निपटने में सक्षम है पॉवर कंपनी का सायबर सुरक्षा तंत्र : डॉ रोहित

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने कहा है कि पॉवर कंपनी की सायबर सुरक्षा प्रणाली सायबर खतरों से निपटने में सक्षम है और नवीन प्रौद्योगिकी से लैस है। विद्युत सेवा भवन में एक सादे समारोह में सीएसपीडीसीएल द्वारा सायबर सुरक्षा पर तैयार सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट का अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने विमोचन किया। कंप्यूटर डेस्क मैट पर साइबर सुरक्षा सम्बंधित ÷क्या करें÷ और ÷क्या न करें÷ उपयोगकर्ता जागरूकता हेतु लिखा गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सूचना सुरक्षा प्रकोष्ठ (आईएससी) ने कंपनी के नेटवर्क, सर्वर, एप्लीकेशन, डाटा एवं वेबसाइट समेत सभी ऑफिस के कंप्यूटर को अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली से सुरक्षा कवच प्रदान किया है। उन्होंने कंपनी के कार्मिकों के लिए प्रतिवर्ष सायबर सुरक्षा जागरूकता

संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करने को सार्थक पहल बताया।

इस मौके पर मौजूद पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि पॉवर कंपनी मुख्यालय में केन्द्रीयकृत सायबर सुरक्षा संचालन केन्द्र (सीङ्कएसओसी) संचालित है जहां से प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं संबंधी डाटा की गोपनीयता एवं सुरक्षा की निगरानी की जाती है। उन्होंने कहा कि यह देश में सार्वजनिक क्षेत्र में पॉवर सेक्टर का पहला सायबर सुरक्षा केन्द्र है। साई दर्शन आवासीय जोरा समिति परिसर में महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक मनाई आंवला नवमी।

इस केन्द्र में 24 ङ्क 7 सभी सायबर इंसीडेंट की निगरानी की जाती है। इस दौरान प्रतिदिन हजारों सायबर अटैक को मॉनिटर एवं विफल किए जाते हैं। श्री कंवर ने बताया कि राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा माह के अंतर्गत 1- 31 अक्टूबर तक पॉवर कंपनियों में विभिन्न स्तरों पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट के विमोचन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (ईआईटीसी) श्री विनोद कुमार साय, अधीक्षण अभियंता (आईएससी) श्री विकास शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एसीआई में ढाई माह से बंद बायपास-ओपन हार्ट सर्जरी

सामग्री नहीं, मरीज प्राइवेट अस्पतालों की शरण में

रायपुर/ नवप्रदेश। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियेक इंस्टिट्यूट (एसीआई) में बायपास और ओपन हार्ट सर्जरी पिछले ढाई माह से ठप है। वजह है सर्जरी के लिए जरूरी चिकित्सा सामग्री की अनुपलब्धता। गरीब-मध्यम वर्ग के हृदय रोगियों का सहारा बने इस संस्थान में अब मरीज निराश लौट रहे हैं। कई प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, जहां लाखों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

पुरानी दर पर सामग्री देने से फर्म का इंकार, नया टेंडर जारी

एसीआई में सर्जरी के लिए जरूरी वॉल्व, स्टेंट और अन्य उपकरणों की सप्लाई पूर्व में एक निश्चित फर्म से होती रही है। दो साल पुरानी दर पर सामग्री देने से फर्म ने साफ इंकार कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने तमाम प्रयास किए, लेकिन फर्म नहीं मानी। आखिरकार नया टेंडर जारी करना पड़ा। टेंडर 7 नवंबर को खुलेगा। सबसे कम दर वाली फर्म को ऑर्डर मिलेगा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी सामग्री की डिलीवरी में कम से कम दो सप्ताह लगेंगे। यानी नवंबर के तीसरे सप्ताह तक सर्जरी शुरू होने की उम्मीद है।

मरीजों की मजबूरी: प्राइवेट अस्पताल में 3-5 लाख का खर्च

एसीआई में हार्ट सर्जरी बेहद कम खर्च में होती है। एक वॉल्व की सर्जरी में करीब डेढ़ लाख, दो वॉल्व में ढाई लाख रुपये आते हैं। लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में बायपास सर्जरी के लिए 3 से साढ़े 3 लाख, जबकि दो वॉल्व की सर्जरी के लिए साढ़े 4 से 5 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। अधिकांश मरीज गरीब और मध्यम वर्ग के हैं, जिनके लिए यह राशि जुटाना असंभव है। रोजाना दर्जनों मरीज एसीआई पहुंचते हैं, लेकिन सामग्री नहीं होने की वजह से उन्हें वापस लौटना पड़ता है। कई मरीजों ने बताया कि मजबूरी में प्राइवेट अस्पताल का रुख करना पड़ा, जहां इलाज का बोझ परिवार पर भारी पड़ रहा है।

साईं दर्शन आवासीय जोरा समिति परिसर में महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक मनाई आंवला नवमीं

रायपुर/ नवप्रदेश। साईं दर्शन आवासीय जोरा समिति परिसर में आज सभी महिला मंडल ने सामूहिक रूप से आंवला नवमी का पूजन एवं आयोजन किया।महिला मंडल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह दिन भगवान विष्णु की भक्ति एवं आंवले के पूजन का विशेष दिन माना जाता है।हिंदू धर्म में आंवला नवमी का अत्यंत शुभ और पावन महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है तथा आंवले के वृक्ष की परिक्रमा कर आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित: आंदोलनकारी शामिल हुए समारोह में

रायपुर/ नवप्रदेश। त्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्ष में 26वें रजत जयंती राज्योत्सव के दूसरे दिन राज्य आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी ने विधि-विधान से छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की। कार्यक्रम राज्य आंदोलनकारी स्थल, छत्तीसगढ़ी भवन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह मार्ग, हांडीपारा में शाम 4 बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय गीत ÷अरपा पैरी के धार÷ से हुई, जिसे प्रसिद्ध पंडवानी कलाकार चेतन देवांगन एवं भावेश कुमार देवांगन ने प्रस्तुत किया। महानगरपालिका अध्यक्ष हेमा फनिंद्र महमल्ला, रितु महंत, प्रभा दुबे, महिमा दुबे, नीलम दुबे, दीक्षा दुबे ने पूजा-अर्चना की। छसपा अध्यक्ष अनिल दुबे, दाऊ जी. पी. चंद्राकर, दीनदयाल वर्मा,

जागेश्वर प्रसाद, लालाराम वर्मा, चेतन देवांगन, महेंद्र कौशिक, अशोक कश्यप, ठाकुरराम सिन्हा, शिवकुमार ताम्रकार, रघुनंदन साहू, सतीश दुबे, अशोक यादव, आदर्श चंद्राकर, संतोष श्रीवास सहित सैकड़ों आंदोलनकारियों ने 26 दीप जलाकर आरती उतारी। चार किसान नेताओं को साल-श्रीफल से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित छात्रा ने राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

रायपुर/ नवप्रदेश। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कोरबा जिले के एनएसएस की छात्रा कुमारी लेखनी साहू ने आज राजभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने लेखनी साहू के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

कुमारी लेखनी साहू को विगत 6 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था।

आवारा कुत्तों के मैनेजमेंट में निगम को जारी करना होगा हेल्पलाइन नंबर

रायपुर/ नवप्रदेश। शहर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या और इसी के साथ डॉग बाइट के बढ़ते मामले को लेकर नगरीय प्रशासन विभाग ने 31 अक्टूबर को निर्देश जारी कर दिया। इसमें मुख्य रूप से इस प्रकार के कुत्तों की आक्रामकता को देखते हुए कोई नागरिक इसकी सूचना देना चाहें तो इसके लिए निगम को अब एक हेल्पलाइन नंबर जारी करना होगा। वहीं आक्रामक कुत्तों को बधियाकरण करने के बाद उसे वापस उन्हीं जगहों में छोड़ने के बजाय शेल्टर हाउस में रखने का आदेश अवर सचिव अजय तिर्की ने दिया। इसके ठीक विपरीत नगर निगम के जोन-8 कमिश्नरी अंतर्गत सोनडोंगरी में बनाया गया डॉग शेल्टर हाउस 10 महीने बाद भी शुरू नहीं हो पाया। इस शेल्टर हाउस को चलाने के लिए एक

एजेंसी को भी निगम ने ठेका दिया था। इस मामले में जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने बताया कि शेल्टर हाउस का कुछ काम अधूरा था, वह पूरा कर लिया गया है। अभी यहां

वेटनरी चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हुई, इसीलिए एजेंसी काम शुरू नहीं कर रही है। जारी आदेश में प्रदेश के सभी निकाय क्षेत्र अंतर्गत आने वाले वार्डों में इस प्रकार के कुत्तों के लिए एक चिन्हांकित भोजन स्थान स्थापित कर वहां साइनेज लगाने भी

कहा गया। उन जगहों को छोड़कर अन्य किसी दूसरी जगह कुत्तों को एकत्रित कर बिस्किट या अन्य खाना दिये जाने पर नगरीय प्रशासन विभाग की हेल्पलाइन निदान 1100 में भी शिकायत दर्ज कराने कहा गया है।

छत्तीसगढ़ सहित 35 राज्यों से दायर थी याचिका

आवारा कुत्तों के कारण देश के विभिन्न राज्यों में लगातार बढ़ रहे डॉग बाइट के मामले को देखते हुए छत्तीसगढ़ सहित 35 राज्यों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका जारी की गई थी। 28 जुलाई को राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में 'शहर आवारा कुत्तों से परेशान, बच्चे चुका रहे कीमत' शीर्षक से खबर प्रकाशित हुई थी। इसमें मुख्य रूप से इसे संज्ञान में लेकर याचिका दायर की गई थी।

प्रदेश में हैं 3 लाख से अधिक आवारा कुत्ते

नगरीय प्रशासन विभाग से जारी निगमों के लिए आदेश में बताया गया है कि प्रदेश में अभी लगभग 3 लाख 94 हजार 686 स्ट्रीट डॉग्स है। इनके जन्म को नियंत्रित करने लगातार कराये जा रहे बधियाकरण के बावजूद वर्ष 2018 से 2025 तक 33 हजार 496 कुत्तों की नसबंदी और एंटीरैबीज टीकाकरण किया गया।

कोडार डैम में वॉटर एक्टिविटी कैंप में 300 कैडेट्स ले रहे ट्रेनिंग

रायपुर/ नवप्रदेश। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय की ओर से कोडार डैम में मोस्ट एंटरप्राइजिंग नेवल यूनिट और कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। लखौली कैंप साइट में राज्य के लगभग 300 कैडेट्स नौसेना एनसीसी कैंप में ट्रेनिंग ले रहे हैं। जिसमें एमपी-सीजी एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल विक्रांत एम. धुमने ने कैडेट्स को संबोधित करते कहा कि जीवन में अनुशासन बहुत जरूरी है। एनसीसी युवाओं में चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सशक्त हुए व्यक्तित्व विकसित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कैडेट्स द्वारा की जा रही साहसिक एक्टिविटी जैसे बोट पुलिंग, सेलिंग और जल क्रीड़ा अभ्यासों को देखकर कैडेट्स का हौसला बढ़ाया। इस ट्रेनिंग के अलावा कैडेट्स को सामाजिक अभियान जैसे स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्त अभियान, स्वच्छ भारत अभियान और रक्तदान में भी हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया हुई आसान, छोटे व्यवसायों को तीन कार्यदिवस में मिलेगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। अब छोटे और कम जोखिम वाले कारोबारियों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। 1 नवंबर से लागू हुई जीएसटी विभाग की नई सरल पंजीकरण योजना के तहत पात्र व्यवसायों को तीन कार्यदिवस के भीतर जीएसटी पंजीकरण प्रदान किया जाएगा। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को अब जीएसटी पंजीकरण के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जीएसटी विभाग के शनिवार से लागू हुई नई सरल जीएसटी रजिस्ट्रेशन योजना के तहत ऐसे कारोबारियों को तीन कार्यदिवस के भीतर पंजीकरण मिल जाएगा।जीएसटी विभाग ने बताया कि यह योजना उन छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों के लिए है, जिन्हें जीएसटी सिस्टम डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानता है, या फिर वे कारोबारी, जो स्वयं आकलन करते हैं कि उनकी मासिक आउटपुट टैक्स देनदारी 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी (जिसमें सीजीएसटी, एसजीएसटी/यूटीजीएसटी और आईजीएसटी शामिल हैं)। यह योजना पूरी तरह स्वैच्छिक होगी कारोबारी इसमें शामिल हो सकते हैं या आवश्यकता पड़ने पर इससे बाहर भी निकल सकते हैं। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर की बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन समारोह में कहा था कि 1 नवंबर से शुरू हो रही यह नई व्यवस्था लगभग 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ पहुंचाएगी।

जेट ईंधन की कीमतों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। मासिक ईंधन मूल्य समीक्षा के तहत जेड ईंधन की कीमतों में लगभग 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं कमर्शियल एलपीजी 5 रुपये प्रति सिलेंडर सस्ता हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के अनुसार यह संशोधन किया गया है। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट ईंधन की कीमतों में शनिवार को करीब एक प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम पांच रुपये प्रति सिलेंडर घटाए गए। यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार के दामों के अनुरूप मासिक समीक्षा के तहत किया गया है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों के अनुसार, राजधानी दिल्ली में एटीएफ का दाम अब 777 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.8 प्रतिशत बढ़कर ?94,543.02 प्रति किलोलीटर हो गया है। यह लगातार दूसरा महीना है जब जेट ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। पिछले महीने यानी 1 अक्तूबर को एटीएफ की कीमतों में 3,052.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 3.3% की वृद्धि हुई थी। उससे पहले सितंबर में इसमें 1.4 प्रतिशत या ?1,308.41 प्रति किलोलीटर की कटौती की गई थी। मूल्य वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है।

जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य आजीविका और उद्योगों पर असर

निवेश से 50 लाख रोजगार सृजित कर सकता है भारत

बिज़नेस डायरी। डेलॉय इंडिया और रेनमैटर फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 1.5 लाख करोड़ डॉलर के निवेश से भारत 2030 तक 50 लाख से अधिक नौकरियां सृजित कर सकता है। यह निवेश विनिर्माण, ग्रीन मटेरियल और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में तष्ठक्क को 3.5-4 लाख करोड़ डॉलर तक बढ़ा सकता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के मोर्चे पर निवेश कर भारत 2030 तक 50 लाख से अधिक रोजगार का सृजन कर सकता है। इससे न सिर्फ ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी, बल्कि कम कार्बन वाली टिकाऊ जीडीपी बनाने में भी मदद मिलेगी। डेलॉय इंडिया एवं रेनमैटर फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बारिश, तापमान, भूमि उपयोग और जैव विविधता में परिवर्तन प्राकृतिक संसाधनों को कमजोर करने के साथ जटिलता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में भारत को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निपटने और रोजगार सृजन के लिए 2030 तक 1.50 लाख करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। यह निवेश विनिर्माण, भंडारण, परिचालन-रखरखाव, ग्रीन मेटेरियल्स और लॉजिस्टिक क्षेत्र में बड़ी संख्या मे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। साथ ही, इस निवेश से घरेलू जीडीपी में हर साल 3.5 से 4 लाख करोड़ डॉलर का उत्पादन बढ़ सकता है, जिससे भारत अधिक समावेशी और जलवायु प्रतिरोधी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यवस्थित परिवर्तन की आवश्यकता है। विभिन्न स्तर पर चल रही अलग-अलग पहलों से आगे बढ़कर एक

साझा मिशन तैयार करना होगा, जो निर्माण, निवेश और नवाचार के तरीकों को नया स्वरूप दे। इसमें सरकार, नीति निर्माताओं, कॉरपोरेट्स, नागरिक समूहों एवं नगर नियोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें जलवायु परिवर्तन के एजेंडे पर साथ मिलकर काम करना होगा, ताकि लचीली आजीविका, प्रतिस्पर्धी उद्योग और भविष्य के लिए नौकरियां पैदा हो सकें। डेलॉय के 2025 नागरिक जलवायु सर्वे के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन भारत में दैनिक जीवन को तेजी से प्रभावित कर रहा है। 86 फीसदी लोगों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, एक-तिहाई लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका पर असर पड़ रहा है। इस रिपोर्ट में कॉरपोरेट जलवायु तत्परता सर्वे 2025 के नतीजों को भी शामिल किया गया है। इसके मुताबिक, लोगों की तरह भारतीय व्यवसायों को भी जलवायु संबंधी घटनाओं के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 47 फीसदी उद्योगों ने कहा, बदलती पर्यावरणीय स्थितियों के कारण कर्मचारियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसका असर परिचालन पर पड़ रहा है। हालांकि, इन चुनौतियों से निपटने के लिए वे सक्रिय कदम उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। सर्वे में शामिल 44 फीसदी कचरे को अलग-अलग करने का अभ्यास कर रहे हैं। 40 फीसदी बिजली या पानी की कम खपत कर रहे हैं। 30 फीसदी सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल में कटौती कर रहे हैं। इसके बावजूद समन्वित प्रयासों व सामूहिक कार्रवाई की कमी से भागीदारी सीमित है। 22 फीसदी इस दिशा में प्रयास नहीं कर रहे हैं।

भारत टैरिफ घटने के बाद ही कर सकता है व्यापार वार्ता

भारत पहले रोके रूसी तेल आयात, फिर अमेरिका से टैरिफ घटाने और व्यापार वार्ता की दिशा में बढ़े

नई दिल्ली। जीटीआरआई ने सुझाव दिया है कि अमेरिका के साथ जारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच भारत को अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है। भारत को चरणबद्ध रणनीति अपनाते हुए सबसे पहले प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से तेल आयात बंद कर देना चाहिए, ताकि संभावित द्वितीयक प्रतिबंधों से बचा जा सके। भारत को अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में सतर्क रणनीति अपनानी चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह सुझाव दिया है। इसमें तीन चरणों की योजना सुझाते हुए कहा गया है कि भारत को पहले प्रतिबंधित रूसी कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल से तेल आयात बंद करना चाहिए, ताकि द्वितीयक प्रतिबंधों के खतरे से बचा जा सके। जीटीआरआई के अनुसार, जब ये आयात पूरी तरह बंद हो जाएंगे, तो भारत को अमेरिका पर दबाव

बनाना चाहिए कि वह भारतीय निर्यात पर लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत रूसी तेल टैरिफ को वापस ले। इसमें कहा गया है कि टैरिफ सामान्य होने के बाद ही व्यापार वार्ता फिर से शुरू करें और वह भी उचित व संतुलित शर्तों पर। सरकारी अधिकारियों ने 24 अक्तूबर को कहा कि भारत और अमेरिका महत्वाकांक्षी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। हालांकि, यह प्रगति ऐसे समय हो रही है जब 22 अक्तूबर को वाशिंगटन ने रूसी कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। यह रूस के कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा संभालती हैं। इन प्रतिबंधों ने भारत के लिए स्थिति कठिन बना दी है, क्योंकि इसका असर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय और डिजिटल ढांचे तक पहुंच को भी खतरे में डाल सकता है।

अमेरिकी कदमों का असर पहले से ही दिखा है। 31 जुलाई को लगाए गए 25 प्रतिशत रूसी तेल शुल्क के बाद भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क दर 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके चलते मई से सितंबर के बीच भारतीय निर्यात में 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जीटीआरआई ने चेतावनी दी है कि अमेरिका के रूस पर लगाए गए द्वितीयक प्रतिबंध अब भारत के लिए व्यापक खतरे पैदा कर सकते हैं। संस्था के मुताबिक, ये प्रतिबंध न केवल व्यापार बल्कि वित्तीय और डिजिटल ढांचे को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन प्रतिबंधों के चलते भारत की स्ब्ढ्ढस्न्ङ्ग भुगतान प्रणाली तक पहुंच अवरुद्ध हो सकती है, डॉलर आधारित लेनदेन पर रोक लग सकती है और रिफाइनरी, बंदरगाहों और बैंकों से जुड़ी डिजिटल सेवाएं बाधित हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां टैरिफ सीधे निर्यातकों को नुकसान पहुंचाते हैं, वहीं प्रतिबंध पूरी प्रणाली को पंगु बना सकते हैं। इसमें यह भी सुझाव दिया कि भारत को यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के समान स्तर हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए, यानी औसत औद्योगिक शुल्क को लगभग 15 प्रतिशत तक लाने और कपड़ा, रत्न-आभूषण और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों को ड्यूटी-फ्री पहुंच देने का लक्ष्य रखना चाहिए।

सैम ऑल्टमैन ने 7 साल पहले की थी टेस्ला कार बुक

लंबे समय से कर रहे हैं रिफंड का इंतजार

नई दिल्ली। ओपनएआई के फाउंडर और सीईओ सैम ऑल्टमैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कई वर्षों पहले टेस्ला कार बुक की थी, लेकिन यह कार उन्हें कभी मिली ही नहीं। इस कार के लिए उन्हें काफी इंतजार करना पड़ा और वे अब रिफंड के इंतजार में हैं।

ऑल्टमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा, मैं टेस्ला कार के लिए काफी उत्साहित था। मैं देरी भी समझता हूं। लेकिन 7.5 वर्षों का यह इंतजार मेरे लिए काफी लंबा रहा। ऑल्टमैन ने 11 जुलाई 2018 का एक स्क्रीनशॉट शेयर कर जानकारी दी कि उन्होंने इस कार की बुकिंग 2018 में ही कर ली थी, जिसके लिए उन्होंने 45000 डॉलर का बुकिंग अमाउंट भी पे कर दिया था। इस पेमेंट को कंपनी की ओर से कंफर्म भी कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने टेस्ला कार के लिए अपने रिजर्वेशन को कैंसल करने और भुगतान की गई राशि को वापस मांगने के लिए कंपनी को एक दूसरा मेल किया। लेकिन ईमेल बाउंस बैक हो गया। उनके द्वारा शेयर किए गए तीसरे स्क्रीनशॉट में कंपनी का ईमेल एड्रेस नॉट फाउंड शो हो रहा है। सैम ऑल्टमैन द्वारा टेस्ला को लेकर की इस शिकायत पर फिलहाल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की ओर से किसी तरह का जवाब नहीं आया है। यह भी साफ नहीं है कि कंपनी की ओर से उन्हें निजी तौर पर किसी तरह की प्रतिक्रिया दी गई है या नहीं।

ऑल्टमैन की ओर से अभी यह जानकारी भी नहीं दी गई है कि उन्होंने किस टेस्ला मॉडल को लेकर बुकिंग की थी। हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो यह टेस्ला रोडस्टर हो सकती है। इस बीच, टेस्ला भारत में अपनी पहली कार मॉडल वाई की डिलीवरी कर चुकी है। कंपनी ने बीते महीने सितंबर में इस कार की डिलीवरी मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में की। टेस्ला की यह कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने खरीदी। जिसको लेकर राज्य के परिवहन मंत्री ने कहा था कि कार खरीदने का उनका फैसला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए था।

खेल, मनोरंजन

युवा एशियाई खेलों में भारत का प्रभावशाली प्रदर्शन, मुक्केबाजी में जीते 3 स्वर्ण पदक

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता।

भारत ने एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा बीच कुश्ती में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता। अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर

भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। पदक की गिनती और भी बढ़ सकती है क्योंकि हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) शाम के सत्र में अपने-अपने वर्ग में फाइनल में हिस्सा लेंगी जिसमें भारत की नजरें स्वर्ण पदक का रिकॉर्ड बनाने पर है। लड़कों के फाइनल में लैंचेनबा (50 किग्रा) को कजाखस्तान के नूरमाखान झुमगली के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बीच कुश्ती में सानी सुभाष फुलमाली और अंजलि ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के 60 किग्रा और 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि अर्जुन रुहिल भी लड़कों के 90 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर रहे। सुजॉय नागनाथ तनपुरे (70 किग्रा) और रविंदर (80 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हारने के बाद रजत पदक मिला। सानी सुभाष ने फाइनल में ईरान के अमीराली डोमिरकोलाई को 2-0 से हराया जबकि अंजलि ने वियतनाम की बुई एमगोक थाओ थॉम को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जुन ने 90 किग्रा वर्ग में ईरान के मोहम्मदमहदी फोतोउही को हराया। सुजॉय ईरान के सिना शोकोउही से 1-2 से हार गए जबकि रविंदर को भी ईरान के ही तौराज खोडेई के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

फिल्म हक़ से वर्तिका सिंह का पहली झलक आई सामने

7 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

फिल्म हक़ में वर्तिका सिंह का पहला पोस्टर आखिरकार सामने आ गया है और यह बिल्कुल मनमोहक है। हक़ पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया और सुपरमाडल वर्तिका सिंह को उनके बहुप्रतीक्षित बालीवुड डेब्यू में पेश करता है। जारी किए गए पोस्टर में वर्तिका एक शांत लेकिन गहराई से प्रभावशाली पल में नजर आती हैं मिट्टी के रंगों में लिपटी, उनका चेहरा स्थिर है, पर उनकी आंखों में एक कोमलता और आग दोनों झलकती हैं। यह झलक उनके किरदार की नाजुकता और ताकत दोनों को बयां करती है। अपनी भूमिका के लिए वर्तिका ने कई हफ्तों तक वर्कशाप्स में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने इमोशनल मेमोरी तकनीकों के ज़रिए किरदार को भीतर से गढ़ा। लखनऊ से ताल्लुक रखने वाली वर्तिका ने फिल्म के कई अहम दृश्य अपने ही शहर में शूट किए।

डेब्यू पर वर्तिका सिंह ने कहा, हक़ एक ऐसी कहानी है जिसने मेरे भीतर कुछ गहराई से हिलाया। इस सफर ने मुझे अपने अंदर झाँकने और हर पल में सच्चाई खोजने पर मजबूर किया। मैंने अपने वो हिस्से देखे जिनके बारे में मुझे पहले पता भी नहीं था। मैं जंगली पिक्चर्स की बेहद आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह मौका दिया। बस यही चाहती हूँ कि यह फिल्म लोगों के

दिल तक वैसे ही पहुँचे, जैसे यह मेरे दिल तक पहुँची। हक़ में इमरान हाशमी और यामी गौतम धर के बीच एक तीखा कोर्टरूम ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसके केंद्र में वर्तिका का किरदार है। जैसे-जैसे राज़ खुलते हैं, फिल्म यह दिखाती है कि कैसे धारणाएँ न्याय को प्रभावित करती हैं और कैसे सच कभी-कभी नज़रिए का मामला बन जाता है। जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बवेजा स्टूडियोज के सहयोग से बनी हक़ की कहानी एक ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रेरित है। यह फिल्म न्याय, पहचान और नैतिक द्वंद्व की जटिल परतों को बेहद मानवीय दृष्टिकोण से पेश करती है। हक़ 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

मायसा में होगा रश्मिका मंदाना का सोलो लीड रोल

एक साल भर जबरदस्त एक्शन और रोमांच से भरी फिल्मों के बाद अब दर्शकों के लिए एक और सरप्राइज मायसा आ रहा है, जिसमें लीड रोल में नजर आएंगी टैलेंटेड और खूबसूरत रश्मिका मंदाना.

आफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही यह फिल्म चर्चा में है, जिसकी सबसे बड़ी वजह है रश्मिका का नया दमदार लुक और इसकी दिलचस्प कहानी. मायसा में हम रश्मिका को एक्शन करते हुए भी देखने वाले हैं। दीवाली के मौके पर मायसा के मेकर्स ने फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज़ किया, जिसमें रश्मिका एक दमदार सिल्हूट में नजर आ रही हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि उन्हें एक्शन फिल्मों में काम करना बहुत पसंद है. उन्होंने कहा, मुझे एक्शन सिनेमा करना बहुत अच्छा लगता है और मैं अभी एक कर रही हूं मायसा। रोमांच को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने बताया कि फिल्म की एक खास झलक जल्द ही फैंस के लिए रिलीज़ की जाएगी. मायसा इस साल की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक बनने जा रही है। मायसा के मेकर्स ने हाल ही में एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें रश्मिका मंदाना एक जबरदस्त नए लुक में नजर आ रही हैं. खून से सना चेहरा, खुले बाल और हाथ में तलवार लिए रश्मिका बहुत ताकतवर दिख रही हैं। अनफार्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी और रविंद्रा पुल्ले द्वारा बनाई गई मायसा एक इमोशनल एक्शन फिल्म है, जो जंगलों में रहने वाले लोगों की कहानी पर आधारित है. फिल्म में सुंदर दृश्य, दिल को छू लेने वाली कहानी और रश्मिका का शानदार अभिनय देखने को मिलेगा।

20 साल बाद थमा एक युग! स्टार भारतीय एथलीट रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कहा

नई दिल्ली। अपने भावनात्मक संदेश में बोपन्ना ने कहा, 'यह अलविदा नहीं है, यह धन्यवाद है।' इन शब्दों ने उनके पूरे करियर की आत्मा को बयां कर दिया। उन्होंने अपने साथियों, परिवार, प्रशंसकों और कोचों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी इस यात्रा में योगदान दिया। भारतीय टेनिस की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक, रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से अपने संन्यास की घोषणा की है। यह घोषणा उनके करियर की आखिरी पारी का संकेत थी, लेकिन बोपन्ना ने इसे अलविदा नहीं कहा, बल्कि उन्होंने इसे एक धन्यवाद का रूप दिया। 20 साल से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने भारत को कई ऐतिहासिक पल दिए और खुद को भारतीय टेनिस का स्थायी चेहरा बना लिया। रोहन बोपन्ना का करियर प्रेरणा और निरंतरता का उदाहरण रहा है। उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक टेनिस के शीर्ष स्तर पर खेलते हुए भारत का नाम रोशन किया। डबल्स स्पेशलिस्ट के रूप में उनकी गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में की जाती रही। उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और कई बार भारतीय ध्वज को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊंचा किया। उनका संयम, खेल भावना और फिटनेस ने यह साबित किया कि उम्र केवल एक संख्या है। यह वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने 40+ की उम्र में भी ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई और युवा पीढ़ी के लिए एक मिसाल कायम की। बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ जीता था और 2024 में मैथ्यू एबडन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। बोपन्ना ने अपने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की। उन्होंने लिखा, 'जिस चीज ने मेरे जीवन को अर्थ दिया, उससे विदाई कैसे लूं? 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है कि मैं आधिकारिक तौर पर अपना रैकेट टांग दूं। कूर्ग में अपनी सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी काटने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े एरेना की रोशनी में खड़े होने तक, यह सब अविश्वसनीय लगता है।

मेदवेदेव को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे ज्वेरेव, अब सिनर से होगा सामना

पेरिस। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने दो मैच प्वाइंट बचाकर डेनिल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराकर अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीद बरकरार रखी। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। पिछले सप्ताहांत वियना फाइनल में दोनों की भिड़ंत हुई थी, जहां सिनर ने तीसरे सेट में 7-5 से जीत हासिल की थी। दोनों का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड 4-4 से बराबर है। निर्णायक सेट में 4-5 के स्कोर पर ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ दोनों मैच प्वाइंट बचाए। पेरिस मास्टर्स में 2020 फाइनल में ज्वेरेव को हराने वाले मेदवेदेव ने टाईब्रेकर में 5-5 की बराबरी कर ली, लेकिन ज्वेरेव ने फिर से बढ़त बनाते हुए ढाई घंटे में जीत हासिल कर ली। सिनर ने नंबर सात बेन शेल्टन को 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

नजूल विभाग के दान-दक्षिणा वाले सिस्टम से जमीन मालिक हलाकान

कछुआ गति से नामांतरण, नवीनीकरण कार्य से पक्षकारों में पनप रहा आक्रोश, खबर के बाद दिन भर नवप्रदेश की होती रही चर्चा

कांकेर/नवप्रदेश। 31अक्टूबर को दैनिक नवप्रदेश ने नजूल विभाग में नामांतरण/नवीनीकरण कार्य निर्धारित समय पर नहीं होने एवं 100से अधिक नामांतरण फाइल और नवीनीकरण की तो लंबी लिस्ट की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर के बाद नजूल विभाग में हड़कंप मच हुआ है। नामांतरण नवीनीकरण के लिए पक्षकारों में नवप्रदेश की खबर के बाद खुशियां चेहरे पर साफ झलकते नजर आई। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ शासन की स्वतः महत्वाकांक्षी योजना नजूल भूमि योजना कांकेर मुख्यालय में सार्थक होती नहीं दिख रही है। जिसके चलते शहरीय क्षेत्र के नजूल विभाग के रवैए से जमीन मालिकों में जमकर आक्रोश साफ देखा जा सकता है। नजूल विभाग में नामांतरण नवीनीकरण कार्य के लिए पक्षकार दफ्तर के चक्कर लगा लगा कर परेशान हो रहे हैं। पक्षकारों के समस्त दस्तावेज पूर्ण होने के बाद भी विभाग के कर्मचारी कमियां बताकर महीनो कार्य को लटका दिया जाता है। पहुंच वाली पक्षकारों के भी बिना दक्षिणा कार्य नहीं होता ऐसा हमे पेंडिंग पड़े पक्षकारों ने बताया पक्षकारों ने बताया कि खबर में नाम आने के बाद हमारे कार्य को और भी लटका दिए जाने का अंदेशा है इसलिए पक्षकारों ने कहा कि निर्धारित समय तिथि में कार्य नहीं होने के बाद हम खुद ही आगे आकर विभाग के खिलाफ़ मिलकर मोर्चा खोल कार्यवाही की मांग करने की बात कही गई है।

नामांतरण/नवीनीकरण के लिए पक्षकारों को दफ्तर के लगने पड़ रहे चक्कर ..

■ 100 से अधिक नामांतरण की फाइल लंबित नवीनीकरण की लंबी लिस्ट

नामांतरण/नवीनीकरण के सौ से अधिक मामले लंबित!!

बिना दक्षिणा टेबल से फाइल आगे नहीं बढ़ती

बता दे कि नजूल विभाग की मनमानी इतनी है कि नवीनीकरण नामांतरण के सैकड़ों प्रकरण लंबित पड़े है महीनों से फाइल धूल खाते नजर आ जाएंगे इसके बावजूद हठधर्मिता कर्मचारी बिना दक्षिणा के टेबल से फाइल आगे नहीं बढ़ाते। पक्षकारों ने बताया कि नजूल विभाग के कर्मचारी अफसरों की दक्षिणा भी तय करते है लेकिन हमारी पड़ताल में यह बात बिल्कुल गलत साबित हुई है अधिकारी को किसी काम के एवज दक्षिणा नहीं लिया जाता है। अधिकारी जितनी जल्दी जल्दी फाइल आगे बढ़े उतना उनके लिए काम का बोझ कम होने की जानकारी मिली है। अब ऐसे में नजूल विभाग में नामांतरण नवीनीकरण के नाम पर दक्षिणा वालो की पहचान कर उन्हें अन्यत्र जगह देकर विभाग की किरकिरी होने से भी बचाई जा सकती है !

मौसम ने बदली करवट, रायपुर सहित प्रदेश का तापमान गिरा

■ नवंबर के दूसरे सप्ताह से प्रदेश में बढ़ सकती है ठंड

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी सहित पूरे छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज अब बदलने लगा है। नवंबर की शुरुआत के साथ ही अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट और न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ अंचलों में छिटपुट बारिश के बाद बादल छंटने के संकेत मिले हैं।

मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि अब बारिश वितरण और तीव्रता दोनों में कमी आएगी। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना जताई है। उसके बाद मौसम सामान्य रहेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से उत्तर-पूर्वी हवाएं सक्रिय होने की संभावना है, जिससे ठंडक बढ़नी शुरू होगी।

बारिश का असर घटने लगा- मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों, प्रेमनगर, शंकरगढ़, बलरामपुर, कुसमी और सरिया में हल्की बारिश दर्ज की गई है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में बारिश गतिविधि सीमित रही।

मौसम विभाग का कहना है कि एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, परंतु व्यापक बारिश की संभावना अब नहीं है। इससे माना जा रहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता कमजोर पड़ रही है, और आने वाले सप्ताहों में इसका असर और घटेगा।

छाए रहेंगे बादल- रायपुर शहर के लिए रविवार को भी बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में सुबह और शाम के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू होगी, ठंडी हवाओं के असर नवंबर के दूसरे सप्ताह से महसूस होना प्रारंभ हो जाएगा।

दिन का तापमान 30.7 डिग्री, रात का पारा 22.9 डिग्री पर

मौसम विज्ञान अनुसार, शनिवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री कम, जबकि न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री अधिक रहा। इससे स्पष्ट है कि दिन का तापमान थोड़ा गिरा है, लेकिन रातें अब भी सामान्य से अधिक गर्म बनी हुई हैं। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 32.5डिग्री राजनांदगांव में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री पेण्ड्रारोड में दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के आदेश के बाद भी डाक्टर ने नहीं किया ज्वाइनिंग

कोपरा नवापारा/नवप्रदेश। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में अब स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने जिला प्रशासन ने जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर सोमेश शिवा साहू को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में नवीन पदस्थापना किया है। वहीं पाण्डुका स्वास्थ्य केंद्र में डॉ नीतीश कुमार साहू का पदस्थापना किया गया हैं। आदेश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से 17 अक्टूबर 2025 को जारी हुआ है किंतु अभी तक उक्त डॉक्टर ने ज्वाइन नहीं किया है। डॉक्टर का इंतज़ार अभी कोपरा एवम पाण्डुका की आम जनता कर रही है। प्रशासन ने कोपरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की पोस्टिंग करने आदेश तो जारी किया पर अभी तक डॉक्टर कोपरा तक नहीं पहुंच पाए हैं।उल्लेखनीय है कि जिले के नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में लंबे समय से एमबीबीएस डॉक्टर मेडिकल ऑफिसर के पद रिक्त था। जिसके चलते कोपरा सहित आसपास के 40 हजार लोगों को स्वास्थ्य सेवा से वंचित होना पड़

रहा था। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में एमबीबीएस डॉक्टर नहीं होने अस्पताल में हो रहे अव्यवस्था की खबर को नवप्रदेश ने प्रमुखता से प्रकाशन किया था। जिसके बाद प्रशासन ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर सोमेश शिवा साहू का स्थानांतरण करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में नवीन पदस्थापना किया है। इसका आदेश गरियाबंद के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने 17 अक्टूबर 2025 को जारी किया है। प्रशासन की इस पहल से अब कोपरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सा सुविधाएं मिलेगी। एमबीबीएस डॉक्टर नहीं होने से कोपरा में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाली के दौर से गुजर रहा था। अस्पताल में साधन-संसाधन और डॉक्टरों की कमी ने हालात को वेंटिलेटर पर पहंचा दिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नगर पंचायत कोपरा का प्राथमिक स्वास्थ्य पीएचसी हैं।जहां वषों से एक एमबीबीएस डॉक्टर की पोस्टिंग नहीं हैं ऐसा नहीं है कि डॉक्टर की पोस्टिंग करने स्थानीय लोगों ने मांग नहीं किया होगा। डॉक्टर की मांग स्थानीय लोग सालों से कर रहे हैं पर पोस्टिंग अब तक नहीं किया गया। अस्पताल में उचित इलाज समय पर नहीं मिलने से यहां आने वाले मरीज निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। नगर पचायत कोपरा की आबादी करीब 15 हजार है और आसपास के 30 हजार लोग इलाज के लिए भटक रहे थे। डॉक्टर की कमी से गंभीर बीमारी के मरीज दूरस्थ इलाकों में इलाज करने को मजबूर है। डाक्टरों की कमी के कारण गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं के लिए ते हालत और भी खराब हैं। अस्पताल में एम्बुलेंस तक की सुविधा नही है।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर मुक्तिधाम में श्रमदान, सफाई एवं वृक्षारोपण

डोंगरगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर नगर पंचायत डोंगरगांव द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 3 स्थित मुक्तिधाम में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की गई। सफाई कार्य उपरांत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनम्र जेमा, पार्षद प्रियंक जैन, निकाय के समस्त कर्मचारी, स्वच्छता दीदियाँ एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के नेतृत्व एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनम्र जेमा के मार्गदर्शन में नगर पंचायत द्वारा नियमित रूप से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही नगर को हरा-भरा रखने हेतु विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती महोत्सव एवं विशेष स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक किया जा रहा है। इस अवधि में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई अभियान, श्रमदान कार्यक्रम, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ ही सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है।

पटाखे से बालक झुलसा, जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

नारायणपुर/नवप्रदेश। देवउठनी पर्व के दिन सोनपुर, नारायणपुर निवासी 10 वर्षीय एक बालक के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बालक ने घर पर खेलते हुए बम पटाखे का बारूद निकालकर उसे गत्ते (कार्डबोर्ड) में रख दिया और उसे माचिस से जलाने का प्रयास किया। तभी अचानक तेज धमाके के साथ बारूद फट गया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर जलन हुई और पूरा चेहरा छाले (ब्लिस्टर) पड़ने से झुलस गया। घटना के बाद परिजन तुरंत बच्चे को जिला अस्पताल नारायणपुर लेकर पहुँचे, जहाँ डॉक्टरों की टीम द्वारा उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि विस्फोट से बच्चे के चेहरे की सुंदरता बुरी तरह प्रभावित हुई है, हालांकि उसकी स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। प्रशासन एवं अस्पताल प्रबंधन ने इस दर्दनाक घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि पटाखों को अत्यंत सावधानी से जलाएँ।

भूपेश बघेल भी पार्टी के लिए करेंगे प्रचार

रायपुर/नवप्रदेश। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में चुनाव होना है, इस चुनाव के दुसरे चरण के लिए कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत छत्तीसगढ़ के पूर्व ष्टरू भूपेश बघेल 40 नेताओं का नाम शामिल है।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी- कांग्रेस ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है. इस लिस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, कन्हैया कुमार और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, बिहार के एआईसीसी प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश राम, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, भूपेश बघेल का नाम शामिल हैं।

एनीकट में डूबने से युवक की मौत

डोंगरगांव/नवप्रदेश। डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम धनगांव (कु) में शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे के आसपास शिवनाथ नदी पर बने एनीकट में डूबने से ग्राम कुमरदा निवासी बिरसिंग कोलियारे पिता भोला (उम्र लगभग 35 वर्ष) की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मोंगरा जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण एनीकट में तेज बहाव था। बताया गया कि बिरसिंग अपने दोस्तों के साथ एनीकट पार कर किनारे नहाने रुका था, इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। कुछ देर बाद बिरसिंग पास ही लगे राड में फंसा मिला।

साथी रवि कुमार सहारे, विनोद कुमार राणा, उत्तम रावटे, घंसु चुरेन्द्र और शंकर नेताम ने बताया कि वे सभी गांव से होकर कुमरदा जा रहे थे। रास्ते में एनीकट पर रुककर गाड़ी धोने और नहाने लगे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक उसे बाहर निकाला गया, उसकी मौत हो चुकी थी।

देवउठनी एकादशी से शुरू हो गए शादी-ब्याह

■ बाल विवाह पर सख्त निगरानी रखे प्रशासन

गरियाबंद/नवप्रदेश। देवउठनी एकादशी से शुरू हो रहे शादी-ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए एक्सेस टू जस्टिस (न्याय तक पहुंच) जिला गरियाबंद, जो कि संचालक संस्था 'समर्पित गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक अनुसंधान केंद्र बिलासपुर (छ.ग.)' के अंतर्गत कार्यरत है, ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन से सख्त निगरानी और सतर्कता बरतने की अपील की है।

संगठन ने जिला प्रशासन को भेजे गए पत्र में कहा है कि इस विवाह सीजन में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर चौकसी बेहद जरूरी है। समर्पित ने आग्रह किया है कि सरपंचों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पुलिस अमले को विशेष निगरानी के निर्देश दिए जाएं, ताकि किसी भी संभावित बाल विवाह की जानकारी तुरंत प्राप्त हो सके और त्वरित कार्रवाई की जा सके।

संगठन ने यह भी अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को किसी बाल विवाह की सूचना मिले, तो वह तुरंत पुलिस हेल्पलाइन (112), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) या टोल-फ्री नंबर (1800-1027-222) अथवा स्थानीय थाने को सूचित करे, ताकि अपराध को रोका जा सके।

समर्पित संस्था के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2024 के अपने ऐतिहासिक निर्णय में जिलों को बाल विवाह की रोकथाम के लिए सतर्क रहने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। हम केवल उन्हीं निर्देशों के पालन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश से बाल विवाह का पूर्ण उन्मूलन करना है।

डॉ. शर्मा ने आगे कहा,

> बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई केवल कानून से नहीं, बल्कि समाज की सजगता से जीती जा सकती है।
>
> — डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, समर्पित

÷आज हम बाल विवाह के खात्मे के मुहाने पर खड़े हैं। यह समय बेहद अहम है क्योंकि देवउठनी एकादशी के शुभ मुहूर्त में कई परिवार बच्चों की शादी का आयोजन करते हैं। हमें इस शुभ अवसर की गरिमा बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि एक भी बाल विवाह न होने पाए।÷

समर्पित एक्सेस टू जस्टिस (न्याय तक पहुंच) संस्था, बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए कार्यरत राष्ट्रीय नागरिक समाज नेटवर्क ÷जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन÷ की सहयोगी संस्था है। यह संगठन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत पिछले कई वर्षों से जिले में जागरूकता अभियान चला रहा है और अब गांवों, स्कूलों व धार्मिक संस्थानों को इस मुहिम से जोड़ने पर विशेष जोर दे रहा है।

नियमों पर अडिग बालको, आवास खाली पर अब कोई समझौता नहीं

कोरबा-बालकोनगर/नवप्रदेश। बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा ने हाल ही में नवनिर्मित बालको सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन (बीएसकेएस) द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को लगाए गए जबरदस्ती क्वार्टर खाली कराने के आरोपों को पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और गलत बताया है। संघ ने कहा कि बालको प्रबंधन सदैव अपने कर्मचारियों और सेवानिवृत्त साथियों के प्रति सम्मानजनक और मानवीय दृष्टिकोण रखता आया है। संगठन ने सभी से कंपनी के नियमों और अनुशासन का सम्मान करते हुए सहयोग बनाए रखने की अपील की, ताकि परिसर में बालको की परंपरा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहें।

मिली जानकारी के अनुसार, जनप्रतिनिधियों के आग्रह पर बालको प्रबंधन ने स्वयं 31 अक्टूबर तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई को स्थगित रखा और सभी सुविधाएँ यथावत बनाए रखीं। कंपनी का उद्देश्य किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को परेशान करना नहीं है, बल्कि कंपनी की संपत्तियों (क्वार्टरध्आवासों) का नियमानुसार पुनः अधिग्रहण करना है, ताकि उन्हें वर्तमान पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जा सके।

बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ ने किया कार्यवाही का समर्थन: बालको सेवानिवृत्त मैत्री संघ, कोरबा, जो बालको के पूर्व कर्मचारियों का सबसे पुराना और सक्रिय संगठन है, सदैव कंपनी और सेवानिवृत्त साथियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने में अग्रणी रहा है। संगठन के संयोजक जे.के. तिवारी ने बीएसकेएस के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि आवास बालको कर्मचारियों के लिए ही हैं। कंपनी के नियमानुसार, कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने के उपरांत तय समयावधि में आवास खाली कर देना चाहिए। बालको अपने सभी पूर्व और वर्तमान साथियों को परिवार का अभिन्न हिस्सा मानती है और उनके कल्याण एवं गरिमा की रक्षा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और नागरिकों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी अवैध गतिविधि में भाग न लें।

कार्रवाई की मांग ... *एफआईआर दर्ज करने राजिम में सौंपा गया ज्ञापन, समाज ने कहा-अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं*

आदेश सोनी के बयान पर सतनामी समाज आहत

राजिम/नवप्रदेश। राजिम तहसील क्षेत्र में सतनामी समाज के लोगों ने समाज विरोधी टिप्पणी करने वाले आदेश सोनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाज के पदाधिकारियों ने राजिम थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डिबेट में विवादित टिप्पणी पर बवाल

शिकायत में बताया गया है कि 25 अक्टूबर की रात निजी न्यूज चैनल के लाइव डिबेट कार्यक्रम के दौरान आदेश सोनी ने सतनामी समाज के प्रति अपमानजनक, भड़काऊ और समाज विरोधी टिप्पणी की थी। इससे समाज की भावनाएं गहराई से आहत हुई हैं और पूरे क्षेत्र में आक्रोश व असंतोष का माहौल बन गया है।

सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग

समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह विवाद अब सिर्फ राजिम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश में सतनामी समाज में उबाल है। प्रदेश स्तर पर भी समाज के प्रमुखों और संगठन पदाधिकारियों द्वारा शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आदेश सोनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। समाजजनों ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से सामाजिक सौहार्द्र और सद्भाव को ठेस पहुंचती है, जिससे समाज में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

समाज ने कहा-अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं

स्थानीय पदाधिकारियों ने कहा कि यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति की भावना का नहीं, बल्कि संपूर्ण सतनामी समाज के सम्मान और अस्मिता का प्रश्न है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस प्रकरण में तुरंत संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति समाज विरोधी टिप्पणी करने का दुस्साहस न कर सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com